



Nobility The Sole Virtue Truth Alone Stands

"HOLY CROSS 2022

Ascent 4"

HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL

(ENGLISH MEDIUM)

AMBIKAPUR, DIST. - SURGUJA (C.G.), Mo. 9399519148

E-mail : holycrossambikapur67@gmail.com Website : www.holycrossambikapur.com





Teaching Staff

Guiding Minds, Shaping Futures: Our Teaching Staff, the Architects of Knowledge.

Nobility The Sole Virtue Truth Alone Stands

HOLY CROSS *Ascent*



2024

HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL

(ENGLISH MEDIUM)

AMBIKAPUR, DIST. - SURGUJA (C.G.), Mo. 9399519148

E-mail : holycrossambikapur67@gmail.com Website : www.holycrossambikapur.com

Contents

Messages	03-13
From the Principal's Desk	14-15
Editorial	16-17
School Report	18-25
Social Service Club	26
Eco Club	27
Science Club	28
Literary Club	29-31
Arts Club	32
Music Club	33
Health Club	34
Interviews	36-53
Articles	54-100
Photo Gallery	101-140
Hindi Section	141-158
Art Gallery	159-163
In the news	164-167
Group Photographs	168-176
Outgoing Class 12th Photographs	177-180

Banksy is a pseudonymous England-based street artist, political activist and film director whose real name and identity remain unconfirmed and the subject of speculation. We have used Banksy's street art made in Gaza in this Magazine to show solidarity with children dying in the war.



Biswabhusan Harichandan
Governor of Chhattisgarh



RAJ BHAVAN
RAIPUR - 492001
CHHATTISGARH, INDIA
PHONE : +91-771-2331100
 : +91-771-2331105
FAX : +91-771-2331108

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि होली क्रॉस कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर द्वारा शालेय पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" का प्रकाशन किया जा रहा है।

ऐसी पत्र-पत्रिकाएं छात्र-छात्राओं में अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इस पत्रिका में रचनाशील शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं की मौलिक रचनाएं प्राथमिकता से प्रकाशित की जानी चाहिए। पत्रिका से स्कूल की शैक्षणिक गतिविधियों और विशेषताओं की जानकारीयां भी लोगों तक पहुंचती है।

प्रकाशक अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(विश्वभूषण हरिचन्दन)

प्रति,

प्राचार्य
होली क्रॉस कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)



विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ शासन

Vishnu Dev Sai
CHIEF MINISTER



मंत्रालय, महानदी भवन
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Atal Nagar, Raipur, 492002, Chhattisgarh

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि होली क्रॉस कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर द्वारा अपनी विद्यालयीन पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका के माध्यम से जहां एक ओर विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की लेखन शैली का विकास होता है वहीं दूसरी ओर इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त मंच से, छात्र विभिन्न विषयों पर अपनी भावनाओं एवं विचारों को आम लोगों के बीच प्रस्तुत करने में सफल होते हैं।

विद्यालयीन पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" के सफल प्रकाशन तथा पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े विद्यालय परिवार को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(विष्णु देव साय)

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)



बृजमोहन अग्रवाल

मंत्री

स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य,
धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग
छत्तीसगढ़ शासन



फोन (मंत्रालय) : 0771-2510226, 2221226
निवास : बी-5/1, शंकर नगर, रायपुर (छ.)
फोन : 0771-2331070, 2331011
फैक्स : 0771-4049410
ई-मेल : bm.raipur@gmail.com

क्रमांक : ६० / मंत्री/स्कू.शि./उ.शि./सं.का./धा.एवं धर्म./पर्य.सं.

रायपुर, दिनांक : २०/०१/२०२४

यह प्रसन्नता का विषय है कि होली क्रॉस कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.) द्वारा अपनी शालेय पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यालय से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। विद्यालय की पत्रिका छात्र-छात्राओं को अपने व्यक्तिगत विकास कार्यों के लिए प्रतिभा प्रदर्शन का भी अवसर प्रदान करती है। इस पत्रिका में विद्यालय में किये गये उत्कृष्ट कार्यों एवं गतिविधियों का प्रकाशन किया जायेगा जिससे आम लोगों को एवं पालकों को विद्यालय की जानकारी आसानी से प्राप्त हो पायेगी।

पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" के प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। विद्यालय परिवार की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता हूँ।


(बृजमोहन अग्रवाल)

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)



राजेश अग्रवाल

विधायक

अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र क्र. 10



निवास :

लखनपुर - 497 116,
जिला - सरगुजा (छत्तीसगढ़)
9425254227

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल द्वारा वार्षिक पत्रिका “होली क्रॉस एसेंट” का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है कि यह वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों में विद्यमान प्रतिभा को संपोषित कर उनके व्यक्तित्व को परिष्कृत करेगी। मैं पत्रिका के संपादन से जुड़े समस्त विद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ।

(राजेश अग्रवाल)



प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल,
अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

Dr. Ajay Kumar Tirkey

Mayor

Mayor Office, Municipal Corporation
Ambikapur, District - Surguja (C.G.)

PH : 07774-236394 (Office)

Mob. : 9617349988

विद्यालयीन वार्षिक पत्रिका “HOLY CROSS ASCENT” के प्रकाशित होने की सूचना से मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई।

छात्रों एवं शिक्षकों को सृजनात्मक अभिव्यक्ति हेतु सतत् अवसर प्रदान करना स्वागत्य है। छात्रों को ज्ञान सृजन के लिए प्रेरित करना शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रथम सोपान होगा। सृजनशील शिक्षक ही सृजनशील छात्रों के मार्गदर्शक हो सकेंगे। बच्चों की सृजनात्मकता अधिगम प्रक्रिया का अनिवार्य अंग हो।

समन्वित ज्ञानार्जन जिसका कर्म से सामंजस्य हो, और जो मूल्य-सृजन में शक्तिवर्धक एवं आदर्श हो, ऐसी शिक्षा प्रासंगिक होगी। शिक्षा का वास्तविक जीवन की गतिविधियों के साथ तालमेल तथा शिक्षा एवं शिक्षार्थी के जीवन लक्ष्यों में तालमेल आवश्यक है।

मेरी कामना है, कि इस विद्यालय के छात्र आज के द्रुतगामी एवं प्रतिस्पर्धी युग में उपलब्ध पल का सार्थक उपयोग करें, लक्ष्य साधक परिश्रम करें, अपने सपनों को साकार करें, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठता अर्जित करें।

सुअवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र, शिक्षकों, पालकों, शुभचिन्तकों को हार्दिक बधाई ! वार्षिक पत्रिका “HOLY CROSS ASCENT” के सफल प्रकाशन की मंगलकामनाएँ....

भवदीय

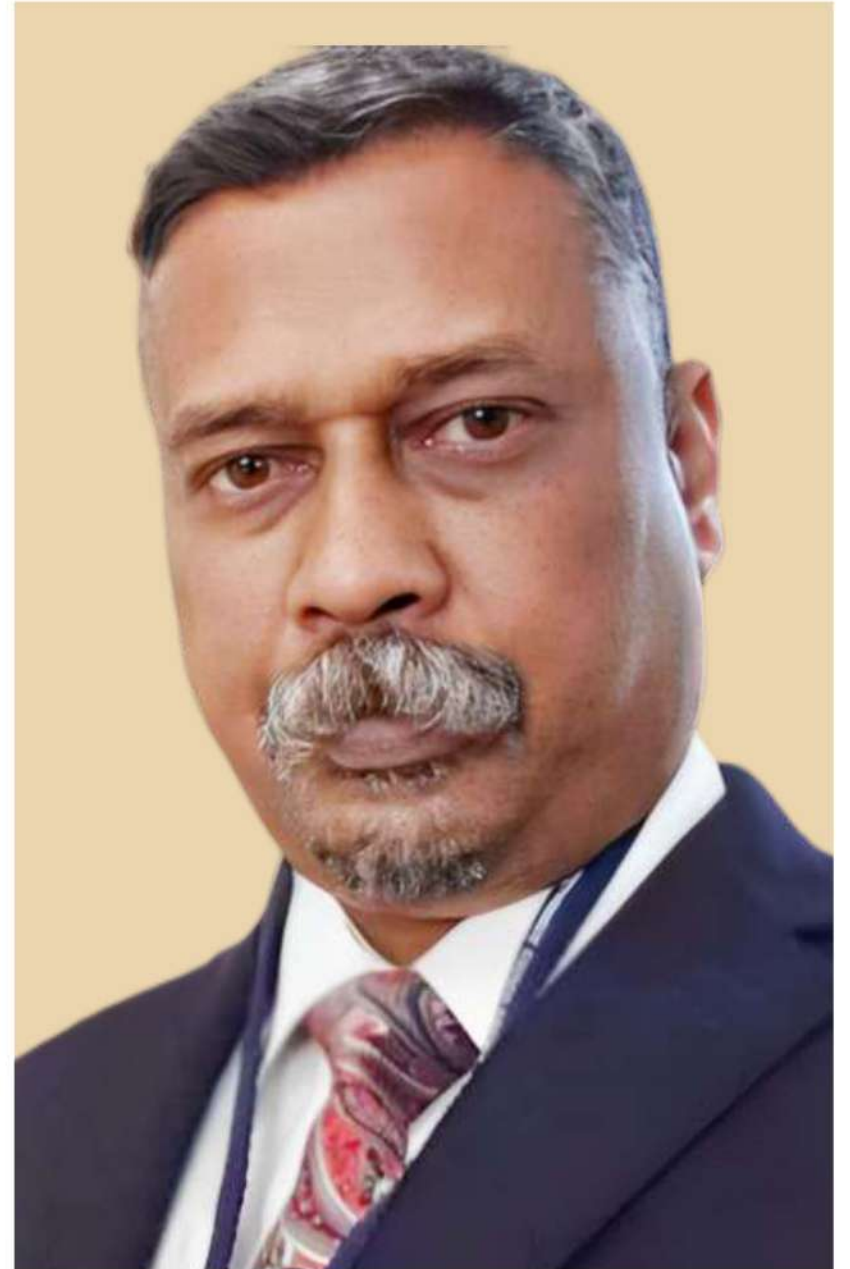


(डॉ. अजय कुमार तिरकी)

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर जिला सर्गुजा (छ.ग.)



गोविन्दराम चुरेन्द्र

आई.ए.एस.

आयुक्त,
सरगुजा संभाग
अम्बिकापुर



कार्यालय आयुक्त सरगुजा संभाग
सरगुजा, अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर विद्यालयीन पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" प्रकाशित कर रहा है।

रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कर उनकी प्रतिभा को निखारने में सहायक होती है। विद्यालयीन पत्रिका अपने उद्देश्यों में अवश्य सफल होगी और विद्यार्थियों के रचनात्मक लेखन का दर्पण बनेगी।

शुभकामनाओं के साथ !

भवदीय

(गोविन्दराम चुरेन्द्र)

प्रति,

सि. जरसी,

प्राचार्य,

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,

अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छत्तीसगढ़)



Ankit Garg

I.P.S.

Inspector General of Police
Surguja Range



Inspector General of Police

Surguja Range, Ambikapur (C.G.)

Te. (07774) (O) : 240158 (R) : 2140157

Fax No.: 241424, Mob.: 9479193500

email : igp-surguja.cg@gov.in

DO.No. IGP/STJ/STENO/840/23

Date : 13/10/2023

I am very happy to hear that your school magazine "Holy Cross Ascent" will be published in the month of February 2024.

School magazines have a great educative value. These encourage the students to participate in the extra-curricular activities which is an essential part of grooming of the future of this great nation. The young talented students find their first exposure through this medium. The magazine also records the achievements and various activities of the institutions. I hope that this publication would be successful in achieving these objectives.

I extend my heartiest congratulations and best wishes to the Principal, teaching staff and the students of Holy Cross Convent Senior Secondary School for the successful publication of the school magazine "Holy Cross Ascent".

My best wishes for the entire endeavor.


(Ankit Garg) 13/10/23

To,

**Principal,
Holy Cross Convent Sr. Sec. School
Ambikapur, District Surguja
Chhattisgarh**



डॉ. संजय गुहे

जिला शिक्षा अधिकारी
अम्बिकापुर, सरगुजा

कार्यालय

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला - सरगुजा (छ.ग.)

दूरभाष : 07774-24171, 24172

ई-मेल : dedoapur@gmail.com

विद्यालयीन वार्षिक पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" के नवीन अंक प्रकाशन की सूचना से हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

मेरी कामना है कि विद्यालय के समस्त सदप्रयास शिक्षा, ज्ञान, संस्कार, सद्कर्म, सद्विचार, आत्मविश्वास, साहस, नेतृत्वक्षमता, कार्यकुशलता, राष्ट्रीयता एवं अकादमिक श्रेष्ठताओं पर केन्द्रित हों।

सृजनात्मकता को आधार बनाकर ज्ञान का संप्रेषण प्रासंगिक होगा। शिक्षार्थी की आवश्यकता एवं मार्ग अनुरूप सापेक्षिक शिक्षा श्रेयष्कर होगी।

गुरुजनों एवं विद्यार्थियों से मेरी अपेक्षा है, कि ज्ञान-विज्ञान के आधुनिक युग में अपने विवेकजनित एवं अनुभवजनित ज्ञान का सतत् संवर्धन करना होगा। अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताओं को सतत् बढ़ाना होगा। आत्मविश्वास, विषयों की दक्षताओं से ही अर्जित होगा, जो सफलता के मार्ग को सुगम भी बनाता है।

भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को आत्मसात कर, दैनिक आचरण हो, इनका मूल्यांकन उत्तरपुस्तिकाओं में नहीं हो सकता है, किन्तु अर्जित जीवनमूल्य, संस्कार हमारे व्यक्तित्व को प्रावीण्यता की सूची में स्थापित करते हैं।

सुअवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, गुरुजनों, विद्यालय प्रबंधन समिति के सम्माननीय सदस्यगणों को असीम बधाई एवं विद्यालय तथा पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" के उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलकामनाएँ...

प्रति,

प्राचार्य,

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल
अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)

(डॉ. संजय गुहे)
जिला शिक्षा अधिकारी
अम्बिकापुर, सरगुजा



Rt. Rev. Dr. Antonis Bara, DD
Bishop of Ambikapur



Ambikapur Catholic Diocese
ambikapurdiocese.1977@gmail.com

Surguja Division, comprising of five civil districts in Northern Chhattisgarh, which are listed in the Constitution of India as '**Scheduled Areas**' for administrative purposes, because of the dominance of tribal population in the region. Ambikapur town, over the years, has evolved as a major commercial' as well as 'Educational Hub' in the Division.

It's been more than five decades since the Holy Cross Convent School was established in Ambikapur, to cater to the educational needs of the people of the region. During the last five decades thousands of students took entry in the school, got their lives transformed and became successful, productive and responsible citizens of India.

Today, I feel proud to know that, this prominent educational institution, run and managed by the Sisters of Mercy of the Holy Cross (Mid-India Province), is taking giant strides in shaping the lives of thousands of students year after year. The management, staff, students and all the collaborators deserve my sincere appreciation.

As the school brings out its annual magazine "**HOLY CROSS ASCENT**", let my paternal blessings get across all the staff, students and its readers. Let the good works of all those, who are associated with the Holy Cross Convent Senior Secondary School, bring forth sustainable fruits in the days ahead.

+ 

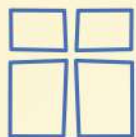
Rev. Dr. Antonis Bara
Bishop of Ambikapur



BISHOP'S HOUSE AMBIKAPUR

Nawapara, P.O. Funduldhari, 497001, Dt. Surguja, (C.G.) India, Tel: (07774) 230612, 231032, 230063
Mail: anthonybara.2358@gmail.com, Web : <http://ambikapurdiocese.org>





MID INDIA PROVINCE

Holy Cross Institute
Boriakhurd, Raipur - 492001
Chhattisgarh / India

Dear Principal, Faculty, Students and Parents,

It is with great pleasure and pride that I extend my warm greetings to each one of you through the pages of Holy Cross Ascent. As the Provincial Superior of Holy Cross Mid India Province, I am continually inspired by the dedication and enthusiasm that permeates our school community.

Our school is not merely a place of learning; it is a vibrant hub where knowledge, creativity, and character intertwine. The articles, achievements, and artistic expressions featured in this magazine reflect the essence of our collective journey.

I commend the hard work of our students, the guidance of our teachers, and the unwavering support of parents. Together, we shape a nurturing environment that fosters both academic excellence and personal growth.

May this magazine serve as a testament to the vibrant spirit of our school and a source of inspiration for all who leaf through its pages.

Wishing you all continued success and fulfilment.

Sr. Georgina Nadukudyil
Provincial Superior
Holy Cross Mid India Province
Raipur, Chhattisgarh



Dear Principal, Staff, Parents and Students,

As we publish yet another year's magazine it is a special one. This year is immensely special as and we take pride in the beautiful and spacious new school building which is successfully completed and at the beginning of the session we were able to shift from the other campus. It is important that we are able to run the School in the General shift. I thank God Almighty for the successful completion of this great endeavour. Nevertheless, we hold the old edifice with great esteem where the English Medium has its foundation, growth and excellence for many years. It is only natural that we feel nostalgia for the familiar ground. With the new school building, new classroom and infrastructure, we need to raise ourselves to greater heights of learning and achievements as better facilities and opportunities promote better growth.

We are living in a time when different parts of the globe are in turmoil and differently. In some places it is war and violence and in other natural calamities. These natural and manmade calamities are pushing our beautiful home - the earth to extremes. It is our bounden duty as the new generation; strive to make our world a better and liveable place in future. A great step is to love people unbiased, care and nurture nature and when we place need before greed, everything falls into the right place.

I thank and Congratulate Sr. Jessy, the Principal, all the staff who are greatly dedicated for this whole hearted co-operation is shaping the lives of the future generation. I wish all the students a fantastic time of memorable school life by excelling in whatever you are supposed to do. When you go out of this school into the wider world, may you be efficient and ready to face the challenges that came your way as a better human being.

Sr. Elsy Jose
Manager,
Holy Cross Convent Sr. Sec. School
Ambikapur, C.G.





From the Principal's Desk

Dear Parents, students and esteemed staff members,
It is with great pleasure and a sense of pride that I welcome you to the latest edition of our school magazine HOLY CROSS ASCENT. This magazine stands as a testament to the creativity, talent, and dedication that flourish within our school's walls.

In these pages, you will find a reflection of the remarkable journey we have undertaken together over the past year. From academic achievements to artistic endeavours, from sports triumphs to moments of community service, our

school continues to shine brightly in every sphere.

As we leaf through the articles, stories, and artwork contained within these pages, let us take a moment to celebrate the diverse talents of our students and the unwavering commitment of our teachers. Each page is a tribute to the collective efforts that make our school a vibrant hub of learning and growth.

This magazine not only showcases accomplishments but also captures the spirit of unity that defines our school

community. It's a reminder that we are not just students, teachers, and parents; we are a family, supporting and inspiring one another as we reach for our goals.

"Turning our attention now to a subject of profound importance, let's explore the concept of secularism. Just as our school magazine reflects the diversity of talent and achievements within our student body, secularism reflects the diversity of beliefs and values in our society. It's a principle that, like the pages of this magazine, is woven into the very fabric of our nation."

Secularism lies at the heart of our nation's identity—In a land as diverse and vibrant as India, where languages, cultures, and religions intertwine, the principle of secularism becomes not just a concept, but a way of life that defines us. Secularism, in the context of our country, is not merely the separation of religion and state; it is the celebration of our pluralistic society. It's the acknowledgment that our strength lies in our unity, our shared values, and our respect for one another's beliefs.

In a world often divided by differences, India stands as a beacon of harmonious coexistence. Our history is a testament to the fact that despite the countless faiths practiced within our borders, we have managed to find common ground, build bridges, and thrive as one nation.

The concept of secularism enshrined in our Constitution isn't just a legal doctrine – it's a promise to safeguard the rights, dignity, and freedom of every individual, regardless of their faith. Our schools are microcosms of this diverse society, where students from various backgrounds come together to learn, grow, and share experiences.

As an educational institution, it is our duty to instill in our students the values of tolerance, respect, and empathy. We must teach them that our differences are not barriers, but opportunities for growth and understanding. By nurturing a culture of secularism, we prepare our students to be responsible citizens who contribute positively to society. It's crucial that we continue to uphold the principles of secularism in our classrooms, in our interactions, and in the way we conduct ourselves as a community. Let us celebrate our differences, learn from our history, and work together to create a society where every voice is heard and every faith is respected.

As we move forward, let us remember that the essence of secularism is not just a political or legal concept. It is a reflection of our shared humanity, our collective strength, and our commitment to building a brighter future for generations to come.

I extend my heartfelt gratitude to the editorial team, the contributors, and everyone who played a role in bringing this magazine to life. Your dedication and hard work are evident on every page, and I am truly grateful for your efforts.

As we delve into the magazine's contents, may it serve as an inspiration to continue striving for excellence, to embrace our differences, and to uphold the values that define us as a school community.

Thank you for being a part of our school's journey, and may this magazine serve as a source of inspiration and pride for us all.

With warm regards,

Sr. Jessy Thekkan
Principal

"Imagine all the people living life in peace. You may say I'm a dreamer, but I'm not the only one. I hope someday you'll join us, and the world will be as one."
- John Lennon

I often imagine myself in the 20th century, during the second World War, in Europe, witnessing the demise of the innocent lives. And then I am pulled back to the present, to the ongoing genocide in Palestine, in Congo, and all over the world. I remember studying in my history books all about the countries coming together and forming united nations to stop any potential World War like situation in future. However, many of the founding members of the UN are actively hindering its efforts to stop the hunting and killing of innocent people.

I wonder why no one else around me is disturbed by the happenings around them. Is there something wrong with me that the news of hundreds of infants dying in the incubators in hospitals of Palestine renders me sleepless? This wilful ignorance of the people scares me and makes me wonder about how much they are willing to ignore. The lines of Martin Niemoller repeat in my mind on a loop, "First they came for the socialists, and I did not speak out – because I was not a socialist. Then they came for the trade unionists, and I did not speak out – because I was not a trade unionist. Then they came for the Jews, and I did not speak out – because I was not a Jew. Then they came for me – and there was no one left to speak for me."

If I have to point out at what makes me capable of feeling distraught over the violence happening, I will point out towards all the books I have read and the movies I have watched in the last two years. I will point out towards 'The Boy in the Striped

Banksy at Gaza



Pyjamas', 'The Book Thief', 'When I Saw You', 'Omar', 'Schindler's List' and many such movies that I watched. I will point towards 'Diary of Anne Frank', 'Up from Slavery', 'Romeo Juliette and Darkness', and all the other books that I have read. I will point out towards all those who taught us to question, to reason, to check the facts before believing them, and whenever we have to choose, to choose the downtrodden, the helpless.

The generation before us, one that includes of all the adults around us, might not have actually witnessed a war but they were made aware of the horrors that accompany it through the tales told by those who were a part of the World Wars. Yet it did not stop the outbreak of several Wars all over the world with increasing degrees of catastrophes associated with them.

I feel ashamed to be a part of the world that is so overpowered by irrational fear that it turns its back towards the pleas of the innocent children being murdered by armed soldiers, that it cannot hear the cries of mothers holding the dead bodies of their children. I wonder how long they can keep on pretending that everything is fine.

I am writing this in the hope that at least some of the people reading it would feel the guilt that comes with keeping our mouth shut in the face of war crimes. I urge you to read more, watch movies that actually tell you the stories of unheard people, question what is happening around you and instead of waiting for someone else, find the answers yourself.

I wish children didn't die.
I wish they would be temporarily elevated
to the skies until the war ends.
Then they would return home safe,
and when their parents and teachers
would ask them,
where were you? They would say,
we were playing in the clouds.

Palak Lal



Editor - Palak Lal

EDITORIAL TEAM



Palak Lal
XII "B"



Anvesha Singh
XII "B"



Jaskeerat Babra
XI "D"



Sibia B
XI "B"



Nivedita Kesharwani
XI "D"



Shruti Tamrakar
XI "D"



Astha Gresy Bara
XI "B"



Salim Rajja Khan
XII "A"



Shubham Kumar Sinha
XI "A"



Divyansh Tripathi
XI "A"



Aniket Gupta
XI "A"

ADVISORY COMMITTEE



Sr. Jaya Michael



Ms. Neelam Poddar



Ms. Sushmita Bhattacharya



Ms. Anuradha Agrawal



Ms. Aparna Sarkar



Ms. Harshdeep Kaur



Ms. Richa Anish



Ms. Punita Sinha



Ms. Smriti Singh



Mr. Ajit John



Mr. K. C. Singh



Mentor
Sr. Jessy Thekkan

SCHOOL REPORT

"You don't have to be great to start, but you have to start to be great."

The school, a luminous beacon in a student's journey, begins molding young minds in the pre-elementary phase, fostering not only academic prowess but also essential life skills. Holy Cross Convent Senior Secondary School in Ambikapur ardently pursues excellence, instilling sincerity of purpose, independence of thought, and sensitivity to others' well-being.

This institution, a testament to visionary leadership, unwavering commitment, and disciplined efforts, stands as a paragon of achievement. Reflecting on our milestones, we acknowledge both joy and pride. The annual report not only highlights our triumphs but also compels deep reflection on our shortcomings, propelling us to enact meaningful changes.

Dedicated to cultivating an environment conducive to young minds' growth, our focus extends beyond academics, embracing a holistic approach to personality development. With unwavering standards and ambitious goals, we endeavor to excel in academics, sports, discipline, leadership, and beyond.

The commencement of the new session (2023-24) at Holy Cross Sr. Sec. School, Ambikapur, was marked by fervor and enthusiasm on April 1, 2023. A prayer service, invoking divine blessings for the upcoming session, set a poignant tone for the academic journey.

June 10th became a red-letter day for the institution as it embarked on a transformative phase in its new campus. The blessing and inaugural ceremony commenced with a heartfelt prayer led by Rt. Rev. Bishop Antonis Bara. The Chief Guest, Dr. Ajay Tirkey, Mayor of Ambikapur city, along with Sr. Georgina, the Provincial Superior, graced the occasion, contributing to the significance of the event. The ceremonial cutting of the ribbon by the esteemed Chief Guest and Sr. Georgina symbolized the initiation of a new chapter for Holy Cross Sr. Sec. School. Following this, a well-organized program unfolded, leaving a lasting impression on the attendees. The

By :



Richa Sinha
12th 'D'



Ms. Sushmita Bhattacharya
Teacher

Principal escorted the distinguished guests for a tour of the school premises, where admiration for the architectural splendor and beauty of the new building was palpable among everyone present.

On May 12, 2023, CBSE announced nationwide results, showcasing the outstanding academic achievements of our students at HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL, AMBIKAPUR. With unwavering diligence and skills, our students achieved a remarkable 100 percent success rate in both Std. X and XII. In Std. XII, 24 students secured scores above 90%, while in Std. X, an impressive 37 students achieved scores exceeding 90%.

Stuti Agrawal emerged as the school topper in the Std. XII Board Exam with an exceptional score of 97.6%, while Ashi Barai claimed the top position in class X, securing an impressive 96%.

ACADEMIC ACHIEVEMENTS

"Learning gives creativity, creativity leads to thinking, thinking provides knowledge and knowledge makes one great."

Celebrating the excellence of our students, we proudly announce **Stuti Agrawal and Vairagya Agrawal from Science Stream as the district toppers in the CBSE board examination, achieving remarkable scores of 97.6% and 96.8%, respectively.** This achievement reflects our commitment to fostering academic brilliance at HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL, AMBIKAPUR.

CLASS X BOARD EXAM RESULTS -2023

SCHOOL TOPPERS :



SCHOOL REPORT

CLASS XII BOARD EXAM RESULTS -2023

SCHOOL TOPPERS :



Heartiest congratulations to all our exemplary high achievers!

PROUD MOMENTS (EX- STUDENTS AS STAR ACHIEVERS)

The school takes immense pride in announcing that Arnav Gupta, an esteemed ex-student, has successfully cleared both JEE Mains and Advanced.



FAREWELL WELL

Farewell was bid to Mrs. Reeta Sinha (NTT) with a heavy heart upon her retirement after 10 years of dedicated service to the school. Sr. Phulmani Lakra (Headmistress) and Mrs. Rashmi Priya (Teacher) shared their rich experiences, followed by Sr. Jaya Michael's words of blessings and appreciation for her committed contribution.

WORKERS' DAY

On the 28th of April, Workers' Day was joyously celebrated in advance, brimming with fervor and zeal. We sincerely appreciate the unwavering contributions made by the dedicated class IV staff members. In a gesture of deep gratitude, the Principal, Sr. Jessy Thekkan, bestowed a thoughtful token of appreciation in the form of gifts upon all the supporting staff. Additionally, we actively participated in the festivities of Worker's Day, recognizing the vital role played by our dedicated workforce.

FUNCTIONS / EVENTS

"If the mind is intensely eager, everything can be accomplished – mountains can be crumbled into atoms," said Swami Vivekananda. Various activities and functions were organized throughout the year to ensure better personality development among students, as we believe that each child is unique and possesses inherent potential.

FELICITATION OF MERITORIOUS STUDENTS

Every year, Holy Cross Convent Senior Secondary School in Ambikapur holds a felicitation ceremony to acknowledge and honor students for their outstanding performance. On July 1, 2023, the toppers of Std. X and Std. XII for the 2022-23 session were felicitated by Shri Ram Gopal Garg, IG-Surguja, who advised the students to view every problem as a challenge, persevere in their hard work, set goals, and seek guidance and mentorship from teachers to strive for excellence and make a positive impact.



SCHOOL REPORT

STUDENT CABINET INDUCTION

"If your actions create legacy that inspires others to dream more, do more and become more, then you are an excellent leader"

The Investiture Ceremony for the academic year 2023-24 took place on 7th July 2023, aiming to instill and nurture leadership qualities in our youth. Presided over by the Chief Guest, Shri Amarjeet Bhagat, Minister of Culture and Food, Chhattisgarh, the event saw Sr. Jessy Thekkan, the Principal, administering the oath of allegiance to the newly appointed student council. The young leaders, including School Presidents Yogesh Agrawal and Astha Tiwari, Vice Presidents Priyam Jaiswal and Aditi Dewangan, and Secretary Shashwat Pandey, utmost of their abilities. The Chief Guest extended congratulations to these emerging leaders, emphasizing their role as torchbearers of the school's values. He urged them to shoulder their responsibilities with unwavering commitment and integrity.

Yogesh Agrawal and **Astha Tiwari** were announced as the School Presidents, **Priyam Jaiswal** and **Aditi Dewangan** as Vice Presidents whereas **Shashwat Pandey** holds the position of Secretary.

HOUSE INCHARGES

PRESIDENT (Orange House)	Swastik Jaiswal	Pawani Agrawal
PRESIDENT (Red House)	Ishaan Mittal	Ishika Gour
PRESIDENT (Green House)	Piyush Choudhary	Deepakshi Danya Verma
PRESIDENT (Blue House)	Vinay Pandey	Sangya Tiwari

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

The school marked the 77th Independence Day with patriotic fervor



on August 15, 2023. The ceremony was presided over by the Chief Guest, Shri Adityaeshwar Sharan Singh Deo, the Vice-President of Zila Panchayat. During the event, students showcased diverse music and dance performances, paying homage to the Motherland. The Chief Guest, in his address, inspired the students to uphold national freedom through the principles of discipline and unity.

TEACHERS' DAY CELEBRATION

Teacher's Day was celebrated with immense enthusiasm. The students organized a diverse array of cultural programs, culminating in an award ceremony honoring teachers with perfect attendance and recognizing subject teachers from standard X and XII for their outstanding excellence in their respective subjects.

HEALTH AWARENESS PROGRAMMES

An eye camp was organized on August 11, 2023, by the Government Health Department in the school premises to identify cases of conjunctivitis among students and distribute eye drops to them. An awareness programme on Conjunctivitis/Eye Flu was conducted on August 14, led by government doctors Dr. Meena Singh and Dr. Gyanlata Tigga.

MY VOTE - MY RIGHT

Students of classes IX and XI collectively organized a voter awareness rally on September 9th. Their aim was to enlighten local residents about the significance of voting through compelling means such as slogans, songs, and street plays.

SCHOOL REPORT

OTHER ACTIVITIES

The school orchestrated a diverse range of activities to ensure the holistic development of children.

SCHOOL CLUBS:

Various co-curricular club activities transpired on August 26th. Following a plantation drive led by the Eco-Club on the school premises, all clubs, along with their respective teacher incharges, set out for their planned destinations.

Science and Health Club : Both clubs, consisting of 160 members, visited Mainpat Tiger point and explored the Apple garden. They delved into modern plantation techniques, understanding the climatic and soil conditions suitable for cultivating Tea plants, Apples, Potatoes. The session also covered the adverse effects of bauxite mining on plantation and environmental balance, emphasizing the role of flora and fauna in maintaining environmental equilibrium.

Eco Club : A group of 396 members visited 'Jhumka Dam' in Baikunthpur, where a substantial artificial fish aquarium serves as a source for fish farming and irrigation for 17 villages.



Literary Club: With 65 members, this club journeyed to Sonpur. They were introduced to various agricultural activities, participated in diya making, and gained insights into the traditions and culture of the tribes in Chhattisgarh.

Music Club: Thirty members of the music club immersed themselves in learning basic tips to enhance their vocal skills. They showcased their progress through solo and duet performances.

Arts Club: Accompanied by 196 members, this club visited Maheshpur and witnessed the beautiful ancient sculptures.

INSPECTION FOR SITE SHIFTING

Holy Cross Convent Sr. Sec. School, Ambikapur (**New Campus**), underwent inspection on August 10, 2023. The inspection committee comprised:

Sandhya Lakra : Principal of Kendriya Vidyalaya, Korba (C.G)

Narmada Prasad : Principal of Kendriya Vidyalaya, Jashpur (C.G)

The inspection involved visits to various classes, the library, and laboratories, with a keen focus on assessing the availability of basic infrastructures, equipment, and faculty in accordance with CBSE guidelines. The inspection concluded with positive feedback from the committee members.

ENRICHMENT PROGRAMMES FOR STUDENTS AND TEACHERS

Workshops and seminars foster new ideas, encouraging innovation, experimentation, knowledge, skills, and personality development. Several enrichment programs for students and teachers were organized during the session:

1. A virtual career counseling session on October 14th for classes X and XII, led by Mr. Siddharth Mehta, a career counselor from XLRI Jamshedpur. He enlightened students about various subject streams, career options post-class XII, and provided updates on CUET exams and relevant opportunities.

SCHOOL REPORT

2. An orientation program for classes IX and XI, conducted by the renowned organization 'Samvaad Sanvaad Mission.' They organized a seminar on the legendary freedom fighter, Shaheed Bhagat Singh. Shri Jitendra Singh Sodhi and Shri Charanpreet Singh shed light on Bhagat Singh, inspiring students to stand against injustice and work together to promote communal harmony worldwide.

Learning Time for Teachers:

Workshops and seminars serve as catalysts for new ideas, fostering innovation, experimentation, and the development of knowledge, skills, and personalities. Throughout the session, numerous enrichment programs were organized for both students and teachers.

An offline capacity Building Programme on 'Stress Management' was held on April 15th by CBSE Bhubaneswar which was hosted by Carmel School, Ambikapur in which 5 of our teachers participated. The seminar aimed to help teachers cope with stress efficiently in today's educational landscape.

Teachers also participated in a three-day orientation program (June 13th-16th) focused on upgrading their technical knowledge to handle Campus Care Software. Techniques and demo classes were provided to enhance the teaching-learning process.

An additional offline training session on July 22nd, 2023, conducted by "Campus Care Software," aimed to equip teachers with the technical expertise necessary for effective utilization in the teaching and learning process.

Our school hosted a one-day Capacity Building Program on September 16th on the topic 'NEP 2020,' organized by CBSE Centre of Excellence Bhubaneswar. Mr. Alok Kumar Shrivastava, Principal of Arihant Academy, Balod, served as the resource person, acquainting teachers with the vision of the New Education Policy 2020. 60 teachers from various schools participated in this enlightening session. Yet another Capacity Building Program on 'Life Skills' was

hosted by our school which was chaired by resource persons Mrs. Archana Agrawal and Tapaswani Maharana. This workshop aimed to instill emotional, social, and thinking skills in students to confidently face challenging situations. Around 60 teachers from various schools participated in this Capacity Building Program (CBP).

STAR ACHIEVERS IN SPORTS AND ARTS

It has been rightly said, "Winners never quit and quitters never win" – Vince Lombardi. Our students also made us proud in the Sports Arena. Sports Authority of India (SAI) organized a district-level Kickboxing Championship 2023 on 30th April at Feel Anandam Sports Complex, Ambikapur. Two of our students won gold medals and qualified for the state-level championship.

It was a proud moment for our school that Sakshi Sahu of Class IX 'A' won the silver medal in the 14th National Thai Boxing 2023 Championship (65 kg category) held at Bhubaneswar, Odisha. The young budding boxing star 'Sakshi Sahu' was acknowledged and appreciated by the school for her spectacular achievement. She participated in the CBSE cluster games and won a gold medal in the CBSE East Zone Boxing Tournament-2023 held at Purv International School, Durgapur, Bardhaman (West Bengal) under the 65 Kg category. CBSE also awarded the school and PTI with mementos and certificates for promoting such young talents. International Art (online) Contest was held by Picsso. com in which Archie Ishita Ekka of X E was awarded for securing 94th place.

EXCLUSIVE VISIT AND ENGAGING INTERACTION

On 28th August 2023, students of classes XI and XII participated in an interactive session with the honorable Deputy Chief Minister, Shri T.S. Singh Deo. The session encompassed a series of questions covering key topics such as:

- ❖ Enhancement of education.
- ❖ Transformation of the system and infrastructure in Government schools.
- ❖ The role of youths in politics.
- ❖ Projection of Chhattisgarh's status by 2028.

SCHOOL REPORT

Following the engaging discussion, the school Presidents presented a Memorandum, urging the construction of a two-lane road from Ambedkar Chowk to the Railway station.

PRATHAM SOPAN CAMP

A three-day camp, Pratham Sopan Camp, took place in the school campus from October 6th to October 8th, 2023. A total of 171 students, comprising 96 guides and 75 scouts, participated under the guidance of Mrs. Sanju Soni and Mrs. Barkha Jaiswal as Guiders, along with Mr. Nitesh Shrivastva and Mr. Umashankar Pandey as Scouters. Mr. Tejender Singh Bagga served as the Camp Director, while Mr. Suraj Patel and Mrs. Nirupama Toppo played crucial roles as trainers. The students gained valuable skills for self-dependence. The closing ceremony on October 8th featured Mrs. Jermina Ekka (ASOC), Assistant State Organising Commissioner (Guide), who delivered an inspiring speech to encourage the scout and guide participants.

THE CHILDREN'S DAY – A JOYOUS DAY

Children's Day is a special occasion for young students to rejoice and engage in various activities that allow them to celebrate themselves and feel ecstatic for the entire day. This year, the celebration at Holy Cross Convent Senior Secondary School, Ambikapur, Surguja, Chhattisgarh, took place on 10th November 2023.

The event kicked off with a special morning, where students were treated to lively and entertaining performances by their teachers. The immense fervidity from the teacher's union was not just limited to the fun part; it was a learning lesson wrapped in the form of art. The theme for the day was educational; therefore, the drama, despite being funny, taught paramount life morals and lessons and always strive towards betterment and knowledge. Furthermore, the academic achievers and students with full attendance in classes V-VIII were felicitated by the Chief Guest, Mr. Abhishek Kumar, I.A.S, the Commissioner, Nagar Nigam, Ambikapur.

The day was a testament to the commitment of the entire Holy Cross institute to provide a nurturing and supportive environment for its students. The staff and faculty worked tirelessly to ensure that the day was a memorable and enjoyable experience for everyone involved. It was indeed a resounding success, leaving students with cherished memories and a sense of pride in their school. Children's Day is a special occasion for young students to rejoice and engage in various activities that allow them to celebrate themselves and feel ecstatic for the entire day. This year, the celebration at Holy Cross Convent Senior Secondary School, Ambikapur, Surguja, Chhattisgarh, took place on 10th November 2023.

Esteemed Visit by Higher Superiors:

On the 21st of November 2023, our school had the honor of hosting the General Councillors of Holy Cross Institute, Sr. Gabrielle, Assistant Superior General, and Sr. Roseline Kujur, General Councillor, for a visit to our new campus. The General Councillors were welcomed with a warm reception by the school's administrators, faculty, and students. Amidst a crowd seeking their valuable insights regarding success and life, Sr. Gabrielle and Sr. Roseline Kujur were welcomed cordially and proudly, with our reputed school band marching them towards the stage alongside our Honorable Principal, Sr. Jessy Thekkan, and the senior teaching staff. This welcome was followed by a welcome song expressing the joy of having their presence within the institute, a prayer dance communicating our culture, and a welcome speech extending our gratitude towards having our General Councillors among us. Further ahead, Sr. Gabrielle and Sr. Roseline shared their nostalgic memories with our school and the life experiences that made them stronger, encouraging the students to form a great personality with strong ethics, morals, discipline, and attitude to achieve success in their life.

THE SCHOOL FETE – A CAUSE OF SOCIAL WORK THROUGH FUN

The 24th and 25th of November 2023 are marked as memorable and very significant days for the Holy Cross Institute, as the school fete

SCHOOL REPORT

was held. It was a two-day event inaugurated by Mr. Brajesh Pandey, Principal, Atmanand School, Ambikapur, and Guest of Honour, Sr. Veronica Choranth, Provincial Councillor and Superior, Holy Cross Convent, Patpariya. The main objective of this group activity was to raise funds for charity to add value to society and help the underprivileged. The fete featured a wide range of activities and attractions for attendees of all ages. There were game stalls, including ring toss, cricket, etc., which provided endless entertainment for children. Food and beverage stalls were a major highlight of the fete, offering a variety of delicious treats. From homemade goods to savory snacks and refreshing drinks, there was something to satisfy every palate. Throughout the day, there were live musical performances by talented individuals, adding to the festive ambiance. Feedback from attendees was overwhelmingly positive, with many expressions of enjoyment and appreciation for the event organizers and the students who worked so hard to provide maximum satisfaction to the attendees. The event was not only a great way to bring the school community together but also a successful fundraiser. Besides, the event was held with the significance of cleanliness and sanitation in mind, actively remembered by the stall owners and attendees throughout the day, making the event even more delightful.

Staff Picnic

On December 2nd, under the guidance of the Principal, Sr. Jessy, and other sisters, HCCSSS organized a staff picnic so that the staff members could take a much-needed break, relax, and recharge. In addition to providing a chance for recreation and enjoyment, the picnic sought to foster a sense of camaraderie among the staff members. The route to Rajpuri Waterfall was pleasurable. The spot was filled with natural beauty and scenic views. With a delectable lunch and various entertaining games, every single employee had a wonderful day.

CHRISTMAS DAY CELEBRATION

The spirit of Christmas was alive and thriving at our school on December 22nd, as students and staff came together to celebrate this joyous occasion. The school was decked out in festive decorations, and the air was filled with the sounds of laughter and holiday cheer. The day began with a special assembly where students and teachers performed Christmas carols and shared heartwarming stories about the true meaning of Christmas. The beautiful voices and heartfelt messages brought a sense of warmth and togetherness to all in attendance. The day ended on a high note with a special visit from Santa Claus, who distributed gifts and spread holiday cheer to all the students. The joy and excitement on the faces of the children brought a sense of magic and wonder to the day's events.

ACT OF CHARITY

The Christmas Day celebration was a wonderful opportunity for everyone to come together, celebrate, and create lasting memories. The spirit of generosity, love, and kindness was truly felt throughout the day. On this occasion, blankets were distributed to the poor and needy with the amount collected by the school fete. It was a beautiful reminder of the true meaning of Christmas.

A STEP TO SUSTENANCE

On December 22, 2023, Holy Cross School students undertook a commendable initiative to raise awareness against single-use plastic, organizing a impactful event at Ghadi Chowk. Activities included a thought-provoking street play, posters, and encouraging viewers to make sustainable choices. Mr. Abhishek Kumar-Nagar Nigam Commissioner, Sr. Jessy Thekkan-Principal and Sr. Jaya Michael, along with teachers and students, pledged to reduce single-use plastic bags, promoting a clean and green environment. The "Say No to Single-Use Plastic" campaign at Ghadi Chowk by Holy Cross School was a resounding success, leaving a lasting impact on attendees.

Dwitiya Sopan Camp, a one-day event, saw the enthusiastic

SCHOOL REPORT

participation of 149 Guides and 124 Scouts on January 20th, 2024. The honorable Principal, Sr. Jessy Thekkan, inaugurated the event. Numerous activities were skillfully conducted under the supervision of Mrs. Sanju Soni, Mrs. Binni Tripathi, Mrs. Anuradha Agrawal, Mrs. Aparna Sarkar, Ms. Puneeta Sinha, and Mr. Aniket Singh. Mr. Tejender Singh Bagga played a pivotal role as the camp director.

COLOURS OF PATRIOTISM- REPUBLIC DAY CELEBRATION

The school celebrated the **75th Republic Day** with enthusiasm, showcasing patriotism and national pride. The flag hoisting ceremony, led by Principal Sr. Jessy Thekkan, included the national anthem. A cultural program featured students presenting songs and dance performances reflecting India's diverse cultural heritage. A special assembly emphasized the importance of the Indian Constitution and democratic values, urging students to uphold justice, liberty, equality, and fraternity. The day concluded with a message of unity and solidarity, as students and teachers pledged to work together for the nation's progress and prosperity.

Adieu to Class 12th

"On February 3, 2024, the school organized a farewell function for the departing students of class 12th. The event was imbued with mixed emotions as we bid adieu to our cherished students who have spent numerous years in this institution, contributing in diverse ways.

The day commenced with a welcoming address by the junior students of class 11th, followed by a program featuring an array of performances and speeches by both students and teachers. Principal Sr. Jessy Thekkan addressed the assembly, expressing her sentiments and congratulating the students on successfully completing their academic journey at the school. She shared poignant experiences, encouraging them to strive for excellence in all their future endeavors.

The departing students also shared their reflections on leaving the school and embarking on the next chapter of their lives. They conveyed gratitude to their teachers and the entire Holy Cross family for unwavering guidance and support throughout their academic journey. As students and teachers mingled, they took the opportunity to reminisce about the fond moments they had shared. We extend our heartfelt wishes to them for success in their future endeavors, hoping they will forever treasure the memories and values cultivated during their time in this esteemed institution. We will miss them dearly and have every confidence that they will bring pride to us in their chosen pursuits."

Our goal is to become one of the leading schools in the community it serves, renowned and widely acknowledged as a secular institution that fosters character and ethical leadership in its students on their journey towards excellence. We aspire for HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL, AMBIKAPUR to be acknowledged as a model for excellence in academics, arts, culture, and sports. Each student will exhibit a spirit of respect, responsibility, and a dedication to academic and civic excellence.



SOCIAL SERVICE CLUB REPORT

As a president of social service club, it's my honour and Privileged to write the annual report. Throughout the year the club organized a visit to the Batauli blind school. Where members Engaged in Various activities to support the visually impaired students. This included - interactive sessions, games and Providing essential supply- Throughout the year, two meetings were organised in the first meetings President [Tanishk Agrawal and Muddassir Hussein] and vice President [Kavya Choubey and Saksham Singh] got elected.

A trip to Batouli blind School was orgnaised on 26th August 2023.

This activity fostered a sense of concern towards community and support for visually impaired student. The smile and innocence of blind children brought a sense of great fullness within us.

Teachers incharges are Sir Sunil Vishwakarma, Sir Kishor Sinha, Sir Durga Bahadur, Sir Bhagban Pradhan, Sir Nitesh, Miss Jini Thomas & Miss Varsha Gupta.



By :- Muddassir Hussain
12th 'D'



ECO CLUB REPORT

By – Sneha Goyal
12th 'B'



“Be a rebel with a green cause. The poetry of earth is never dead”.

On a beautiful morning of 26th august 2023. Eco club of Holy cross convent senior secondary school took the initiative to make holy cross campus green. “When you plant a tree, you are not planting a sapling but also hoping for best outcome”. With this motto, student batch of Holy Cross gathered in front of office along with manager of holy cross Sr. Elsy and principal Sr. Jessy, counselor Sr. Jaya. Thereafter the plantation drive began. The entire team worked together as one unit to dig holes, plant saplings. Sr. Jessy, Sr. Elsy and Sr. Jaya planted cesium plant. Thereafter eco club in charge Sir Ashish followed the plantation drive along with Mrs. Jessy and Anand sir by planting a sampling each. School president Yogesh Agrawal planted golden Champa. As active members and president of eco club Sneha Goyal and Asad Anis planted applewood. Thereafter all the students planted Ashoka tree along the boundary of the school. Total 60 plants including Ashoka, cesium, golden Champa, bottle brush, applewood, alprice were planted in school. It was inspiring to see how much one could accomplish when the students worked together towards a common goal. Imagine when the student fraternity come back to the school campus after five years and they would see campus shining with bottle brush, beautiful alprice white flowers and mesmerizing greenery of Ashokas . What a magnificent memory is created for life time and sincere efforts to make the school green.

The eco club trip was an incredible experience that taught us the importance of environmental conservation and sustainability. All 396 members with teachers reached to Jhumka Dam, Baikunthpur around 12 p.m. Refreshments were provided to students and all visited to the fish aquarium. Overall the trip was an unforgettable experience that taught us importance of working together to protect the environment. Throughout the trip, teachers worked tirelessly to ensure that everything ran smoothly. By 5 p.m. all students reached back to school. And that's a wrap! The trip was filled with unforgettable memories, laughter and new experiences.



SCIENCE CLUB REPORT



By - Akshat Singh
12th 'B'

Science club is an exciting way for students and enthusiasts to explore and engage with the world of science. As a president of Science club, it gives me immense pleasure to and satisfaction to present the annual report of Science club. On 26th August, Science club went to Mainpat, Accompanied by our respected teachers. We left from our School at around 9:30 am & reached our first destination which was tiger point. There we were mesmerised by the beauty of nature. We had some snacks and clicked some pictures. After that we headed to our next destination which was Apple garden. There we learnt about different varieties of plants, fruits and vegetables. The incharge of that place welcomed us and showed us the tea plantation. We also visited a Tibetan Temple and then around 4:30 pm we headed towards our school. We enjoyed a lot during our journey and we also got to know about many new things. It was a wonderful and memorable experience.



LITERARY CLUB REPORT

By - Palak Lal, Jaskeerat Babra
12th 'B' 11th 'D'



There's no way we were born to just pay bills and die.

"explore the unknown".

The elected representatives of literary club, were elected on 10th of July, 2023. Palak Lal (President) Saleem Raza Khan (President) Nivedita Kesharwani (Vice President) Aniket Gupta (Vice President)

On 26th of August 2023 all the members of literary club left the school for Sonpur. We were accompanied by five of our teachers Sir C. Sunil, Sir Ajit John, Mrs. Savita Pathak, Mrs. Neelam Poddar and Mrs. Anuradha. In Sonpur, the villagers were so welcoming and kind. Then all of us walked to Pandit Ram's house. He is a very famous and one of the best folk artists of Chhattisgarh. His house glistened with his most alluring Rajwari art. Each wall of his house was an excellent art piece. Then Mr. Ram commingled us to Mr. Ramcharan, the local ceramist. He taught us the process, preparation and the making of ceramics, diyas, vessels etc. We also bought some of his artifacts, then we went to the paddy field. We really had a very different and

dewy experience. The women working in the field, taught us on how to sow the paddy seedlings. We fell and even got drenched in the mud, but we had we really had a bewildering yet amazing time. Then we went inside the Chor Mara jungle to meet the school kids and the villagers. There we shared our tiffins. Then we got a glimpse of the Ghasia Baja. Then all the other villagers accommodated us to dance Karma. We enjoyed so much we even dance for an hour and more. Subsequently, we had the tempting midday meal which was so delicious. This trip will always remain in our core memory.



Poetry Workshop

Unless the sun inside you, is burning your gut. "Don't do it".

- Charles Bukowski

On 4th of November 2023, the literary club of our school organized the Poetry Workshop with Mahesh Verma. He is one of the renowned poet of India, with an intimate knowledge of art and literature. The Workshop held at the library. Thereafter, he elaborated about the depths and heights of the poetry and how one should approach them. He also read some of his very beautiful poems. And thought ways to understand them. Then he told us to think of a random object and create a poem out of it. Then one by one we recited our poetries in front of him and everyone.

At the end of the workshop, he took our writings along with him to go through each one of them thoroughly. In nutshell, It was a really meaningful and interactive session, which we got the opportunity to spend with him. We really got to learn so much from him. It was an unforgettable experience.

Campaign Against Single-Use Plastic

On 22nd December 2023, all the members of literary club organised a campaign for all the students of Holy Cross. And then we the literary club with our school, took a commendable initiative to raise awareness against the usage of single-use plastic with an impactful event held at Ghadi Chowk. The event aimed to educate and inspire the community to adopt eco-friendly practices. The Chief

Guest for the occasion was Mr. Abhishek Kumar, IAS Commissioner of Surguja.

Event Overview :

The campaign kicked off with an informative session where students presented insightful facts about the harmful effects of single-use plastic on the environment. The engaging presentations were well-researched, highlighting the urgency of reducing plastic waste in our daily lives.

Activities:

****Street Play:**** The students showcased a thought-provoking street play depicting the consequences of single-use plastic on the environment. The play aimed to capture the attention of the audience and convey the message in a creative and impactful manner.

****Poster Exhibition:**** An exhibition featuring visually appealing posters was organized to visually communicate the harmful impact of single-use plastic. The posters were not only informative but also encouraged viewers to make sustainable choices.



Guest Speaker:

Mr. Abhishek Kumar, IAS Commissioner of Surguja, delivered an inspiring speech, commending the students for their dedication to environmental sustainability. He emphasized the importance of collective efforts in tackling the global issue of plastic pollution and encouraged the community to actively support such initiatives.

Conclusion:

Holy Cross School's "Say No to Single-Use Plastic"

campaign at Ghadi Chowk was a resounding success, leaving a lasting impact on the attendees. The students effectively communicated the urgency of adopting sustainable practices, and the presence of Chief Guest Abhishek Kumar added prestige to the event. This initiative not only educated the community but also motivated individuals to make conscious choices for a greener and healthier planet.



ART CLUB REPORT



By Pranav Shukla
12th 'A'

"The art of a people is a true mirror to their mind."

It gives us immense pleasure to share my experience to you as the arts club president. We 189 student along with teacher in charges -Sir Ranvijay, Sir Pranay, Miss Binni, Miss Sanju, Miss Preeti, Miss Harshdeep, headed towards Maheshpur which is well known as Asian sculpture.

We started our trip at 9:00am from our school. The school buses fully packed with students and teachers headed for Maheshpur. The students were extremely excited to reach the destination. All the students kept singing songs in the bus till they reached the venue and we reached at 11, then we had our lunch there and we all visited Lord Shiva temple with our respected teachers and with all club members. We also saw many amazing sculptures, extracted rocks and then we went to museum. There we saw primitive house made up of bamboo and beautiful stone sculpture. The next event was the DJ Dance. All students danced on the floor with great energy on the thumping dance numbers. Even the teachers could not resist the luring temptation of the dance floor. This activity helped the art club students to developed an artistic sense.

Representatives

PRESIDENT : Pranav Shukla 12th A
Varnika Raj 12th B

Vice president : Shashwat Yadav 12th D
Divyanshi Bharti 12th C

Secretary : Anushka Singh 10th

Joint Secretary : Aarush 9th



MUSIC CLUB REPORT



By Sheetal Manikpuri
12th 'B'

“Music expresses feeling and thought without any language; it was below and before speech, and its above and beyond all words”

Music gives a soul to the universe, wings to the mind, flight to the imagination and life to everything. Learning music helps individual person to relieve stress, makes resilient, boost self confidence, improves social skills.

The purpose of music club of our school is to make students self confident and resilient. This year club activity was held on 6th of August headed by Sheetal Manikpuri (Club President), Veronika Jaiswal (Vice President), Niyati Singh Shisodhia (Joint secretary) along with club incharges Sir Amardeep, Sir Anjani , Sir Aniket .

We started out beautiful day with prayer song and after that every member participated in the activities .

It was a memorable day for each member of our club.



HEALTH CLUB REPORT



By : Yashwi Rai
12th 'B'

On an exquisite morning of 26th August 2023, the students of health club were taken to Mainpat for the club trip along with the teacher in charges. Health club and science club went together. The students were accompanied by teacher in charges of both the clubs that were Sir Hassan, Sir Santosh, Miss Mukta, Miss Barkha, Sir Anudev, Miss Helena, Miss Sushmita, Sir Nirved and Sir Uma Shankar. At first, we went to tiger point where all the students and teachers enjoyed the magnificent view of the place. We relished some snacks and also took photographs. Then we visited potato & temperate fruit research station Mainpat, where the officer in charge explained us about the development conditions for various fruits and tea leaves. He showed us the full location along with tea plantations and other plants too. The old Tibetan temple was our last spot, we reached there by 4:00 p.m. which was an elegant example of Buddhist architecture. Buddhist temples are places for meditation and chanting. We also saw prayer wheels. Overall the trip was indelible and will always be memorable.



We Plant paddy and sing the songs of hard times.



Interviews





Subsequently, due to my father's transfer, I lived with my aunt in Bokaro. Following that, I moved to Kota, where I completed 11th and 12th grades at Central Academy, Kota. I prepared for the IT JEE exam and secured admission to the mechanical engineering branch at IIT, Kharagpur. Post my engineering stint, I worked at Tata Steel in Jamshedpur for two years. Thereafter, I embarked on my UPSC journey, securing a position in the Indian Revenue Service in 2018 and eventually

Student : It is a great honor for all of us to be here today at your office, and we sincerely appreciate the opportunity. May we proceed with our questions?

Commissioner: Certainly, let's begin.

Student : Sir, kindly share details about your background and upbringing.

Commissioner: I was born and raised in a quaint town called Ramgarh Cantonment, situated in Jharkhand. My early schooling took place in a small locale, as my father served as an executive engineer at Coal India Limited. Similar to the SCCL townships here, my upbringing was within such surroundings. I initially studied in a place named Sirka until 5th grade, later transferring to different schools due to my father's job relocations. I completed 6th and 7th grades in another school in Jharkhand, and continued my education in Ramgarh for 8th to 10th grades.

achieving the Indian Administrative Service in 2020.

Student Sir, could you please elaborate on the challenges you faced and your journey towards becoming a Commissioner?

Commissioner: During my time in engineering, my sole aspiration was to become an engineer. I had a penchant for tinkering with various tools and electrical items even before entering engineering. I was drawn to the field from an early age, maintaining my own toolbox to address household issues. Engineering fascinated me, and this interest persisted throughout my school days.

My father was also an engineer, so I inherited some inclination from that side. After the JEE, I pursued engineering. Initially, I didn't consider joining the civil service, which involves selection through the UPSC exam. In this service, you are allocated to different states and

typically start as a sub-divisional magistrate in administrative service, progressing through various hierarchies.

The initial struggle was leaving a comfortable engineering job for the uncertainty of joining or getting selected for the civil service. I contemplated returning to the private sector if I couldn't crack the UPSC exam. My parents supported my decision, and I was prepared to return to engineering if needed.

The struggle revolved around the competitive nature of the civil service exam, which is subjective with three stages of evaluation. The uncertainty of selection and the significance of marking and grading added to the challenges. Despite these struggles, my parents' support was crucial.

In the early days, adapting to frequent school changes due to my father's transfers required constant effort to perform well in new environments. This involved competing with brighter students and adjusting to new friends and schools.

Student: Sir, if I want to pursue Civil Services, what would be your guidance in terms of personality development?

Commissioner: Personality develops over time and with age. For Civil Services, eligibility begins after graduation in any stream. I recommend focusing on your current pursuit, whether it's commerce, CA, engineering, medicine, or any professional course. Many in Civil Services have diverse professional backgrounds like doctors,

engineers, lawyers, or CAs. Personality building is a gradual process, and there's no fixed personality that UPSC prefers. They assess qualities through personal interviews and evaluate knowledge through exams.

Becoming a good citizen and student involves cultivating honesty in your work, habits, and lifestyle, which not only benefits your career but also helps in personal growth. It's crucial to assess your performance, identify strengths and weaknesses, and actively work on improving them.

Student: Sir, where do you see yourself professionally in the next 5 years?

Commissioner: In the next 5 years, with the gradual promotion of responsibilities in the civil service, I anticipate working in various roles such as Zilla Panchayat and Municipal Corporation. Ultimately, my aim is to implement government programs efficiently, benefit as many people as possible, and contribute to societal welfare through innovative measures.

Student: Sir, what strategies will you use to manage your workload effectively?

Commissioner: In ascending levels of responsibility, workload tends to increase. Managing workload involves delegating responsibilities to subordinates and monitoring them. Additionally, effective time management is crucial. I plan my tasks the night before or in the morning, allocating time for each. In case of emergencies or urgent tasks, I adjust my schedule accordingly."

"Learning through experience is crucial, and various

techniques exist for managing tasks throughout life. Personally, I jot down my tasks on WhatsApp in a dedicated group or self-message, specifying deadlines. Some prefer planners or diaries; I use a diary to categorize important tasks, plan, and coordinate. For collaborative tasks, meeting notes are essential, with responsibilities assigned and subsequent reviews for completion.

Student : Sir, you mentioned being an engineer previously. What pivotal moment led you to choose the UPSC exam over pursuing your passion?

Regarding my engineering background, it remains a passion, utilized extensively in my role at the municipal corporation. Engaging in construction, pipeline planning, and supervising engineers, I apply my engineering knowledge as an administrator. In college, I participated in social projects, including robotics, where our team designed a robotic leg for amputees. This inclination towards social projects continued in my job at a data steel company, contributing to rural development and coaching college students.

The turning point towards civil services occurred when friends introduced me to it during a one-month course in Delhi in 2013. Unaware of civil services, I explored its preparation, job roles, and its impact on a larger canvas. This realization motivated me to opt for civil services, offering a vast scope to benefit people on a larger scale—whether at the city, district, state, or national level."

Student: Sir, what qualities do you believe are essential for success in this challenging job?

Commissioner: The key qualities for success as a Civil Servant include honesty, hard work, intellectual prowess, efficiency in program implementation, and effective time management. Leadership is crucial, especially considering the responsibility of overseeing a large number of government employees. Punctuality and integrity are also vital traits.

Student: Sir, what are your views on the ongoing conflict between Israel and Palestine, particularly in Gaza?

Commissioner: As a Civil Servant, I must refrain from delving into the specifics of international conflicts. It falls under the realm of diplomatic policies, and I can only offer a diplomatic answer. Ideally, conflicts should be resolved through talks and peaceful means, fostering a resolution for the well-being of the people involved.

Student : Sir, according to you, what is the special condition of women in terms of safety and mobility in our city?

Commissioner: In Ambikapur, addressing the safety and mobility concerns for women is primarily a matter of law and order handled by the police. Incidents of teasing are sporadic, and patrolling is conducted in areas where such instances may occur. Generally, Ambikapur is considered safe for women, with people, including couples, freely moving around without significant difficulties. The city exhibits a sense of security, evident in women comfortably visiting stalls even during the evening.

Student: Sir, in metropolitan cities, the condition of women in our country is often challenging. Although we

currently feel safe in Ambikapur, how do you foresee the condition here in the future?

Commissioner: Yes, it's a dual concern related to both society and the police. Setting examples and punishing offenders plays a crucial role. While societal aspects contribute, areas known for miscreants are actively patrolled in Ambikapur. Addressing societal ills is essential to ensure women are not at a disadvantage or face harassment.

Student: Sir, how do you approach learning and acquiring new skills?

Commissioner: As a Civil Servant, continuous learning is crucial. Career growth involves learning various skills, and civil services often demand acquiring knowledge on the go. Learning new skills quickly is tested, and the internet provides a vast resource for acquiring knowledge and skills.

Student: Sir, as a Nagar Nigam commissioner, what contributions have you made, and what plans do you have for the city's betterment?

Commissioner: In my four and a half months here, I've initiated projects stuck in limbo, focusing on civil works like road building. Collaborating with previous efforts, we've started several projects, including enhancing hygiene in Chaupati and introducing new advertisement boards. Clearing congested and accident-prone areas is also in the pipeline. Despite a fire on Diwali night at Swachhta Chetna park, we are reimagining and improving it, striving to maintain Ambikapur's reputation for cleanliness through systematic city cleaning.

Student: Sir, are you satisfied with the water management in our area?

Commissioner: No, there was a water crisis last year. The primary issue is the dependency on two reservoirs—Banki Reservoir and Ghunghuta. The recent years have shown Banki Reservoir not getting filled adequately, impacting water supply.

In response to the water scarcity issue, the Commissioner outlined comprehensive plans to augment water supply, emphasizing the need to diversify water sources, particularly from the Ghunghuta Dam. Additionally, efforts were underway to reduce dependency on the Banki Dam and explore water acquisition from alternative areas. Public cooperation was sought, urging citizens to conserve water resources.

During monsoons, due to the low water level in the Ghunghuta Dam, half of the city relies on it, while the other half depends on an alternative reservoir. Last time, water scarcity became critical around May or June, causing widespread concern. To address this, we are actively enhancing water storage at Ghunghuta Dam and implementing projects to divert water to both sides of the city. Additionally, efforts are underway to source water from other areas, reducing dependence on the Banki Dam. I'll also appeal to the public to conserve water. Despite being water surplus, our city faces significant water wastage.

Students: Sir, how do you combat corruption, and have you encountered any related incidents?

Commissioner: Corruption within government services is a complex issue. While many individuals are honest, others engage in corrupt practices, sometimes known to the public, and sometimes not. In the government system, certain aspects are beyond our control. To mitigate corruption, vigilance is crucial, ensuring those involved face punishment and penalties. Until strict measures are in place, eradicating such issues remains a challenge.

Student: Sir, many individuals inspire us to pursue civil services, but there is confusion about the various administrative posts and other exams besides UPSC. Could you provide detailed insights on this?

Commissioner: In administration, there are two main avenues - the state service exam (such as CGPSC for state

administration) and UPSC for All India Services like IAS, IPS, or IFS. Collectors and SPs are commonly associated with civil service exams, holding significant responsibilities. State-level exams offer opportunities, and diversifying options beyond UPSC is advisable.

Student: Sir, as a commissioner, how do you ensure accountability and transparency in district administration?

Commissioner: My role primarily focuses on municipal administration. Accountability and transparency are maintained through consistent monitoring and regular reviews of delegated tasks. Weekly meetings with supervisors, engineers, and their subordinates provide a platform to assess progress and address any challenges promptly.

Student: Thank you, sir, for addressing our queries.





Aadityeshwar Saran Singh Deo

Vice President - Jila Panchayat Surguja

Shristi Tamrakar: Tell us about your upbringing and about your childhood?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : My upbringing unfolded in Bhopal, where I completed my primary education until the fifth grade at Campton School. Subsequently, I ventured to Shimla for boarding school at Bishop Courtland School until the eighth grade. Unfortunately, due to illness, I had to return to Bhopal. For my 9th to 12th grades, I was enrolled at Delhi Public School Bhopal, culminating in the completion of my 10th and 12th grades there. My formative years were marked by a harmonious blend of academic pursuits and extensive involvement in sports, particularly cricket and squash, affording me the opportunity to represent Madhya Pradesh in cricket.

Divyansh Tripathi: Please tell us about your higher education.

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : Regarding my higher education, I dedicated myself to IIT preparation during class 11th and 12th. Following that, I successfully cleared AIEEE and IIT exams. Despite not securing the desired mechanical branch in IIT-BHU, I opted for Petroleum and Chemical engineering. Subsequently, achieving a commendable rank in AIEEE, I pursued a four-year mechanical engineering program at Delhi College of Engineering. Post-graduation, I ventured into the



professional realm, working with General Motors in Bangalore. Thereafter, I pursued higher studies in the United States, obtaining a Master's in Engineering with a specialization in Product Design from the University of California, Berkeley. My professional journey in America comprised one year with Mercedes in California and two years with Schlumberger in Houston, specializing in Oil and Gas Design. Eventually, I returned to Surguja.

Nivedita Kesharwani: Sir as you mentioned, you completed your higher education in the United States. Has exposure to western culture impacted you?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo: Regarding the influence of western culture due to my higher education in the United States, it was a distinctive experience. While

western culture exerts a considerable influence in India, living in America provided insights into both the admirable aspects of their culture and the prevalent social challenges, such as racial issues and social isolation. Despite these disparities, the experience instilled in me a profound appreciation for our rich Indian culture, creating a nuanced blend of perspectives.

Saleem Rajja Khan: Sir, you are considered as an heir of T.S. Singh Deoji. What is your take on this?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : Addressing the perception of being considered an heir to T.S. Singh Deoji, personally, I believe that era has concluded. Post-independence, privileges associated with titles and entitlements persisted until 1971, when the government democratically decided to phase them out. This aligns with our family values and the way we were brought up.

I feel that the era of entitlement culture is over. In the 6th grade, during a trip to Shimla, I stumbled upon a surprising discovery in the library. As I perused some books, I came across a photo from my childhood featuring me and my grandfather. This revelation made me realize that such archives existed, unbeknownst to us until then.

Shubham Sinha: In the present era, we are deeply influenced by social media. How can we maintain a healthy relationship with it?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : Social media and screen time, especially considering the rise of Shorts and Reels, pose a growing challenge. I've noticed my own screen time increasing. However, it's also a valuable

platform for learning. Balancing both aspects requires strong self-control in the times ahead.

Sibia B: Do you have a penchant for music?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : Certainly. In the past, I leaned towards alternative rock, but my musical preferences have evolved, influenced by my partner, Trishala. Lately, I've been drawn to indie pop, particularly artists like Prateek Bhupad and Anup Jain. While not a huge fan of rap or hip hop, they occasionally find their way into my playlist.

Aarya Chandel: What genres of books captivate your interest, and has any book left a positive impact on you?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : During school, I gravitated towards fiction, but college shifted my focus to technical education. In the meantime, world history and the intersection of history and mythology caught my attention. One influential figure for me is Swami Vivekananda. Despite being misconstrued as overly religious, his writings exhibit a balanced and pragmatic approach to understanding how world history and religions have shaped our modern society. Currently, I'm delving into Nehru's personal writings and letters as Prime Minister, along with exploring the perspectives of Savarkar, offering me a nuanced view of India before independence. My interest has transitioned from pure fiction to history and politics."

Jaskeerat Babra: As a woman, I feel insecure stepping out after 7p.m. What measures can be taken to enhance women's security and create a safer environment for them?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo: Addressing women's security involves tackling cultural and social issues. While the government can enforce policies, changing mindsets is crucial. Media, including movies and shows, influences societal behaviour. It's vital for us as a society to challenge and redefine what is deemed acceptable, combating issues like eve-teasing and stalking.

Aayush Choudhari: As the vice president of Zila Panchayat, what are your specific responsibilities and duties in overseeing rural development?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : Zila Panchayat, often overlooked, is a key body for rural areas. With responsibilities spanning education, health, sports, and more, we supervise and ensure the execution of development plans. Gram Panchayats handle day-to-day activities, and our role at the Zila Panchayat is to oversee and support their development initiatives.

Arya Lal: Despite peaceful youth protests, government responses have been suppressive. How can we effectively make our voices heard?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo: Consistency is crucial in protests. Social media provides a platform for sustained activism without always being visibly present. While a one-day demonstration raises awareness, ongoing efforts ensure actions follow words. Take the Hasdeo Aandolan, for instance – a sustained initiative against mining with both environmental and social aspects.

Palak Lal: Sir, last year we arranged buses and pooled funds to visit Hasdeo. Unfortunately, permission was denied. Do we have the right to inquire about the reason behind the refusal?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : I also advocated for you when your teachers reached out to me about your plans, including the visit to Mainpat. However, the official response cited safety concerns due to a recent violent incident. Despite that, I encourage you to request again; I'll do my best to assist. It's your right to explore and learn about what's happening in your area.

Anwesha Singh: Sir, if you weren't from a political family, would you have still pursued politics?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : Politics wasn't initially my plan, even with my family background. After returning from America, my intention was to delve into entrepreneurship and establish a social enterprise focusing on rural development. From 2016 to 2018, I experimented with sustainable fuels, biofuel, and ethanol. We started Gramworks, a small firm developing products for rural areas. In 2018, Baradav involved me in crafting the manifesto for the Congress party. This experience, interacting with diverse groups across the state, became my first exposure to politics. Subsequently, I gained insights into healthcare issues in Chhattisgarh, leading to Baridhar's decision to take up the health ministry.

Saleem Rajja Khan: Recently, in a three-door verdict, the Supreme Court neither supported nor rejected same-sex marriage. Sir, if you want to take a side. Which one would be? The support of same sex marriage or not so?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : It is a fundamental question, and the Supreme Court verdict neither supported nor rejected same-sex marriage. The Court stated that it is the right of the legislature and the government to legislate on this matter. Having personally

heard the arguments and Chief Justice's comments, I went through some videos. The view expressed was based on human rights, with the government arguing that it's not about same-sex marriage but the impact on existing laws, such as the Special Marriage Act, Hindu Marriage Act, Hindu Undivided Family Act, and Muslim Marriage Act. These civil laws need modification to define the concept of same-sex marriage.

In my personal opinion, if you read scriptures or old books, the concept of same-sex partnerships is not new. Marriage as an institution may not have allowed it, but their existence is not something new. In a civil society, it comes down to choice. If someone, of their own choice and without force, is entering into anything legal, it should be respected. While the question of Section 377 was whether it is legal or not, it has now been legalized, making union a legal entity. However, granting it the status of marriage is a decision left to the government, as per the Supreme Court. Two were in favour, but three emphasized that it should be the government's right to legislate on the matter.

Personally, my interpretation of the act is that the Supreme Court has not denied same-sex marriage. Instead, it has urged the government to formulate relevant laws, emphasizing that it should not be the role of the judiciary but rather the government's responsibility. The government should consider global perspectives and ensure the legalization respects the views of all factions in society.

Arya Lal: Sir, at Ambedkar Chowk, there's a pressing need for traffic regulation due to vehicles crossing from all three sides. Can we anticipate any regulations in the

upcoming years?

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : There are two or three issues at Ambedkar Chowk. Firstly, the size of the roundabout has been a topic of multiple discussions, and a new platform outside PG College has been built, with a decision to shift Ambedkar Ji's statue to PG College underway. This is expected to reduce the roundabout's size. Secondly, there's a need for a traffic light, and increased enforcement by traffic police is essential. Lastly, the road condition, impacting or raising concerns, is under NH's responsibility. Efforts have been made to prompt NH to fix the road, but it remains unresolved. Commercial development along PG College road and towards Maningal and Pratappur has led to parking issues.

Additionally, heavy vehicle entry is a concern, but an approved outer bypass starting after Makan Bhai, traversing across, and ending at Belaspur road, with a connection to Luchki Ghat, is expected to address this. Land acquisition has occurred, and NH is anticipated to commence construction this year. Once built, this bypass will prohibit heavy vehicle entry into the town, positively impacting traffic regulation. However, adherence to traffic rules and strict enforcement remains crucial.

Palak Lal: Sir, Is there any other platform. Other than social media. Twitter etc. To give. Political opinion.

Shri Aadityeshwar Saran Singh Deo : On the government side, there are public representatives in urban areas, including ward officials, mayors, MLAs, and members of parliament. Their contact numbers and emails are publicly accessible, often displayed in every ward. The Nagar Nigam also exists, with its own contact information, but

sometimes they may not take students seriously due to their non-voter status, posing an occasional issue.

The second forum involves political parties, each having its own platforms. For example, the Congress has NSUI for college students and Jawahar Bal Manch for school students. ABVP represents the BJP side, with Bharati UR Morcha and ABVP for college and other students. The Aam Aadmi Party also has its forums.

Connecting with these forums can be a platform to express your views, depending on which side you feel comfortable with. Personally, the most effective approach is to engage with public representatives since they are from your neighbourhood and town. If they are unresponsive digitally or over the phone, organizing a group visit to their homes can be impactful. They are obligated to listen to you, and they frequently visit schools, more so in government schools due to various programs. While interactions with private schools may be less frequent, reaching out consistently is the most effective way to bring attention to an issue.

Students : Thank you sir for allocating your valuable time and engaging with us.





Ms. Ekta Mittal

Independent Filmmaker, Bengaluru

Student : Ma'am, please tell us about yourself and your upbringing.

Ekta : My name is Ekta Mittal, and I was born in Mangalore, but I grew up in Bangalore. I was a mischievous child; my parents often found me looking out of the window, wandering, and wondering. Disciplining me was challenging for them. In the early part of my education, I studied Arts. Later, I pursued Media for both my undergraduate and postgraduate studies. The turning point came during my first year of college when I saw a poster advertising a theatre workshop without auditions. This piqued my curiosity, and about 50 girls joined. It was a lot of fun as it provided us a platform and space, given that we were all young, unsure about what we wanted but definitely needed something.

I was part of the theatre group for about three years, learning things not typically taught elsewhere. We had to share our personal history, background stories, and become vulnerable, enabling us to gain confidence as we were physically engaged in theatre. Despite primarily studying literature, delving into Shakespeare, and connecting with scripts, we wrote and directed, was a unique experience. I also aspired to be a photographer, capturing numerous images. However, affordability and

Student : Ma'am, please tell us about yourself and your upbringing.

Ekta : My name is Ekta Mittal, and I was born in Mangalore, but I grew up in Bangalore. I was a mischievous child; my parents often found me looking out of the window, wandering, and wondering. Disciplining me was challenging for them. In the early part of my education, I studied Arts. Later, I pursued Media for both my undergraduate and postgraduate studies. The turning point came during my first year of college when I saw a poster advertising a theatre workshop without auditions. This piqued my curiosity, and about 50 girls joined. It was a lot of fun as it provided us a platform and space, given that we were all young, unsure about what we wanted but definitely needed something.

I was part of the theatre group for about three years, learning things not typically taught elsewhere. We had to share our personal history, background stories, and become vulnerable, enabling us to gain confidence as we were physically engaged in theatre. Despite primarily



studying literature, delving into Shakespeare, and connecting with scripts, we wrote and directed, was a unique experience. I also aspired to be a photographer, capturing numerous images. However, affordability and skepticism from my father about pursuing photography led me to move away from it.

Finally, in 2008, after many discussions and disagreements with my friends, we decided to establish our own collective called "Mara." Since then, I have been working with Mara, a media and arts collective, engaging in various activities.

Student: Madam, what kind of films do you create?

Ekta : I was part of the protests against the Bangalore metro construction, lasting about a year. We opposed the project due to the massive tree-cutting and displacement of local residents. Acceptance among the locals was challenging, given the government's decision to transform the city into a smart city with a metro, mirroring Singapore. This realization of our powerlessness left us feeling dejected.

My friend and I decided to shift our focus to migrant workers. We initiated the project "Behind the Tin Sheets," delving into the lives of workers from various parts of India. Establishing a connection, I began sharing my childhood stories, fostering friendship. Conversations about ghosts



among the workers inspired the film "Presence," where ghosts symbolize the workers, and their lingering presence is felt even when alone at the metro station. The film was edited in a science fiction format.

Another creation, "Distance," explores the theme of love amidst the workers' separation from their families. "Gumnamdin" delves into the mysterious disappearances of some workers, drawing inspiration from Shiv Kumar Batalbia, a Punjabi Sufi poet. The film portrays workers not merely as victims but as individuals, discovered through

the bonds we formed.

Student: What were the challenges that you faced, and how did you overcome all the struggles you had to go through?

Ekta : There were many challenges. All these films we've made until now have taught us a lot. When we went to talk to the workers and understand them, it sometimes made them feel uneasy about their situation, leading to unintended agitation, such as throwing stones at the cars of people working on the metro. They began to feel trapped, wanting to express themselves but feeling hindered. We had to confront these challenges and couldn't simply avoid them. If I had run away just because of the stone-throwing, it would have shattered the trust we built with these people.

There were numerous risks and threats we had to face, but we stayed committed. Sometimes, we had to shoot at 3 a.m to avoid daytime visibility. There was always the fear of jeopardizing someone else's situation, so we had to be cautious. The primary way we overcame these challenges was by building trust. To convince the security guard to allow us into the metro construction site, we had to drink countless cups of chai without any reason. It was all about building trust.

Student: How do you choose the subject and location for your films?

Ekta : We choose subjects by interacting with people and gauging their reactions to certain questions. The locations are mostly derived from the environment and surroundings of the people. Sometimes, I create a surreal location to give the film a unique twist. For example, in the film "Birha," we selected surreal locations to make the film more intriguing and align with the film's message or subject.



Interview by :

Jaskeerat Babra 11th 'D'

Palak Lal 12th 'B'

Falak Fatima 12th 'B'

Arya Lal 12th 'B'

Angel Xaxa 12th 'B'

Saleem Rajja Khan 12th 'B'

Rishika Tiwari 11th 'D'

Alisha Parveen 12th 'B'

Arya Singh Chandel 12th 'B'

Saina Parveen 12th 'B'

Alka Tiwari 12th 'B'



Vasu Gandharv

Renowned Poet & Vocalist, Ex Student : HCCSSS

Student: Tell us about yourself; your upbringing, and your childhood.*

Vasu : My name is Vasu Gandharv, and I am a classical vocalist, poet, and recent college graduate. I have performed vocal concerts in various cities at both government and non-government venues, and my literary works have been featured in major Hindi journals. Additionally, I have a booklet of 40 poems titled "Kisi Raat ki Likhit Udaasi Me," published by Rachna Samay Publications, Bhopal.

My upbringing was typical of a middle-class family. My father was an English professor at a government college, while my mother was a homemaker. During my childhood, I enjoyed playing with and sometimes annoying my elder sister, finding comfort in the warm embraces of my grandparents, and experiencing the cool weather of Sitapur and Ambikapur, the cities of my childhood memories. What set my childhood apart was the extensive practice hours I dedicated to learning music from my father. I was a quiet and introverted child, often immersed in books which belonged to my father and grandfather, which served as a refuge against the loneliness many of us experience during childhood.

Initially, the strict and disciplined nature of classical



music seemed overwhelming, but I soon became captivated by its depth and the unique way it expressed human sensibility. This experience opened my heart to the beauty of art, whether in poetry or music. I attribute much of my conscious sensibilities and life choices to the books I read and the music that accompanied me during my formative years.

Student: Tell us about your school life.

Vasu : School represents a child's first encounter with an authoritative structure that often remains incomprehensible to them. The concept of disciplining a child, reminiscent of antiquated English practices, aims to suppress the child's innate curiosity, creativity, and self-awareness to mold them into compliant beings—almost

approaches have softened, corporal punishment and unreasonable teacher reactions were prevalent during my schooling at HCCS, contributing to unpleasant experiences. Moreover, my severe stutter compounded my challenges, rendering me shy and antisocial, hindering my ability to forge friendships.

However, my reputation as the school's singer gradually eased my social isolation, as I performed classic Bollywood tunes at various school events and garnered the annual solo song trophy. Despite encountering fewer exemplary educators than desired, some teachers, notably C. Sunil Sir, Sibte Hassan Sir, Yogesh Gaur Sir, Jessy Abraham Ma'am, and Rajendra Prasad Sir, nurtured empathy, rationalism, and the joy of genuine learning within me. They encouraged me to embrace ideals of empathy, critical analysis of societal narratives, political awareness, and the pursuit of continuous learning.

Following my 10th-grade board exams, my family relocated to Raipur, where I completed my high school education at DPS Raipur. My tenure at Holy Cross bequeathed me enduring friendships, cherished memories, and resilience—both a legacy of survival instincts and a testament to warmth, love, and camaraderie.

Student: Tell us about your childhood dreams.

Vasu : As a child, I harboured modest ambitions, valuing time to explore and understand life's intricacies. Admiring the serene lifestyle of my hometown, I envisioned a future immersed in academia, drawn to humanities'

complexity—culture, human choices, and narratives. This urgency fueled a desire to engage politically and confront societal injustices.

Explorations led me to pursue economics in my undergraduate studies, yet my dreams remain unrealized. While youth may excuse delay, I contemplate my readiness to pursue them.

Student: Apart from studies, what were the things you were interested in? Tell us about your hobbies.*

Vasu : Besides academics, music played a significant role in my life. I devoted long hours to practice, participated in competitions, and performed concerts. Books also shaped my identity, exposing me to diverse authors and ideas. I continue to read extensively and occasionally write. Though I haven't been able to practice music as much due to exams, its influence remains strong in my life. Overall, I lead a fulfilling existence with various interests and pursuits.

Student: What is your Current Profession and future Plans?

Vasu : Currently, I'm preparing for the CUET PG examination while continuing to write for Hindi journals and magazines such as Kathadesh, Pahal, Samaas; and web-journals such as Samalochan, Sadaneeral, Samkaleen Janmat. I aim to pursue social sciences, possibly entering academia while maintaining my commitment to classical music. My ambitions are grounded in meaningful pursuits rather than materialistic gains.

Student: Tell us about your college experience and how

you managed your with everything?

Vasu : Health issues prevented me from pursuing undergraduate studies immediately after high school. Hence, I pursued a BA in Economics, English, and Psychology in Raipur, coinciding with the COVID-19 pandemic. Despite the challenges posed by online classes and enforced inactivity, I utilized this time productively by engaging in reading, writing, and music practice. While acknowledging the privilege of my socio-economic status during the pandemic, I recognize its broader impact on marginalized communities.

Student: Anything you've learned and wanted to share with us.

Vasu : I advocate against hatred and division, urging awareness of social and political issues. I encourage individuals to discover their passions and remain faithful to them, emphasizing the importance of being passionate, politically aware, and assertive in shaping one's life.

I advocate against hatred and division, urging awareness of social and political issues.. Such a statement might sound idealistic, and pretentious, but in our times, it has become an active struggle for all of us who want a better world, to ask ourselves at all the time, are we not catering to some agenda, by our actions, or words, or prejudices, or ideals, that promulgates hatred. I encourage individuals to discover their passions and remain faithful to them, emphasizing the importance of being passionate, politically aware, and assertive in shaping one's life.

As for your studies, I'd say, more than anything, to not to

give in to peer pressure. Take time to figure out the things that you like, and once you've discovered them, be faithful to them. We all discover our lives at our own pace, and there are a lot more ways to a fulfilling life than you can imagine right now. Be passionate, exuberant, political, and assertive. There's this poem by Zbiginew Herbert, the great Polish poet, "The Envoy for Mr. Cogito", that always rings in my mind as I think of the way one's life should be led.

The Envoy for Mr. Cogito (Poetry)

*Go where those others went to the dark boundary
For the golden fleece of nothingness your last prize
Go upright among those who are on their knees
Among those with their backs turned and those toppled
in the dust
You were saved not in order to live
You have little time you must give testimony
Be courageous when the mind deceives you be
courageous
In the final account only this is important
And let your helpless Anger be like the sea
Whenever you hear the voice of the insulted and beaten
Let your sister Scorn not leave you
For the informers executioners cowards—they will win
They will go to your funeral and with relief will throw a
lump of earth
The woodborer will write your smoothed-over biography
And do not forgive truly it is not in your power
To forgive in the name of those betrayed at dawn*

*Beware however of unnecessary pride
Keep looking at your clown's face in the mirror
Repeat: I was called—weren't there better ones than I
Beware of dryness of heart love the morning spring
The bird with an unknown name the winter oak
Light on a wall the splendour of the sky
They don't need your warm breath
They are there to say: no one will console you
Be vigilant—when the light on the mountains gives the
sign—arise and go
As long as blood turns in the breast your dark star
Repeat old incantations of humanity fables and legends
Because this is how you will attain the good you will not
attain
Repeat great words repeat them stubbornly
Like those crossing the desert who perished in the sand
And they will reward you with what they have at hand
With the whip of laughter with murder on a garbage
heap
Go because only in this way will you be admitted to the
company of cold skulls
To the company of your ancestors: Gilgamesh Hector
Roland
The defenders of the kingdom without limit and the city
of ashes
Be faithful Go*





MERCURY



EARTH



JUPITER



SATURN



URANUS



NEPTUNE

Articles

LIVE LIFE, DON'T EXIST

To lead a life of adventure is certainly very exciting and amazing. It involves breaking free of certain social conditioning and challenging yourself to work upon your mental fears, which are mostly in your mind and discovering unlimited freedom and opportunities we, therefore need to be willing to undertake adventure as it is a necessary part of happy existence. It is important to spend your stipulated time on earth doing some of those things that make a difference and give one, enjoyment rather than simply sinking all the time playing the normal routine "GAME OF DELAYED GRATIFICATION".

"Enjoy the little things in life. For one day you may look back realize they were big things"

~ Robert Breault

So it is important to live life to the fullest and it is also surely worth making the effort to live with an adventurous spirit.



Piyush Choudhary
12th 'A'

My Country My India



Where I can play and learn
Where mountain kiss the sky...
Letting me enjoy the nature's lap
That's My Country, My India.
Where soldiers are born to battle and die,
To protect me and my family
That's my country, My India.
Where, three bright colours, saffron white and green,
That's our Flag with Ashoka Chakra in between,
Good leaders and people worked each day
To raise it high and give glory
That's my country, My India.
I salute all those good men
I honour all sacrificing women
I promise to be same.
For my country, My India.



Varun Agrawal
4th 'C'

Beauty



Ishika Choudhary
8th 'E'



Nishika Pandey
5th 'F'



Disguised in physical appearance,
Never knowing what is inside,
They are the tricks of beauty,
Fooling the mind,
Beauty is not in the face
To stick.
Physical beauty can wither over time
Beauty in the heart is immortal.

1. Childhood is the most golden moment of our life.
2. It is the time that shapes our future.
3. Childhood is free of worries and tensions.
4. It is the time to learn good things and distinguish right from wrong.
5. There is lack of understanding in childhood.
6. In childhood a person needs his family the most.
7. There is no jealousy about anyone in childhood.
8. Childhood friends are the most important assets of our life.
9. It is the period of enjoyment.
10. My childhood memories are very sweet and wonderful.





Kanishka Jain
11th 'D'

Musings From My Diary

I am a complex individual, embodying a blend of sensitivity, fallibility, altruism, and joy. My sensitivity allows me to deeply empathize with others, feeling their emotions keenly and responding with compassion. However, this sensitivity also renders me vulnerable to the world's ups and downs, sometimes leading to moments of fragility or insecurity. Despite being prone to making mistakes, I approach life with a helpful spirit, always eager to lend a hand or offer support to those in need. My willingness to acknowledge my own fallibility demonstrates humility and a commitment to growth, as I learn from my missteps and strive to become better version of myself. Beneath it all, I exude happiness, finding joy in the simple pleasures of life and spreading positivity



wherever I go. My sunny disposition uplifts those around me, creating a warm and inviting atmosphere wherever I go. In essence, I embody the beautiful complexity of the human experience, navigating the highs and lows with grace, kindness, and an unwavering commitment to making the world a better place.

Nature

Nature is so good,
And don't make us rude.
It gives us everything,
Without expecting anything.
It gives us food to eat,
And gives us shade to reduce heat.
It is so green,
And helps us stay clean.
With trillions of trees,
And stunning cliffs.
So it is our duty to protect the nature,
And to stop the melting glaciers.



Vanshika Behura
9th 'B'



Dear Sir

Dear sir, you light our way, it's true,
With the knowledge and kindness you imbue.
Your lessons, simple, clear and bright,
Make learning feel just right.
With the patience and wisdom, you stand tall,
Guiding us to give our all.
In your class we learn and aspire,
Dear sir, you set our hearts on fire.
In simple words I want to say,
You're our teacher, in every way.
Dear sir, you're held so dear,
In our hearts, forever near.



Abhay Kumar Kushwaha
10th 'C'





EXAMINATION

Poor scholars have a tension,
Why is this examination?
If asked about my terror nation
We answer: Examination!!

Preparation begins before 24 hours ,
So is the pressure of ours.
It is as high as Eiffel tower,
To pass, I even study beneath shower.
Everyone wishes for the best;
During exam, feels like a bird without nest.
Whole year we enjoyed the fest;
Now, laying paper as pillow and taking rest.
Examiner says, 'As you sow, so you reap'
Meantime, I pray to overcome this heap;
The session went on like a radarless ship,
Meanwhile, my heart beats to complete the trip.
Came out of the battle field,
Me as a soldier & pen, the shield;
I am happy the monster was killed;
So is my exam fever which I revealed.



Bharti Tiwari
10th 'A'

FACE BEHIND THE MASK



Nishtha Singh
7th 'E'

She always tried to portray herself as a roaring soul but was intensely hurt from the words of the society. She always used to have a smile on her face but used to hide thousands of painful tear behind her smile. She always used to be the comforting person of others but was herself broken from inside.

She always used to hide a depressed face behind the mask of a strong person, but did she actually deserved all this? The question is that does she really deserve too face all this, when she only needed a shoulder to sleep, the lap of her mother to rest and the care of her father to feel. You never knew what is behind that mask and what is a person going through.



FEAR : **HEALTHY** OR **UNHEALTHY** ?

Sr. Jaya Michael
Counsellor

Regardless of what age we are, we all experience a very important universal

Emotion: fear. Let's imagine the boogeyman hiding underneath the bed; you getting a failing grade on an important test. A child cries when her favorite toy is taken away from her. A teen cannot think of her best friend spending more time with someone else. A youngster feels quite uncomfortable when s/he is questioned. Thus we are often confronted by fear of losing things or people or image or prestige or position. Fear is an important part of the human experience and human history, as it is often a survival tool that helps us cautiously approach situations, like uncertainty or a threat, and avoids them when they cause physical or emotional harm. Let's understand the following factors:

What is fear? Is it more harmful or helpful? How can understanding of fear help us?

Fear is an intensely unpleasant emotion in response to perceiving or recognizing a danger or threat. Fear causes physiological changes that may produce behavioral reactions such as mounting an aggressive response or fleeing the threat. Fear in human beings may occur in response to a certain trouble occurring in the present, or in expectation of a future threat perceived as a risk to oneself. Thus when one sees danger, the person tends to either choose fight or flight response and in extreme cases even a freeze response.



The sources of fear may change as the child matures. For example, a fear of the dark or of monsters under the bed may give way to fears of burglary or violence. As a child learns more about the world, the list of things they fear tends to grow. Some fears are real and some are imaginary. Common fears include fear of the dark, burglary, war, death, separation or divorce of their parents, and supernatural beings (such as ghosts and monsters). A toddler or preschooler tends to be afraid of unfamiliar things that they don't understand or can't control. Their active imaginations, and their inability to always distinguish between reality and fantasy, means they may believe that monsters are under the bed or in the wardrobe waiting to spring once the light goes out.

Fear is the enemy of love and faith. We are not born fearful and anxious but we learn to be so in the course of time. **Natural fears** are the ones that we are born with to protect

ourselves from any danger perceived. But if you end up going toe-to-toe with a lion that could potentially injure you, that's a real danger and a natural fear. Then, there are the **conditioned fears** which are formed when something negative happens in the past, leading to anxiety disorders and causing us to avoid situations due to fear of it happening again. For example, let's imagine that you were bitten by a dog as a child, a feared object. Even if the happiest, sweetest dog comes over and says hello with no intent to bite you, you may still react negatively out of certain emotions and fear. Because of one bad experience, you may come to the point where you avoid dogs entirely. We are typically conditioned to fear the things that we are told are negative like horror movies that scare and evoke a sense of terror. Whether those things are people, places, or specific objects, we have these beliefs and fears ingrained in us over time in our environment. We may not be afraid of the different beliefs of others, but because you may have been raised to believe someone or something is dangerous, you may still fear it even if you've never interacted with those things. Moderate fear is healthy as it helps to protect oneself but if we let fear control our life, it will damage our life by distancing ourselves from self as well as from others.

To overcome these fears, we need to recognize their behavioral effects and find courage to face them in a safe environment.

Suggestions for helping your child include:

- Let your child know that you take their fears seriously.
- Give your child truthful information on topics such as

fire or water, death or war, and let them know you are willing to answer any questions.

- Encourage your child to confront the object of their fear, such as dogs, one step at a time at their own pace. For example, perhaps start with pictures, then try a very small, gentle dog that is tied up, so the child decides how close to get.
- Daily routines and rituals give a child a sense of stability and security, and may ease general anxiety.

Helping a child who is afraid of the dark

As with other fears, it is important to handle a child's fear of the dark with sympathy and understanding. Do not ridicule or dismiss your child's feelings, or become frustrated and angry. The first step in helping your child to overcome their irrational fear is to accept their feelings as real and respond to them sensitively. Suggestions include:

- Ask them to tell you about their fears and what exactly makes them afraid.
- Show your child that you understand their fears, but that you don't necessarily share them.
- Reassure them that they are safe; explain there are no such things as monsters.
- Don't try to reassure your child by checking in the cupboard or under the bed as this may suggest to the child that you believe monsters could be there.
- Ask your child for suggestions on what would make them feel more secure. Find out if their fear of the dark comes from other worries. For example, some children may be afraid of their parents separating or dying, and this anxiety gets worse when they are alone in the dark. Talk to your child honestly about such issues. Look

around their room at night and try to see things from their perspective.

- Regular exercise helps to reduce stress levels. Make sure your child has plenty of physical activity during the day.
- Don't make a big deal or fuss about your child's fear in front of them or other people, in case they feel more anxious about it.
- Don't make fun of or belittle their fear.
- There are many books on managing childhood fears, both for the parents and the child.
- Reinforce positive behavior. Allow your child to make small steps towards overcoming their fear and compliment them on each achievement.

It's not only kids but teens, adults and every human fear in a different measure. One may go through fear of attempting anything new or facing public or making new friends or criticisms for fear of failure ultimately fearing rejection. Fear of losing a friend or parents or siblings can cause havoc in one's life. When we are not sure of who we are, our insecurity can lead to fear. It takes off our inner freedom, weakens our positive traits and makes us suffer from inferiority complex, dependent or aggressive. Instead of developing our unique gifts and talents, our eyes are focused on others.

Should we watch fear gripping us with hands bound and eyes closed or can we master this paralyzing emotion?

How to start conquering your fears?

1. Locate the root of your fear:

When fear becomes a habit, we often forget why we began to fear something in the first place. Where does your fear come from? What was the first situation that led to the cycle of fear in your life? For example, if you are on a stage,

why do you have fear of people? Understanding the root of our fear gives us further insight into reasoning and identifying some of the ways that we can begin to face and disarm these fear responses.

2. Challenge yourself in small ways:

Start facing your fears by incorporating them into your daily life. Each day or each week, you can start to chip away at the fear by taking small steps that force you to face it. Measure your progress as you go, and you'll be surprised by how much you can achieve!

3. Learn Relaxation Techniques:

If there's one thing that can help us cope with fear, it's learning how to relax. To effectively combat stress, you need to activate your body's natural relaxation response. Techniques such as deep breathing, visualization, meditation, and yoga can help.

A) Deep breathing:

With its focus on full, cleansing breaths, deep breathing is a simple yet powerful relaxation technique. It's easy to learn, can be practiced almost anywhere, and provides a quick way to get your stress levels in check. Deep breathing is the cornerstone of many other relaxation practices, too, and can be combined with other relaxing elements such as aromatherapy and music.

How to practice deep breathing

- Sit comfortably with your back straight. Put one hand on your chest and the other on your stomach.
- Breathe in through your nose. The hand on your stomach should rise. The hand on your chest should move very little.
- Exhale through your mouth, pushing out as much air as you can while contracting your abdominal muscles. The hand on your stomach should move in as you exhale,

but your other hand should move very little.

- Continue to breathe in through your nose and out through your mouth. Try to inhale enough so that your lower abdomen rises and falls. Count slowly as you exhale.

B) Visualization:

Visualization, or guided imagery, is a variation on traditional meditation that involves imagining a scene in which you feel at peace, free to let go of all tension and anxiety. Choose whatever setting is most calming to you, whether it's a tropical beach, a favorite childhood spot, or a quiet wooded glen.

You can practice on your own or with an app or audio download to guide you through the imagery. You can also choose to do your visualization in silence or use listening aids, such as soothing music or a sound machine or a recording that matches your chosen setting: the sound of ocean waves if you've chosen a beach, for example.

Practicing visualization

Close your eyes and imagine your restful place. Picture it as vividly as you can: everything you see, hear, smell, taste, and feel. Just “looking” at it in your mind's eye like you would a photograph is not enough. Visualization works best if you incorporate as many sensory details as possible. For example, if you are thinking about a dock on a quiet lake:

- See the sun setting over the water
- Hear the birds singing
- Smell the pine trees
- Feel the cool water on your bare feet
- Taste the fresh, clean air

Enjoy the feeling of your worries drifting away as you

slowly explore your restful place. When you are ready, gently open your eyes and come back to the present. Don't worry if you sometimes lose track of where you are during a visualization session. This is normal. You may also experience feelings of heaviness in your limbs, muscle twitches, or yawning. Again, these are normal responses.

C) Mindfulness meditation:

Mindfulness has become extremely popular in recent years, garnering headlines and endorsements from celebrities, business leaders, and psychologists alike. So, what is mindfulness? Rather than worrying about the future or dwelling on the past, mindfulness switches your focus to what's happening right now, enabling you to be fully engaged in the present moment. Meditations that cultivate mindfulness have long been used to reduce stress, anxiety, depression, and other negative emotions. Some of these practices bring you into the present by focusing your attention on a single repetitive action, such as your breathing or a few repeated words or release internal thoughts or sensations. Mindfulness can also be applied to activities such as walking, exercising, or eating.

A basic mindfulness meditation:

- Find a quiet place where you won't be interrupted or distracted.
- Sit on a comfortable chair with your back straight.
- Close your eyes and find a point of focus, such as your breathing—the sensation of air flowing into your nostrils and out of your mouth or your belly rising and falling—or a meaningful word that you repeat throughout the meditation.
- Don't worry about distracting thoughts that go through your mind or about how well you're doing. If thoughts

intrude your relaxation session, don't fight them, just gently turn your attention back to your point of focus, without judgment.

While apps and audio downloads can guide you through the process, all you really need is a few minutes and a place to sit quietly or stretch out.

4. Build self esteem:

Self-esteem is how much I know, believe in my worth and abilities and how satisfied I am with myself. It impacts one's decision-making process, relationships, emotional health and overall well-being. It also influences motivation, as people with a healthy, positive view of themselves feel secure, understand their potential and may feel inspired to take on new challenges rather than being threatened by what others think or how they perceive about you.



5. Facing fears:

Think of everything that you fear in life. Maybe it's bugs, snakes, persons, situation, place or even something as mundane as talking on the phone. Let's say you're thrown into a situation where you must face one of these fears. Say you get a new job, but it involves talking on the phone. You may experience fear while having to do this initially, but then, over time, you may start to realize that the situation doesn't pose any risk. You instead encounter positive experiences each time. This can reduce the fear response, which is how you overcome fears and treat phobias.

Conclusion:

We are endowed with a lot of goodness and power to love, to live and reach to heights. We know for sure that the paradoxes that co-exist are part of each one's life such as light and darkness, high and low, soft and hard etc. When we fear doing wrong thing it is healthy provided my awareness puts me in the right track. But if I fear doing right thing it calls for self introspection and self awareness, self acceptance and self esteem and evaluation. Nothing has stopped a man or a woman from scaling the Mount Everest or reaching to the Space. Why should we then cow down before fears. Never trust your fears; they don't know your strength.

**“DO THE THING YOU FEAR TO DO
AND KEEP ON DOING IT.....
THAT IS THE QUICKEST AND SUREST
WAY EVER YET DISCOVERED TO
CONQUER FEAR”**

Dale Carnegie



Documentary Filmmakers of Our School

By : Kirti Vishwakarma, Sangya Tiwari 12th 'B'

"Making documentary is about discovering , being open, learning and following curiosity."

Last few years , 12th class students in a group of eight are given to make documentary as our English summer project. It is a great and new thing that has been introduced to us. While making documentaries, we collected data ourselves instead of merely using traditional news sources .

Documentary making has not only allowed us to become more inform but has also enriched our personal and academic growth which we might not know just by sitting in our classrooms or houses and making files on various topics. It has

shown us the power of storytelling to raise awareness and create positive change in the world academic growth which we might not know just by sitting in our classrooms or houses and making files on various topics .It has shown us the power of storytelling to raise awareness and create positive change in the world Last year, 'Water scarcity' in rural India was the topic on which we have to make documentary. We went to Parsapali, a small village that is about 20km away from our city, Ambikapur.

On our way to Parsapali, we were excited to continue this journey of exploration and discovery through documentary



filmmaking, bringing hidden truths and unheard voices to the forefront for the world to see.

As we reached there, we went to the sarpanch in order to have permission to work there. Here, we noticed how in some villages the role of patriarchy can still be seen as the sarpanch was a woman but the decision maker was her husband. Upon interviewing the people, we were heart broken after knowing their struggles and the problems they have to face just to find clean water to fulfill their basic necessities.

The people of Parsapali had to rely on a brook which is contaminated with various impurities, dust and germs to fulfill their basic day to day chores such as cleaning, bathing etc.. and they had to drink water from such a handpump which has a high concentration of iron and magnesium which can cause different kinds of infection and disease, truly made us understand the importance of a glass of clean water.

We have the access of clean water that's why if there would be a small speck of dust in our glass of water, we would throw the whole glass of water.

Someone has truly said "We don't truly appreciate what we have until it's gone or if we don't have it." They also told how finances issued by the government for this purpose were being used by the corrupt politicians and officials of the village and also there was lack of unity among the villagers.

Our trip to Parsapali was definitely knowledgeable and after seeing the harsh reality of struggle about something as simple as water really changed our perspective and uses of clean water.

This year we were asked to make documentary on "Comparative study of education system between rural and urban area" as a summer project. Before proceeding to make documentary we made a synopsis.

We went to Koteya, a small village which is about 18 km from Ambikapur. On 31st May, we left at about 8:30 AM for Koteya

and all of us were excited to continue this journey of exploration through which we can bring the hidden truths and current scenario in front of the world.

As we reached there we went to the house of a person whom we had asked to gather the people of village. Firstly, we took the interview of students of senior class. Upon interviewing them, we came to know about the harsh reality of education system in rural areas. They told us that teachers don't come regularly due to which they suffer to complete their syllabus on time. There are various reasons for the absence of teachers and the most common one is negligence of government officials. During rainy season, students avoid going to school so that they can help their families in farming and other household chores and some don't go because of water logging on the roads. The students are not allowed to perform any experiments individually in the laboratory, they are only shown by the teachers because of which they suffer during their practical exams. They also told that.

They are unable to learn from a diverse range of perspective and experiences as a result their understanding doesn't get broad. After interviewing the



students, we started to take interview of elder people. They told us that how there had been no change or improvement for the last 20 years. This made us understand that how a small thing is affecting the academic growth of children in rural areas. In urban areas, we all have these facilities but still we complain about different things. After shooting this, we departed from there. Our trip to Koteya shed light on the stark difference between rural and urban education system and also highlighted the challenges faced by rural communities. After coming back, we edited the videos that we took there and then added subtitles in English. This project not only helped us to know about the problems faced by people but has also developed many new skills in us like: cinematography skill, film editing skills, research skills, team work etc..

Our project revealed that rural education, as exemplified by our experience in Koteya faces substantial challenges. To bridge this gap there is an urgent need for investment in rural education. Every child regardless of where they live deserves access to a high quality education. It's only through addressing these disparities we can ensure a brighter future for all. As concerned citizens, there are several steps we can take to contribute for the improvement of the education system in rural areas and combat water scarcity. We can offer our knowledge and skills to improve the quality of education in rural areas by conducting workshops and provide resources etc.. We can promote sustainable water management practices such as rainwater harvesting and water conservation. By taking these steps we can collectively work towards a brighter future, where every child has access to quality education and every community has access to clean water.

The documentaries we created have proven to be immensely helpful in raising awareness about critical issues and conveying meaningful messages to a wide audience. They serve as powerful tools to inform and engage people on topics they may not have had much exposure to previously.

HURT



Akshita Dabral
9th 'B'

Depression and sadness is sweeping our land, from evil and madness, that go hand in hand. The violence, corruption, the chaos and greed, the hateful, the sinful, on pain they all feed. The victims keep fighting, no matter the cost, until they lose all, until they are lost. The selfish, the greedy, the evil and mean, should wash-out the hate so we all can be clean. This message is clear, if you choose you will see, some kindness can help bring the change our kids need. Cause a world full of anger that plain and overt, will always brings misery, sadness, hurt and greed.



Exploring the Spirit of Holy Cross Convent Senior Secondary School, Ambikapur"



Astha Tiwari
12th 'B'

Nestled in the heart of Ambikapur, Holy Cross Convent Senior Secondary School stands as a beacon of knowledge, character, and community. Our school, a place where education is not just about academics but also about shaping individuals for life, is more than just an institution; it's a second home for all of us.

A Legacy of Excellence

Founded in 1967, Holy Cross Convent School has a rich history of academic achievement and character development. Over the years, it has consistently provided a platform for students to excel in academics and grow into responsible, compassionate individuals.

Holistic Learning

One of the standout features of our school is the emphasis on holistic learning. We offer a diverse range of academic subjects and extracurricular activities, encouraging students to explore their interests and talents. From science projects to sports competitions, from art to music, every student has the opportunity to shine.

Dedicated Faculty

Behind every successful student is a team of dedicated and inspiring teachers. Holy Cross Convent School is fortunate to have educators who not only impart knowledge but also instill values that guide students throughout their lives. Their unwavering support and mentorship shape our future.

A Close-Knit Community

Beyond academics and activities, Holy Cross Convent School is a close-knit community. It's a place where lifelong friendships are forged, and where students learn the importance of teamwork and collaboration. From sports teams to student clubs, we have numerous opportunities to bond and grow together.

Preparation for the Future

As we look ahead, Holy Cross Convent School continues to evolve and adapt to the changing landscape of education. We equip students with the skills and knowledge needed to thrive in a rapidly changing world, ensuring they are well-prepared for their future endeavours.

In conclusion, Holy Cross Convent Senior Secondary School is not just a school; it's an institution that nurtures minds, builds character, and fosters a sense of community. It's a place where each student's journey is unique, but they all share the common thread of growth and development.

As proud students of Holy Cross Convent School, let's cherish the memories we create here and carry the lessons we learn into the world beyond. Our school will always be more than just a building; it's a place where our stories begin.





Compiled By -



Saptarishi Mukherjee
9th 'B'

SUNITA NARAIN

Sunita Narain [born 1961] is an Indian environmentalist and political activist as well as a major proponent of the Green concept of sustainable development. Narain is director general of the India – based research institute for the centre for science and Environment communications, and editor of the fortnightly magazine, DOWN TO EARTH. In 2016 Narain was named on Time magazine's list of 100 most influential people. She appeared alongside Leonardo William Dicaprio in the documentary before the flood [2016], discussing the impact of climate change on the monsoon in INDIA and how it affects farmers. Narain began working with the centre for science and environment, one

of India's first environmental non – government organizations whilst still a student at the university of Delhi, working with the founder Anil Agarwal. Narain became the Deputy Director of the CSE in 1993, and was appointed as the director in 2000. Narain, following the scientific consensus on climate change, attributes blame for the climate crisis to the fossil-fuel based economies of western countries, and advocates that India should seek an alternative route to economic growth. Under her leadership, Centre for Science and Environment exposed the high level of pesticides present in America brands of soft drinks such as coke and Pepsi.



If I made a mistake,
Then I would have to retake
And do it once again,
Even feel the pain.

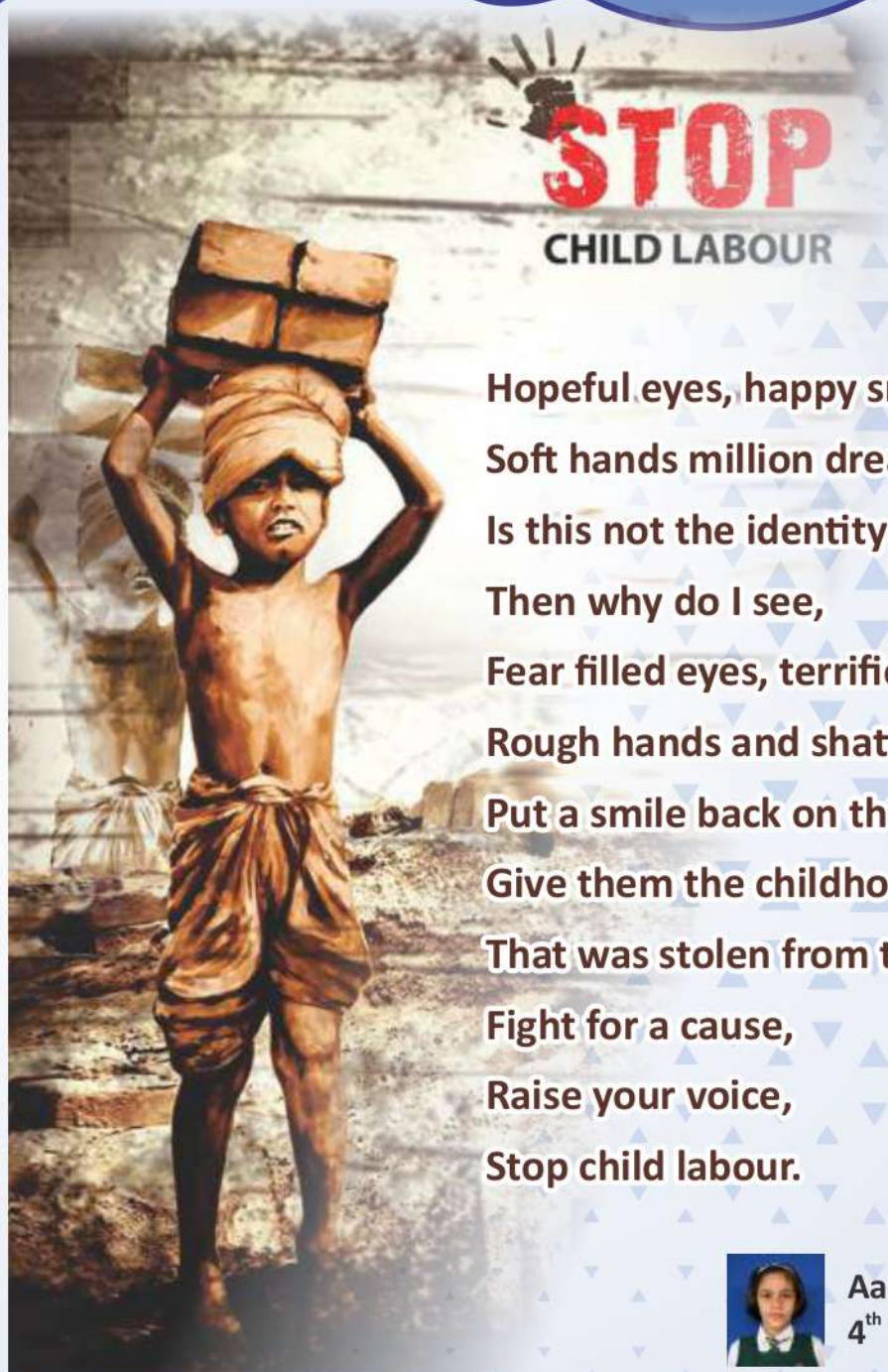
But there also lays a price,
And that made me realise that,
Even if I was to fail,
It would be a learning trail.

If I hope for medals and a cup,
I can't just rely on my luck.
I must do hard work,
To show the world my worth.

That's the essence of never giving up.



Anshika Mandal
7th 'F'



Hopeful eyes, happy smiles,
Soft hands million dreams,
Is this not the identity of a child?
Then why do I see,
Fear filled eyes, terrified faces,
Rough hands and shattered dreams,
Put a smile back on their face,
Give them the childhood,
That was stolen from them,
Fight for a cause,
Raise your voice,
Stop child labour.



Aaranya Gharde
4th 'E'

3 Real life Super Heroes



Afroz Shah

He is an environmental activist who initiated the world's largest beach cleanup project in Mumbai. He was deeply concerned about the pollution and plastic waste Versova Beach with his relentless efforts, the organised volunteers to clean up the beach, removing millions of Kilograms of trash. His dedication and leadership have not only transformed the beach but also to take action inspired people world-wide to take action against plastic pollution. His initiative has not only restored the beach's natural beauty but also created awareness about the importance of keeping our environment clean. Beyond his beach clean-up project, Afroz Shah continues to advocate for environmental sustainability and has been recognised with numerous awards for his efforts. This works deserves as a reminder that small actions can make a big difference in pursuing our planet.



Saalumarada Thimmakka

She is also known as the "Mother of Trees," is an extraordinary environmental activist from Karnataka, India. Her remarkable work in planting and nurturing trees has earned her global recognition and admiration.

Thimmakka, despite facing many hardships in her life, dedicated herself to the cause of environmental conservation along with her husband, she started planting and caring for trees along a barren stretch of road near her village. They could carry water for miles to ensure the saplings survived.

Over the years, her efforts have resulted in growth of thousands of trees transforming the once barren landscape into a lush green canopy. The selfless act of planting and nurturing has not only helped combat deforestation but has also provided shade and shelter to countless people and animals.

Her incredible work has been recognised with numerous awards and accolades, including the prestigious **Padmashri**, one of India's highest civilian honors. Their story serves as an inspiration to people around the world.



Jadav Payeng

Jadav Payeng, also known as the "forest Man," is an incredible environmental activist from India. His story is truly inspiring! Jadav Payeng single handedly transformed a barren sandbar in Assam into a thriving forest over several decades. He started his mission in the 1970s when he noticed the devastating effects of erosion on the land and wildlife. Determined to make a difference, he began planting trees on the sandbar. Despite facing challenges and criticism, Jadav Payeng's never wavered. His hard work led to the creation of a new span over 1300 acres and is now home to a diverse range of flora and fauna. The forest has also helped combat erosion, protect wildlife and provide a habitat for various species. Jadav Payeng's determination and love for nature inspires us all to take action to protect our planet. His legacy will continue to inspire future generations to work towards a greener and more sustainable world.



Radhika Goyal
9th 'B'

ROLE OF ARTS IN LIFE OF A STUDENT



Sahej Singh
5th 'D'

Arts play a vital role in shaping the character of a student. It helps in differentiating between right and wrong. One can express his emotions through various forms of arts. For example- through music one can express his happiness and sadness. Through drawing his expressions and his views on various subjects and social problems. Acting is the best way to express oneself.

Through arts, students can work for the betterment of the society and can communicate with others. Arts develop confidence and create an environment for learning new things. Hence, we all should learn arts for our betterment and well-being.





THE RESTLESS & NONSTOP THINKING OF MIND

Our mind is constantly busy, every hour of the day. From the moment we wake up, until we fall asleep. Most of these thoughts are meaningless and useless thoughts that pop into our mind and occupy the attention.

The mind also tends to worry, have doubts and overthink constantly. It often inflates insignificant events beyond proportions and keeps thinking about them creating unnecessary stress and attention.

Various thoughts enter the mind, lingering briefly and also there are non-stop inner conferences going on.

This non-stop activity disturbs your tranquility, robs your inner peace and hinders clear thinking and calmness.



Shreya Gupta
12th 'D'

THE ROLE OF MODERN EDUCATION ITS EVOLUTION AND DEVELOPMENT

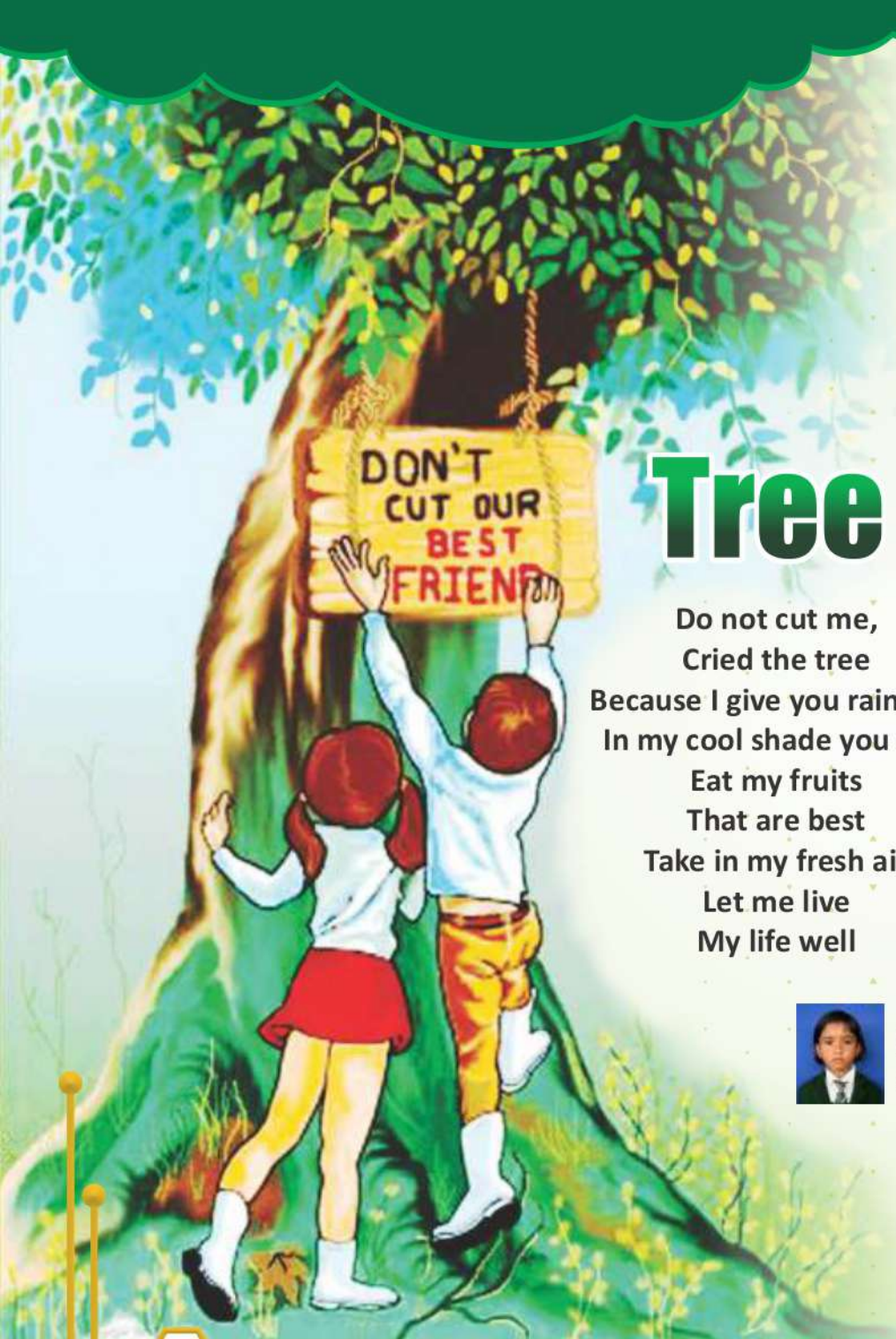
The education system in India has evolved in various aspects since ancient times. Diversity in education system and diversity in the fundamentals and in the language, culture and dialect etc. India had the Gurukul system of education where the teachers and the pupils stayed together in a distant place.

During medieval period Vedic Schools and Madrasas were dominant before Britishers came into power. The Britishers introduced the modern education, they brought English language to India and the syllabus was limited to modern subject.

After India got independence from British rule, the modern education system gradually evolved and progressed over time. Now, schools are run by technologies from teaching religious Vedas to coaching technologies.



Tasneem Ali
12th 'C'



Tree

Do not cut me,
Cried the tree
Because I give you rain free
In my cool shade you rest
Eat my fruits
That are best
Take in my fresh air
Let me live
My life well



Priyanshi Gupta
1st 'C'



Soumya Soni
11th 'B'



YOU WERE MY BEST FRIEND

You were my best friend,
We did everything with each other
We shared every tears
And felt each others fear....
You listen what I said ,
And never complained,
You truly understood what to say...
But somewhere along what to say ...
But somewhere along the road,
We drifted miles apart
It broke my heart,
And made my cry....
Suddenly we were two different people
With nothing same
It was like lock without key
Shoes without lace
You made new friends
And so did I
But couldn't assure my heart
The things do change
But you will always be my friend.

WHY CAN'T WE HAVE PEACE



Alisha Gupta
9th 'A'

"Today's world is so messed up". Nobody is at peace now. Some are stressed over their work while others are facing poverty. But now the major attraction that led to the path that is away from peace is the war going on. There are unexpected war going on around the world. While the countries are busy only focusing on winning, ignoring the fact that it is slowly leading them to destruction. Have they forgotten about their own people who are hurt now and losing their life one by one. Some are getting detached from their lives while some are living as dead body mentally. They did not do anything wrong so, why they have to bear so much. Violence is not the solution of every problem and this thing should be understood by all the people. Peace is disappearing from the world like a thin air. We should try to maintain the remaining peace we had. "As fast as we understand it will be better for us."



This picture is of a plant, not monkeys. These orchids look just like a Monkey's Face and its name is **Monkey Orchid**.

TRANSFORMATION



Shubham Sinha
11th 'A'

The life moves on very smoothly until we are in 10th standard but, when we reached 11th standard and specially we opt. for science stream. Its drastic change for us. Suddenly students failure over burden them, but little do we know this phase leads us towards our brighter future as it provides a challenging platform to face life challenges ! it is the turning point from where students have to realize, that they are no longer a child, they have so much responsibilities and they have to succeed for better future. Most important thing is that they must have concentration and determination along with hard work. This only can be achieved when they keep themselves away from distractions like social media, surfing, waiting time etc.



Divyansh Tripathi
11th 'A'

BECAUSE I AM A SOLDIER

If I die in war zone, box me up and send me home.
Put my medal on my chest,
tell my mom I did my best.
Tell my dad not to bow,
he won't get tension from me now.
Tell my bro to study perfectly,
keys of my bike will be his permanently.
Tell my sis not to be upset,
her bro will take a long sleep after sunset.
Tell my nation not to cry,
BECAUSE I'm a soldier.
BORN TO DIE....



The saddest thing is knowing

The saddest thing is knowing
that I probably have known you
longer than you ever knew me.
I have seen those eyes
in all my dreams,
and my eyes
shall keep
dreaming, on.



Suhani Pathak
11th 'B'

Why me?

If you have to ask why me?
When you're feeling really blue,
When the world has turned against you
And you don't know what to do,
When it pours colossal raindrops
And the roads a winding mess,
And you're feeling more confused
Than you ever could express,
When the saddened sun won't shine,
When the stars will not align,
When you'd rather be
Inside your bed,
The covers pulled
Above your head,
When life is something
That you dread
And you have to ask why me?.....
Then when the world seems right and true,
When rain has left a gentle dew,
When you feel happy being you,
Please ask yourself why me? Then, too.



Anushka Singh
10th 'E'

Nature

Oh! wonderful nature,
You are so beautiful,
With green trees,
And humming bees,
The grass is so green,
And water is so clean,
Birds fly in the sky,
And mountains are so high,
The wandering butterflies,
Makes my thought fly,
The waterfalls are so cool,
Just like a swimming pool,
I love nature very much,
And I love this feature.



Shivanshi Bhaskar
5th 'A'

I Wandered Lonely As A Cloud



Aniket Gupta
11th 'A'

I wandered lonely as a cloud
That floats on high over vales and hills;
When all at once I saw a crowd
A host; of golden daffodils;
Beside the lake, beneath the trees,
Fluttering and dancing in the breeze.

Continuous as the stars that shine
And twinkle on the Milky Way,
They stretched in never ending line
Along the margin of a bay;
Ten thousand saw I at a glance,
Tossing their heads in sprightly dance.

The waves beside them danced, but them
Out – did the sparkling leaves in glee;
A poet could not be but gay,
In such a jocund company!
I gazed-n-gazed but little thought
What wealth the show to me had brought;

For off, when on my couch I lie
In vacant or in pensive mood,
They flash upon that inward eye
Which is the bliss of solitude
And they my heart with pleasure fills,
And dances with the daffodils.

Life from a teenager's point of view

Isn't it strange how we teenagers don't even realize that when the time passed and we became so mature? We question ourselves about every small thing. Insecurity is the biggest fear inside many of us at this stage. I heard this many times that teenagers get sad or depressed quickly. The reason is that, we are old enough to know our main responsibility, so we are bound to sacrifice most of the things we want. Most of us feel low even after attending birthday parties or any kind of party. Because we don't focus on enjoying in ourself but judging ourself with others based on looks, money, etc. In this way we end up being sad. Teenage life is those few years on which your whole life depends on and it's natural that whenever there is something crucial, there will be provocations and that's what happens here too. We get many distractions in this time.

Life of a teenager can be a roller coaster ride, filled with ups and down, laughter and tears. We're at a stage where we are figuring out who we are and what we want to become. It's a time of self discovery, new experiences, new dreams and forming life long friendships.

Let's make the most of these years, embracing every opportunity that comes our way. To take risks, follow passions, and never be afraid to dream big. Life maybe unpredictable, but together we'll navigate through it and create our own extraordinary stories. The choice is always in our hand, so think wise and enjoy this phase of life to its fullest.



Akansha Poddar
11th 'C'

GANDHI'S WORDS OF WISDOM

- 1) "Be the change that you wish to see in the world"- If we want to see more kindness, then our acts of kindness will inspire others to do the same. If we want to see that no one goes hungry, then we have to find a way to provide food to those in need.
- 2) "What do you think you become"- if you can control your mind, your thoughts, then you can definitely change your life. If I thought that I am not good enough for a career then it might become a struggle for me or I will never succeed in that particular career. So think positively, then you will become a good person.
- 3) "Where there is love there is life"- when life becomes chaotic, stressful and hard in general, focussing less of the fear of the situation and more on the love around us, helps us to ease the pain.
- 4) "Your health is your real wealth"- feeling good and energetic means that we can go to work, pursue our goals, be happy and have relationships. No amount of energy can replace our true wealth, our health.
- 5) "Its easy to stand with the crowd. It takes the courage to stand alone"- always remember, if you stand alone then you have to take difficulties alone, struggle alone and you will succeed alone. It is easy to stand with the crowd but you will not get the benefits that you get alone.
- 6) "There are two days in the year that we cannot do anything, yesterday and tomorrow"- many people are there who procrastinate that means people always put their work on tomorrow and they always regret about yesterday. So always remember that today is everything, you need to complete your work today !



Ankit Thakur
10th 'C'



Mother

There is a place which knows no boundaries.
And the capacity to Continuously find....
New forms of expression..
A place where love springs forth.
Rallying up against My darkest days of despair
Gently carrying me to safety
Time and time again
I have felt the strength of something I could not
visibly see
Only touch upon
On days like today I wish I could find the words.
To describe How much you mean to me
All pale in comparison.
to the light your soul sheds.
from the moment. To be able to say
To call you my mother
To know such a place exist



Eli Priyanshi Tirkey
5th 'D'



WHERE?



Sangya Tiwari
12th 'B'

Where did it go ?
The time I didn't care about the world.
The time, I was fearless
The time, I forced him to play with me.
The time, there was a heavy hand on my head,
And the time, I played stresslessly on his back
Where did he go?
Some said he'd be back in some days ,
some said in few months.
But, its been 9 years
Where did the time go ?
Where did he?



BEING OUR OWN THERAPIST FOR THE ONES WHO ARE MENTALLY FIT



Richa Sinha
12th 'D'

A daylight in the nightmare,
Shed of light to a dark knight,
yes it is infact me, frazzled a bit? You can do it too, no worries!

Our society often reinforces the belief that we need others to feel loved, validated, and emotionally fulfilled. However, I challenge this belief and urge us to recognize the significance of emotional independence, and to become our own therapists, whenever needed, possibly. One should definitely seek for professional help but in today's world we see a lot many people terming the sad moments as their depressing point, which is problematic on it's own.

In the lows of life, it has been witnessed, a massive crowd wanting someone to rescue them from their darkest manifestations of life, which is not really wrong, but the problem arises when people seek for legit anyone for them rather than someone to them, for them. Not everyone understands us. Being vulnerable to literally everyone is a gateway to destruction, as it can be used maliciously against us. The solution to this cause is only being secure and self reliant.

Your life is your best teacher

Your wounds and scars from the past experiences are your best accelerators

And today's you, is your best inspiration, to face anything that gets thrown at your face as an obstacle

The journey is same, the only differences are, the circumstances that each one of us faces, and the way each one of us mould it into either our greatest wins or powerful losses.

Emotional independence is having control over our own emotional state, being self aware, and taking responsibility of our feelings. Its about recognizing that we are the only ones responsible for our happiness and that we do not need others to make us feel complete.

When we overly rely on others for emotional support and validation we give away our power and our emotional well being becomes dependent on other's actions. We start to feel anxious, insecure, and even resentful when others do not meet our expectations, and this affects our relationship negatively.

To achieve emotional intelligence, we need to establish a healthy relationship with ourselves first. This starts with self love, Self compassion, and Self respect. We must learn to validate and love ourselves first before expecting to receive it from others. Another crucial aspect of emotional independence, is setting healthy boundaries. Knowing what we will, and what we will not tolerate from others, and being assertive in communicating our needs and

expectations, ensure that we are not relying on others for our happiness at the cost of compromising our emotional well-being. Moreover, practicing self care and self awareness is very essential for a better moving and fulfilled life. This involves taking care of our physical, emotional, and mental states, and being mindful of our thoughts, emotions, and behaviours. Understanding how our emotions affect us and taking responsibility of managing them is very crucial.

Lastly, developing a growth mindset is crucial in cultivating emotional independence. We must view our failures and challenges as opportunities for growth and learning. This helps us to be resilient in the face of difficulties and to recognize that our emotional well-being is not dependent on external circumstances.

It is hard to achieve, but whenever you feel like quitting, just remember, **tomorrow will remind you of how great today is.**



Trust because I am a girl



Aastha Gupta
8th 'B'

The day I thought I lost my childhood was the time. when I was made to realize that I'm a girl. I am happy with a fake smile, who is now seeing my brother enjoying all the time sitting in a room and me quietly ignored by everyone including my parents. They taught me not to be loud even if it is the matter of raising against wrong.

Just because I am a girl.

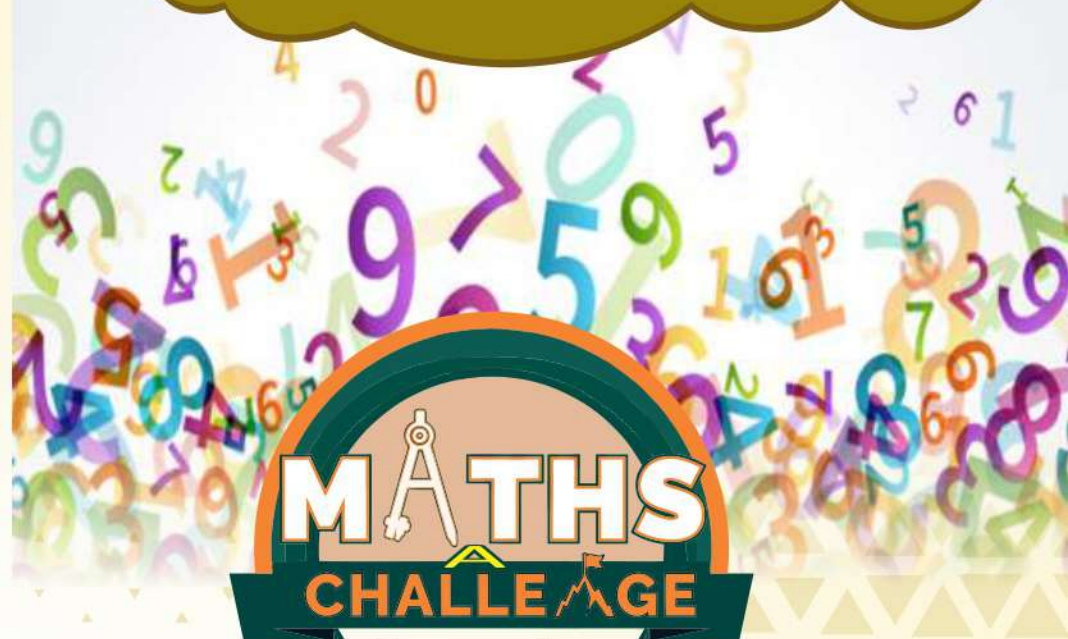
Whenever I moved out to see the world. All commented and said this is not your's...

Is it true ? All said, " of course ! My limits, my life, my living all is decided by others. How I talk; how I walk; I react is always noticed. But I am sad and they say my feelings are just a stupid thing.

Today I have Right to vote, Right to express then why don't I have the right to listen to my heart, to my mind.. my feelings..

It's true I want a change But its a fact I will be changed.

Because I am a girl.



Try, try and try,
The more I try,
The more I cry.

I practice maths with my heart and soul yet I am not able to achieve my goal.

I never get marks in maths, in spite of my great endeavors fate is never in my favour. I really want to improve my maths, because I love this subject, and for this I am trying my level best. I am candid so I confess, in mathematics examination I always create a mess, all the answers I guess, and ultimately the marks I get are quite less. I believe that if I do ample practice, I'll one day probably achieve my goal. And I seriously have to improve, because in our lives maths plays a very significant role.



Anushka Singh
10th 'E'



Juhi Bhagat
 11th 'B'

When it comes to cinema, no one is better than Charlie Chaplin. Although many years have passed since he blessed us with his last offering, Chaplin's unblemished legacy still endures on. It could not be farther from the truth that action speaks louder than words when it comes to him. Whereas his films lacked in speech, he overcompensated by being brilliantly funny and so, his legacy grows stronger as each passing day and every successive generation is mesmerized by the comic genius that was, 'Charlie Chaplin'.

In the Charlie Chaplin's movie 'Modern Times' he gives his opinion on the industrialization and the capitalism. We will see first the consequences of the industrialization and then the Charlie Chaplin's opinion through some of the scenes in the movie. On the other hand, the industrialization provoked some good things in the society. Shot 1936, during the great depression in America, Chaplin used this movie to highlight the plight of average Americans during the depression era. As the number of Jobless people ballooned, the number of Jobs reduced significantly and the prospects of getting jobs were next to none. To add to the issues of joblessness, companies were reverting to technology, as a way of cutting costs and increasing taxes. Therefore, Chaplin's Modern Times film analysis proves that it is a social commentary on effects of economic depression, albeit with a comical twist.

First of all, the opening scene is some people who are



marching to work in the street. Then we see a herd of sheep frolicking in the street. According to Charlie Chaplin, with the industrialization the workman became like a sheep in the modern society. In addition, after the opening scene, we at the assembly saw Charlie working to boost the speed of the line after his conveyor belt. Charlie works faster. Because of this he becomes lunatic. Through this scene, he denounces that the work is deadening and the work's condition is very hard.

For all these reasons, the industrialization brought bad and good impacts on the society. I disagree with Chaplin's ideas in this movies because I think the industrialization created compensated with the bad consequences.



OLD MEMORIES OF MONSOON DAYS

Oh ! that old memories of monsoon days. That get wet in rain, and scolded by moms. Play in mud with friends. Being fake that I have fever, cold, cough and stomach pain etc. and after studying “importance of water” in science we collect rain water. But when we get really sick, our mom use to say “go, go play in rain, jump in mud go, go”. Ha! ha! This is funny. Oh ! when light goes off we turn one torch and play with shadow. And get sad when we have to go to school but somewhere happy that we can play in mud and wet in water.



Sanskriti Dubey Deewan
6th 'G'

LIFE!

Life has passed much to extent,
I met new people wherever I went,
Overcrowded, lonely and hallow lanes,
I made nice efforts but somewhere in vain,
Thinking about life I went deep,
I found incidents of happiness and some to weep,
I walked little forward and found, there was brightness,
And a swelling wound,
I wanted someone to come and feel,
Someone who can understand me and,
Share my meal,
I wanted to try if I could try, but found,
My eyes dry, I looked behind and,
Discovered my steps,
I met new people whom I left, I just,
Realised the life is going. I am getting,
The fruit what I am sowing,
I am awakened what to do next, whatever,
I was in life, I wrote text.



Lakshya Keshri
5th 'E'



Maa



Ishika Yadav
1st 'C'

Maa , Maa, Maa...
You've loved me like no other
Forever and ever.
First, it was the warmth of your protective womb.
Then, the safety of your arms.
Protecting me from every doom.
Your loving presence always felt.
I am happy with what you have moulded me into.
Hope you're too
Thank you so much for everything maa...
"I love You MAA..."



Childhood



Arpit Patel
12th 'A'

Shhh..
Mom hushed me
As I slept soundly on her lap
And quivered as the dark ghosts
Rode past my dreams
On their equally dark horses
Now imaginations have faded
And ghost from reality
Haunted my existence
Now my mom,
No more lulls me to sleep
She is away
Far from me
Now she no more holds my hand
While crossing the road
And my insides
Like a lost child
Cry hard to break the shield of maturity
And return back to my lost childhood
When the world was greener
It was safer
And no one else but I
Was the captain of my own ship
I was happier than the parties ,
And parties that I attended
I wish I could be just the little kid
Holding my mom's arm as I watched vehicles and not the
one who rides them.



We're the same as you



Divyansh Tripathi
11th 'A'

We are same as you
Some people were awful but some were good.
Same where I am from, they too are.
But they were taught that outsiders were demons
They were just kids who were taught to hate from birth
As young as they were how could they think so?
Manipulated by the unknown, they showed no interest
to introspect
We may differ in nationality and ethnicity
But we are all alike with our body of same elements
My blood is as red as yours
Then why not joining hands together
In building a world of peace and unity???



friendship

In bonds of trust, our souls blend,
A beautiful bond that has no end.
Through Laughter, tears and endless cheer,
In friendship, we have no fear,
Hand in hand, through thick and thin,
In every loss, in every win.
With you my friend, I have found my way.
In this sweet bond, come my way.



Sarthak Soni
11th 'A'



FREEDOM OF SPEECH

Fundamental rights are the basic human rights enshrined in the Constitution of India which are guaranteed to all citizens. **Constitution** is a set of principles by which a state is governed in a Democratic way. They are applied without discrimination on the basis of race. The Constitution of India guarantees **freedom of speech** and expression to all citizens. It is enshrined in Article 19(1) (a). It implies that all citizens have the right to express their views and opinions freely. This includes not only words of mouth, but also a speech by way of writings, pictures, movies, banners, etc.

Freedom of speech is essential because Democracy works well only if the people have the right to express their opinions and criticize in any field if needed in the right place and manner. The voice of the people must be heard and their grievances satisfied not just in the political sphere, even in other spheres like social, cultural and economic etc. In the absence of the above, any Institute or organization or the government will become all-too-powerful and start serving the interests of a few rather than the general public. Frequent obstacles to free speech and free press will create a fear-factor under which people would endure tyranny silently, would feel choked and the



By - Jasreet Kaur
8th 'D'

minds of people will be controlled, leading to collapse of Democracy and growth.

Global freedom declined for a 17th consecutive year in 2022 as 35 countries suffered deterioration in their political rights and civil liberties, according to a report released by **Freedom House**. The report finds that one of the biggest drivers of democratic decline over the last 17 years has been a trend of attacks on freedom of speech and expression.

Freedom of speech is not absolute. Article 19(2) imposes restrictions on the right to freedom of speech and expression. The reasons for such restrictions are in the interests of Security, Public order, Hate speech etc.

**“If freedom of speech is taken away,
Then dumb and silent we may be led,
Like sheep to the slaughter.”** George Washington



My Imaginary FRIEND

My imaginary friend,
Has got brown eyes and brown hair
My imaginary friend,
Has a heart of a diamond rare.

My imaginary friend,
Is playful and kind,
My imaginary friend,
Has got a big mind.

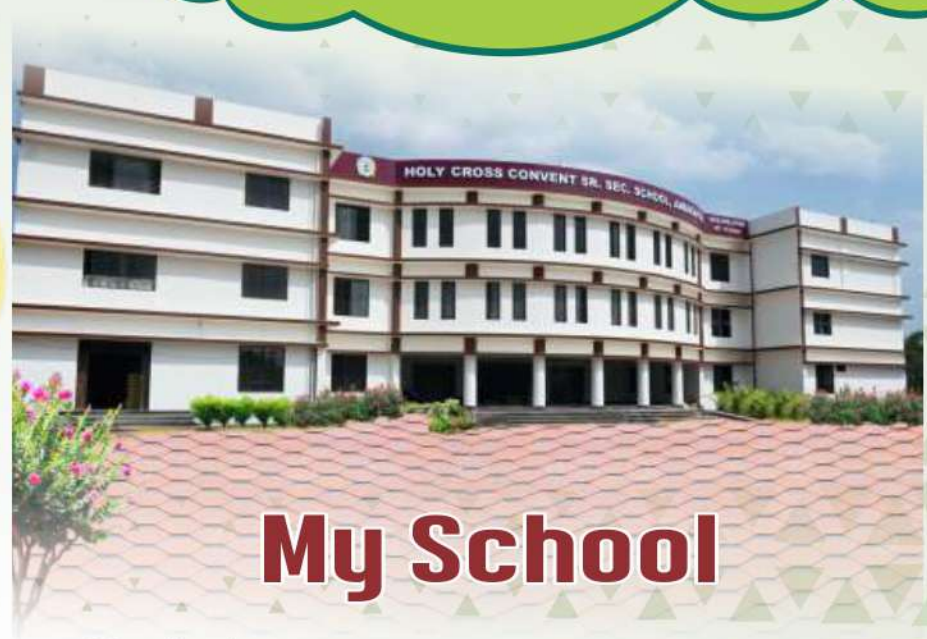
My imaginary friend,
Is complete with care
My imaginary friend,
Knows how to share.

My imaginary friend,
Is my sweetheart
My imaginary friend,
Likes so much art.

My imaginary friend,
Has great charisma the truth is,
I don't have imaginary friend,
All of this is my Maa.



Anvi Tripathi
9th 'A'



My School

My school,
Where the principal rules,
It's a knowledge pool
And life's most important tool.

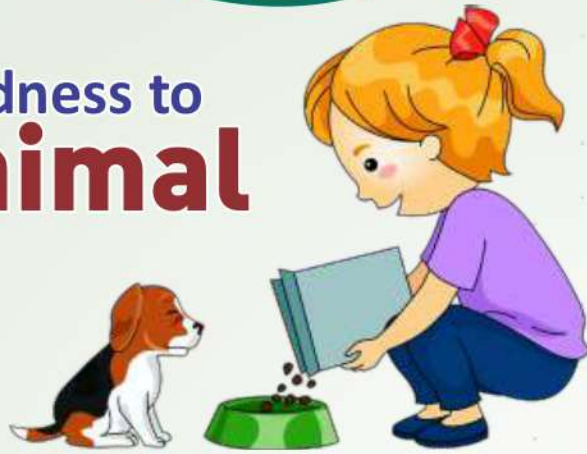
My school
Where teachers
Never let us misrule
And they actually are very cool.

My school
Where we all follow the same schedule
My teachers fill me with knowledge fuel
That's my school
Where we all pretend to be smart but actually are fool,
So I love my school.



Shraddha Rajwade
11th 'D'

Kindness to Animal



Little children, never give
Pain to things that feel and live
Let the gen the robin come
For the crumels you save at home
As his meet you throw along
He'll repay you with a song;
Never hurt the timid hare
Peeping from her green grass lair,
Let her come and sport and play
On the lawn at close of day;
The little dark goes soaring high
To the bright windows of the sky,
Singing as if twers always spring,
And fluttering on an untried wing,--
Oh let him sing his happy song
Nor do this gentle creatures wrong.



Ananya Keshri
5th 'D'

MY VISION OF TOMORROW

Most people think that future world is a better worlds but, I don't agree. The future world necessarily doesn't mean a better world. It would be a lot better because of the technology and medicine that will be created but it could also be bad because of draught and overpopulation. About the technology later on robots will supplant a lot of callings. Maids, baby sitters, attendants, servers, vendors, road cleaners, cabbies, etc. The greater part of care activities will be conveyed by robots. The public discussions is formed by various methods of envisioning the future at any rate as much as by the particular specialized capability of another strategy. Thus, thinking about tomorrow is to generalize the use technologies and the benefits that will be caused to human beings. But, with advantages there will be disadvantages too. We should not be completely dependent upon the technology for our work. This will make us lazy and we will end up being non-reactive and non-productive humans. So, our tomorrow is in our hands.



Saleem Rajja Khan
12th 'A'



MEMORIES FOREVER



Arnika Gupta
10th 'C'

Maybe this is the last year for some of us in Holy Cross, some will go to other school while some for higher studies. But after many years, when we all achieve our dreams, we will remember and miss each other from the bottom of our heart.

Holy cross is not just a school, this is a beautiful memory that we have created with each other. we all will be apart from each other, but will always stay in our memories forever.



HER



Richa Sinha
12th 'D'



Meeting her, felt like home seeing her,
made the heart throb
Hair waving a hello with the welcoming mind and her smile,
She is enchanting, with the deep ocean in her eyes
Unlike others, but like those evergreen trees
Face like a precious scripture, voice that will take you to the
darkness of the mystical mysteries,
Which she wants to get heard and recognized
Her mind, filled with intelligence, a great power to conquer
whatever she desires, she is empowered with it, followed
by her strength, beauty, and grace
Everything she can achieve with such qualities of her-
intense.

A Plea for Earth

End the Reign of Single-Use Plastic



Shristi Tamrakar
11th 'D'

In a world of convenience, where plastic reigns,
A plea arises, breaking through the chains.
Single-use, a foe to nature's grace,
Let's unite, in this urgent space.

Mountains of plastic, oceans in despair,
Our Earth cries out, can't we show we care?
A symphony of change, let it begin,
To silence the plastic's deafening din.

Beneath the azure skies and starlit nights,
A pledge to end the plastic blights.
In every heart, let eco-consciousness bloom,
Banish the plastic, let it meet its doom.

Reusable choices, a sustainable song,
In harmony with Earth, where we all belong.
From mountains high to oceans wide,
A cleaner world, with each turning tide.

So let us stand, hands entwined,
Guardians of Earth, our pledge combined.
No more single-use, let it be erased,
For a planet reborn, in love embraced.



Nivedita Kesharwani
11th 'D'



Guiding Lights: A Tribute to My Teachers

In halls of wisdom, where knowledge blooms,
Guiding lights, dispelling gloom.
My teachers, pillars strong and wise,
Igniting minds, like sunrise.

With patience vast, their lessons flow,
Seeds of understanding they sow.
In classrooms echoing with grace,
They sculpt the future, a vibrant space.

Each word, a brushstroke on life's canvas,
Nurturing dreams, a gentle enchantress.
Through challenges, they stand tall,
Igniting minds to rise and enthrall.

In their care, blossoms intellect,
A journey shared, a deep respect.
To my teachers, a heartfelt ode,
Gratitude, like a river, forever flowed.

Lovely Alone...

Even in crowd,
She's happy alone,
She needed no one to be with her,
I love the silent peace,
Even if I am making nuisance,
I love it,
She loved doing things,
She never thought of,
Closing my eyes,
I can hear the water flowing,
The sun got itself shining,
The rays show me,
Where ever I was going,
As if I looked lovely alone,
The picture was drop dead gorgeous,
As if the dream, I never had,
Came true !



Sibia.B
11th 'B'

My favourite killer....

Hey real stars,
I'm waiting for you to fall,
On me,
To at least take a leave from the things
I hate,
You know what,
I ran from the life which I someday got,



To catch another one,
But I knew I will not,
No worries, I know to survive,
You don't fight,
I'm alright,
Its winter,
Wind is heavy,
I am tired,
And its morning already.

Reflection still unknown....

Reflection show me how it was,
Finding nothing to hide from you,
But still lacking courage,
To tell you everything,
A look for peace,
Was never for me to look,
Cause now I never see me in her,
Even she, doesn't want to look at me,
I am annoying her,
I am breaking her,
She's not pretty,
But still alive,
I see her in the light,
But I never see her face,
I listen to her carefully,
Which is musings for them,
But even I don't do anything with that,
And still I don't understand,
Was she someone whom I knew already

One wish and all good !



Sibia.B
11th 'B'

I saw a world,
Where everyone's alive,
And all men born blind,
And if it comes true,
My comfy zone is still alive,
Having no laws,
Breaking all rules,
I'm still alive,
Roaming all around,
Working out till over midnight,
I see all the women,
Dancing like a queen outside,
Having no fear,
Even if its dark,
She's walking with a smile,
But, just for sometimes,
Exhausted now!
Don't you know?
Dream never comes true which you see at night!
I wanna fight really hard,
But courage don't have me,
Cause their deadly smiles stops me everytime,
To wash my brain out,
With a lost world which i saw,
I'm writing a wish
Which will be torn up someday,
And i still write,
One wish and all good.



Grave of Fireflies

Movie Review



By Arpit Sinha
11th 'B'

Grave of Fireflies the Fireflies which lighten up the cave died the next day same as the character which we are going to discuss war wipe away relations Grave of Fireflies changed my mind set it change my mind which is I turn towards being Pacifist the emotion in the movie felt like its happening with me it's a movie which is about the old memory of a boy named Seita . Whose memory includes suffering in context with the bombing in the town by USA and because of the bombings his house was burnt his mother died only his little sister named Setsuko was along with him as his father was an army as his house was

burnt due to which they move to their aunt's house where they were tortured by the words so they move to a cave nearby Setsuko was having diarrhoea and for the purpose Seita started stealing the food from the farmers but after getting beaten up by the farmer and by seeing the condition of his sister he did the withdrawal of all the savings done by his mother where he came to know Japan surrendered The Lost the war and Seita's father also lost the relation to his child which wiped way one more relation and at the end Setsuko died of diarrhoea reason was not perfect nutrition which was not given to the child but the main reason according to me was the war which killed a beautiful soul and at last the family along with Seita died.....

A great piece of art giving message of peace



SECULARISM



Jaskeerat Babra
11th 'D'

Pt. Jawaharlal Nehru said, "If India is not secular, then India is not India at all".

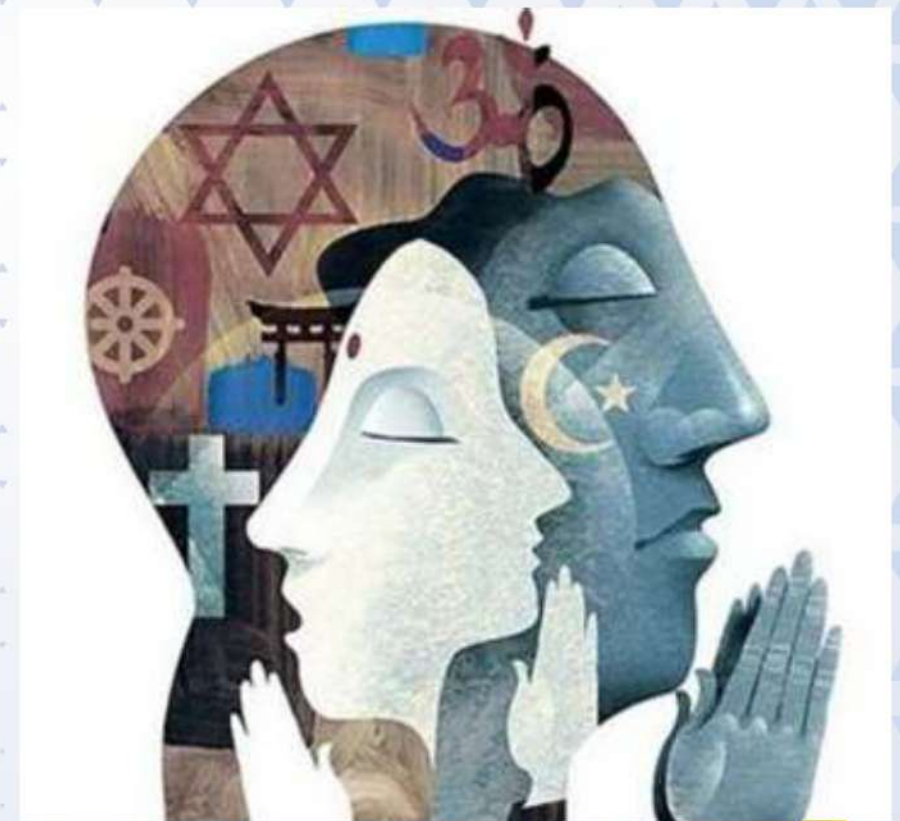
The term secular means being separate from a religion or not particularly having any religious basis. A secular person is the one who does not owe his morals to any specific religion. India, being a secular nation mean it does not either favor or defy any religion and full freedom to all practicing different religions and tolerance towards one another and religion being treated purely as a personal matter.

Secularism is akin to the Vedic concept of Dharam Nirapekshata i.e., the indifference of state from religion. Speaking of secularism in India, it is the favorable reception and equal treatment of all by the state. With the 42nd amendment enacted in 1976, the preamble to the Indian constitution states, India being a secular nation

My personal beliefs are that the values of a man are the product of the rational and scientific thinking. Thus, it is important for a country to be secular and stay neutral to the personal affairs of the individuals, so that its members could live together in harmony. Democracy and secularism go hand in hand persuades the people of a country to accept other members of the society who following different religions and providing equal rights to all, not practicing majoritarianism by also favoring all the minorities. As secular government does not intervene religion in politics it gives people the liberty they want and

no decisions and conclusion are made upon religious basis. Secularism has majorly benefitted our society by letting individuals choose who and what they want to be by not coercing certain beliefs and providing equal rights to minorities.

Secularism fosters a society, and this is the best chance to create a community where people of all kinds and religion can live together fairly and peacefully with no discrimination.



Poems That Every Child Should Know

The Arrow and the Song.

"The Arrow and the Song," by Longfellow (1807-82), is placed first in this volume out of respect to a little girl of six years who used to love to recite it to me. She knew many poems, but this was her favourite.

I SHOT an arrow into the air,
It fell to earth, I knew not where;
For, so swiftly it flew, the sight
Could not follow it in its flight.

I breathed a song into the air,
It fell to earth, I knew not where;
For who has sight so keen and strong
That it can follow the flight of song?

Long, long afterward, in an oak
I found the arrow, still unbroke;
And the song, from beginning to end,
I found again in the heart of a friend.
HENRY W. LONGFELLOW.

Introduction :

Henry Wadsworth Longfellow's poem, "The Arrow and the Song," delves into the profound theme of the lasting impact of words and actions. Through the metaphor of an arrow and its subsequent ripples, the poet explores the



Anvesha Singh
12th 'B'

consequences of spoken words, urging readers to reflect on the responsibility associated with communication.

Metaphorical Significance:

The central metaphor of the arrow serves as a potent symbol for the spoken word or action. Just as an arrow, once released, cannot be recalled, Longfellow suggests that words, once spoken, carry an irreversible power. This metaphor emphasizes the permanence of language, prompting readers to consider the weight of their verbal expressions.

Emotional Resonance:

Longfellow infuses the poem with a melancholic tone, evoking an emotional response from the reader. This emotional resonance enhances the poem's effectiveness in conveying the gravity of its theme. The poignant language and imagery serve to underscore the significance of the message, prompting a deeper contemplation of the implications of our words and actions.

Universal Relevance:

"The Arrow and the Song" transcends its immediate context, making it universally relevant. By addressing the timeless theme of the power of language, Longfellow's poem remains applicable across different cultures and eras. This universality enhances the poem's enduring value and ensures its continued resonance with diverse audiences.

ISRAEL-PALESTINE CONFLICT



Aaron Verma
9th 'F'

GAZA

WEST
BANK

ISRAEL

From the River to the Sea - A Tribute.

The Israel-Palestine conflict is a long-standing dispute primarily over land and sovereignty in the region. It traces back to the late 19th and early 20th centuries with the rise of Zionism and increased Jewish immigration to Palestine. During the ottoman rule, Palestine was a country where people from multiple religions lived. Then, how exactly was Israel born on a land, already known as Palestine? In November 1947, the UN voted to partition the country, the plan then gave 55% of Palestine to be a Jewish state. But the UN gave no explanation on how it could be a Jewish state, when half the people in its territory were citizens of Palestine. Despite Palestinian people declining the UN's plan, the plan supported the then popular Zionist movement, which also was followed by Britain leaving their 30 year old control over Palestine leading the Zionist state to be the strongest military power in the whole region , so they forcefully took more land than what UN had given them, and committed to ethnic cleansing against Palestinians, the state was later declared by David Ben-Gurion to be known as Israel, which made him the state's prime minister. The new state of Israel was now standing on what used to be 78% of Palestine.

On Saturday, 7 October, 2023— a Jewish Sabbath day, Hamas and other Palestinian armed groups launched Operation al

Aqsa Flood, a coordinated assault consisting of land and air attacks into multiple border areas of Israel. At 6 am, an extensive air assault involving rockets was launched into the coastal towns of Ashdod and Ashkelon and as far north as Tel Aviv (approximately 70 kilometers north of Gaza). It is estimated that between 3-5,000 rockets were launched during that first day. An estimated 1,000 Hamas militants also breached the security barrier at several positions.

This war has now degraded from a dispute, to mindless massacre. Looking at the number really makes one wonder, at this point, can such inhumane acts be justified? Countless times in history, the mankind has witnessed unbelievable bloodshed that can never be justified by any dispute, be it religious, be it regional, and be it a land dispute or a personal disagreement. I'd like to argue that not one war has been led to a victory that is so glorious it justifies all the bloodshed that occurred to obtain it.

Now let's talk about the dire situations the war has imposed on both the countries. As of February 5, 2024 according to UN more than 100,000 Palestinians and 1400 Israelis have either died, wounded or have gone missing. More than 3,60,000 houses, hospitals and schools have been destroyed. There have been countless media proofs of poor animals suffering, being crushed in the debris, being hurt from all the weaponry being used. The lead to conflict has been characterized by cycles of violence, including suicide bombings, rocket attacks, airstrikes, and military operations. Efforts to reach a peace agreement have been unsuccessful.



At a moral scale, one has to wonder if it's okay to drag thousands of lives into a war. Who is to take responsibility of whatever happened after a war is over? What will one do with a country, if there is not a single citizen to live in it?

Existence of a war just shows the moral poverty we have, to be able to thoughtlessly end lives, destroy property, kill animals just for a simple objective which can be achieved through peaceful means. Let's send our prayers to people fighting against oppression. The amount of death is still increasing and will keep increasing unless there is a unified effort against it. Let's all strive for a world where war will truly be a thing of the past and where compassion and respect for all life prevail over aggression and dominance.



PHOTO Gallery



STUDENT CABINET







HEALTH CLUB



SPORTS CLUB

COMPETITION INCHARGES



LITERARY CLUB





ECO CLUB



SECTION INCHARGES



SOCIAL SERVICE CLUB



HOUSE LEADERS



The blessing and Inauguration of the New Building



The blessing and Inauguration of the New Building



Recognition Day



Oath Ceremony



Independence Day





INTERACTION WITH SHRI T.S. SINGH DEO

On the 28th day of August, our school invited Shri T.S. Singh Deo to interact with the students of our school. He was very kind and humble to answer all of our queries. He even shared his personal experiences about what he faced during his childhood and what was his passion and dreams. Even I had a chance to ask him a question during the interaction. My question was that "What would he have done if he had been the chief minister of Chhattisgarh?" to which he replied that everyone is at the right place and to him, where he is, where he should be. It should be one's utmost priority to complete the tasks assigned to them and work harder to become better and letting everyone do their own job is the best way to handle things flawlessly. Others also asked about how he was a great cricketer and how he managed to reach this point of his life. His recommendations to all were that, we must stay focused, aligned and mostly disciplined in order to become who we dream of becoming. It was a memorable event and It was a great honor to be able to participate and interact with the guest.











**Blessed Presence:
A Gracious Visit from Our
Higher Superiors, Nurturing the Seeds
of Knowledge and Virtue.**



Inspection Day



Children's Day





Charity Champions *fete*



**Your kindness
their Coziness**

fete!







Scout Guide





Scout Guide





CHRISTMAS CELEBRATION



CHRISTMAS CELEBRATION



Students Work Space



Students Work Space



The School Accolades



The School Accolades



The School Accolades





Staff Picnic



Farewell



Farewell



शहतूत

क्या आपने कभी शहतूत देखा है,
जहाँ गिरता है, उतनी ज़मीन पर
उसके लाल रस का धब्बा पड़ जाता है।

गिरने से ज़्यादा
पीड़ादायी कुछ नहीं।

मैंने कितने मज़दूरों को देखा है
इमारतों से गिरते हुए,
गिरकर शहतूत बन जाते हुए।

० सबीर हका

हिन्दी



संकलन - अनवेशा सिंह
12वीं 'ब'

युद्ध और बच्चे

कौन गिराये बम बच्चों पर
कौन जलाये उनके घर
कौन बिगाड़े सपने उनके
मन में बिठाये उनके डर
बम बरसाये स्कूलों पर
गोले दागे बचपन पर

कौन कराता मार-काटये
फैलाता खुनी मंजर
कौन धुँए से भरता नभ को
धरती को करता बंजर

चलो पकड़कर लायें उसको
मुर्गा यही बनायें उसको
जंग सोचकर भी घबराये
ऐसी चीं बुलवाये उसको

संकलन - आर्या सिंह चंदेल
12वीं 'ब'



ओ चिड़िया
तुम बोलो बारम्बार गाँव में
घर में, घाट में, वन में
पत्थर हो चुके आदमी के मन में

सम्पादकीय

“माँ, एक बोझा लकड़ी के लिए क्यों दिन भर जंगल छानती, पहाड़ लाँघती, देर शाम घर लौटती हो?
माँ कहती है : जंगल छानती, पहाड़ लाँघती, दिन भर भटकती हूँ सिर्फ सूखी लकड़ियों के लिए।
कहीं काट न दूँ कोई ज़िंदा पेड़।”

-जसिंता केरकेट्टा

जब मैंने पहली बार अखबार में हसदेव के कटते जंगलों के बारे में पढ़ा तो मुझे बस इतना समझ आया कि बिजली के उत्पादन के लिए जंगल काट के, पहाड़ खोद के, कोयला निकाला जाएगा। मुझे यह बात थोड़ी देर से समझ आई कि जंगल जानवरों, पक्षियों, आदिवासियों का घर है। हम शहर के लोग उनके घर उजाड़ कर अपना घर रोशन करना चाहते हैं। इस बात को समझने में मेरी मदद की है किताबों ने, सिनेमा ने, और उन सभी लोगों ने जो हमेशा तर्क को सत्य को अपनाने के लिए मुझे प्रेरित करते हैं।

जूठन, अक्कारमाशी जैसी किताबों के जरिए मैंने अपने आसपास के समाज को एक नए नजरिए से देखा। मैंने देखा कि लोग स्वतंत्रता, समता और बंधुता को भूल रहे हैं और पूर्वाग्रह जनित भय से उग्र और श्रेष्ठातावादी होते जा रहे हैं। मैंने जाना कि जिन आदिवासियों को शहरी तौर तरीकेना अपनाने के कारण पिछड़ा माना जा रहा है वह दरअसल विचारों की दृष्टि में हमसे आगे हैं।

हमें तर्क करने की क्षमता वापस चाहिए। सिर्फ सतही तौर पर नहीं बल्कि खुद से तर्क कर सत्य को, गहराई को मापने की क्षमता। खुद से तर्क करना ही हमारी सोच को अंधविश्वास की दासता से मुक्त करेगा। खुद से तर्क करना ही हमारी कल्पना की आजादी होगी। जब दिमाग कल्पनाशील होगा तब वह सृजनात्मक होगा। सृजनात्मकता समाज का उत्थान करेगी। एक भयमुक्त समाज का निर्माण करेगी। यहाँ मुझे गाँधी का कहा याद आता है कि जहाँ सत्य है वहाँ भय नहीं है। सत्य को सहज रूप से स्वीकारना मात्र ही, भय के लिए कोई स्थान नहीं छोड़ता।

सम्पादकीय समिति

सम्पादक - आर्या लाल



आर्या लाल
12वीं 'ब'



आर्य सिंह बंधेल
12वीं 'ब'



संज्ञा तिवारी
12वीं 'ब'



सायना परवीन
12वीं 'ब'



रंजल खाखा
12वीं 'ब'



जेरुशा आर्थर
12वीं 'ब'



अनिशा परवीन
12वीं 'ब'



सोम्या सोनी
11वीं 'ब'



सुहानी पाठक
11वीं 'ब'



आयुश चौधरी
12वीं 'ब'

परामर्श



अंजनी पाण्डेय



सुनील तिवारी



अनय राजग्रीहार



भक्ति तिर्की



सविता पाठक



सिबते हसन



डॉ. जेस्सी थेवकन

श्री देवनारायण सिंह टेकाम : यातायात पुलिस कर्मी से आत्मीय बातचीत...

कोविड की भीषण महामारी के दौर की याद आते ही आंखों के सामने एक के बाद एक वे दृश्य दिखाई देने लगते हैं जिसमें हजारों लाखों गरीब मजदूर महानगरों से पैदल ही अपने घरों की ओर पलायन कर दिए थे। सड़कों पर रोते बिलखते लोगों का काफिला थमने का नाम नहीं ले रहा था। हर शहर की यही तस्वीर थी जिसमें हजारों हजार लुटे पिटे लोग, जिसमें कुछ अकेले कुछ अपने परिवार, बीबी बच्चों सहित सड़कों पर पैदल ही अपने घरों की ओर जा रहे थे। ऐसे भीषण दुख के दौर में जिस शहर से भी ऐसे काफिले गुजर रहे थे वहां कुछ करुणा से भरे हुए लोग, कुछ संस्थाएं ऐसे विपदा के मारे लोगों की मदद के लिए आगे आ रही थी। जिसकी जैसी क्षमता थी वैसी मदद लोग कर रहे थे। हमारे शहर अंबिकापुर से भी ऐसे काफिले लगभग रोज ही गुजरा करते थे। कुछ संस्थाएं कुछ लोग मदद के लिए आगे आए इसमें एक नाम यातायात कर्मचारी श्री टेकाम जी का है। इन्होंने हजारों पैदल चलकर आने वालों को सहयोग देकर उन्हें ट्रकों में और दूसरे वाहनों में बैठा कर आगे की ओर रवाना किया। बड़ी नेकनियति और दयालुता से इन्होंने इस काम को बिना किसी महत्वाकांक्षा के, अपना फर्ज समझ कर पूरा किया। सेवा के क्षेत्र में किया गया इनका काम अभूतपूर्व और सराहनीय है। इनसे प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए हमारे स्कूल के छात्र इनसे आत्मीय बातचीत करने पहुंचे। प्रस्तुत है बातचीत का संपादित अंश -

पलक लाल - सबसे पहले तो महोदय आपका बहुत-बहुत शुक्रिया कि आपने हमें अपना बहुमूल्य समय बातचीत के लिए दिया। सबसे पहले आप हमारे पाठकों को अपने बारे में कुछ बताइए -

टेकाम जी - आप सभी छात्र साथियों का भी बहुत-बहुत धन्यवाद जो आप मुझसे बातचीत करने के लिए यहां आए हुए हैं। मेरा नाम देवनारायण सिंह टेकाम है। मैं इस समय यातायात थाने में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हूँ।



दिव्यांश - आप थोड़ा विस्तार से अपने बारे में बताइए, जैसे कि आपकी शिक्षा, आपका बचपन, आपकी पढ़ाई लिखाई कहां हुई सब कुछ?

टेकाम जी - मेरी प्राथमिक शिक्षा गांव में ही हुई और फिर प्रतापपुर के शासकीय मिडिल स्कूल और हाई स्कूल से मेरी स्कूली शिक्षा हुई। इसके बाद प्रतापपुर के कॉलेज से ही मैंने अपने स्नातक की परीक्षा पूर्ण की। 26 जून 1997 को मेरी नौकरी लग गई पुलिस विभाग में और तब से मैं यही कार्यरत हूँ। मेरी उम्र अभी 48 साल है और उम्मीद है आगे भी इसी तरह काम करता रहूंगा।

अन्वेशा - श्रीमान जैसा कि आपने बताया कि आप यातायात विभाग में प्रधान आरक्षक के पद पर हैं तो आपने यही काम क्यों चुना ? आपको इसकी प्रेरणा कहां से मिली ?

टेकाम जी - पढ़ाई के बाद नौकरी की तलाश कर रहे थे तभी पुलिस विभाग की वेकेंसी आई। उसमें परीक्षा दिए और चयन हो गया। यहां मैं आपको बताना चाहूंगा कि यातायात विभाग के लिए अलग से कोई परीक्षा नहीं दी जाती है यह तो पुलिस विभाग की ही परीक्षा होती है। हम लोगों की भर्ती जिला पुलिस बल में ही हुई थी लेकिन बाद में पुलिस अधीक्षक महोदय यह तय करते हैं कि किसे यातायात में भेजना है और किसे सामान्य पुलिस विभाग में। तो मुझे यातायात विभाग में सेवा करने का अवसर दिया गया और तब से मैं इसी विभाग में हूँ।

छात्र - महोदय ! हम लोगों ने ऐसा सुना है कि आपने कोविड महामारी के दौरान गरीबों की मदद की, आप उन्हें खाना खिलाते थे, उन्हें ट्रकों में बैठा कर घर की ओर भेजते थे उनकी मदद करते थे। थोड़ा विस्तार से आप हमें उन कार्यों के बारे में बताइए जिसे आपने महामारी के दौरान लोगों की मदद के लिए की थी।

टेकाम जी - उन दिनों की याद आती है तो मन दुख और अवसाद से भर जाता है, उस समय कई संस्थाएं लोगों की मदद कर रही थी। मैंने देखा कि गुरुद्वारा के कुछ साथी रोज आते थे और लोगों को खाने की सामग्री बाँटा करते थे। मैं अपनी झूटी में तैनात रहता था। मैंने लोगों की मदद करनी शुरू की। थके हारे लुटे पिटे लोग आते थे और मुझसे कहते थे कि भैया हमको ट्रक पर चढ़ा दीजिए, हमको आगे भिजवा दीजिए। मुझे बहुत दुख होता था। मेरे मन में बहुत दया उत्पन्न हो जाती थी। मैं ट्रक वालों को रोक कर इन यात्रियों को उसमें बैठता था। इन्हें खाने का सामान देता था। मेरे पास पैसा नहीं होता था तो भी कहीं ना कहीं से मदद करता था।

बहुत सारे लोगों को मैंने ट्रकों पर और दूसरी गाड़ियों पर बैठाकर आगे की ओर रवाना किया।

छात्र - आपको ऐसे नेक काम करने की प्रेरणा कैसे मिली ?

टेकाम जी - प्रेरणा की कोई बात नहीं है क्योंकि मैं तो खुद ही देख रहा था कि कैसे दुख से भरे हुए लोग चले आ रहे हैं। मेरे मन में खुद ही यह बात आ रही थी कि मैं कैसे इन लोगों की मदद करूँ। मेरा मन दुख से भरा जा रहा था ऐसा लगता था कि जितना भी हो सके जैसे भी हो सके मैं अपने इन भाइयों की मदद करूँ और मैं ट्रकों को रोक कर गाड़ियों को रोक कर उसमें लोगों को बैठा बैठा कर आगे भेज रहा था। क्योंकि मैं यातायात पुलिस से था इसलिए ट्रक वाले गाड़ी वाले सब मेरी बात सुन रहे थे और लोगों को गाड़ियों में बैठा कर आगे ले जा रहे थे। कुछ सामाजिक काम करने वाली संस्थाओं के लोग भी मुझसे जुड़ गए थे और मुझसे फोन पर जानकारी लेकर के भोजन देने आ जाया करते थे, तो कई लोगों को, संस्थाओं को मैं बुला-बुलाकर आने जाने वाले लोगों के लिए खाने-पीने का भी प्रबंध किया।



छात्र - आप जब यह काम कर रहे थे तो क्या आपको किसी तरह की परेशानी आ रही थी?

टेकाम जी - बिल्कुल क्योंकि वह सामान्य समय नहीं था लोग मुझसे काफी नाराज हो रहे थे और चिढ़ रहे थे। वह कह रहे थे कि यह बाहर से आने वाले मजदूरों के साथ रहकर आया है। इससे दूर रहो। इसके पास मत जाओ। और यह सही भी था लेकिन मैं क्या करता। मुझे तो मदद करना ही था। लोग मुझसे दूर रहने लगे। कोई मेरा सपोर्ट नहीं कर रहा था। इसी के चलते कई बार मेरा ट्रांसफर भी हुआ लेकिन इसी के साथ-साथ बहुत सारे लोग मुझ पर भरोसा भी कर रहे थे। लोग मेरा फोन नंबर लेकर रखे थे और मुझे बुलाते थे सहयोग करने के लिए और मैं खुशी से चला जाता था।

छात्र - श्रीमान अब तो वह दौर बीत चुका है। लोगों का आपके साथ अब कैसा व्यवहार है?

टेकाम जी - बहुत अच्छा है। लोग मुझे समझे। अब मेरा सम्मान करते हैं। मुझे कई जगहों पर बुलाकर सम्मानित भी किया गया। मुझे बहुत गौरव महसूस होता है।

छात्र - श्रीमान आप अपनी पसंद से ट्रैफिक पुलिस में है या मुख्य पुलिस में जाना चाहते हैं?

टेकाम जी - मैं अपनी पसंद से तो ट्रैफिक पुलिस में नहीं हूँ, लेकिन पुलिस बल में हूँ। मुझे जहाँ भी भेजा जाता है मैं वहाँ अपनी सेवा देने के लिए चला जाता हूँ।

छात्र - यातायात पुलिस में होने के नाते क्या आप युवाओं को कुछ सलाह सीख देना चाहेंगे?

टेकाम जी - एक यातायात पुलिसकर्मी होने के नाते मैं आप सबसे यही कहना चाहूंगा कि वाहन चलाते समय आप अपना हेलमेट जरूर पहनें। वाहन चलाने से पहले आप अपना लाइसेंस जरूर बनवा लें। यातायात के

हम जंग नहीं चाहते,
जीना चाहते हैं
हम विनाश नहीं सृजन चाहते हैं
हम युद्ध नहीं
बुद्ध चाहते हैं।



नियमों का पालन करें। हम देखते हैं कि युवा साथी बहुत तेज मोटरसाइकिल चलाते हैं और इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ता है। तो मेरा यही निवेदन है कि वह यातायात के नियमों का पालन करते हुए तेज गति से गाड़ी ना चलाएं। आजकल कम उम्र के बच्चे भी गाड़ी चलाने लगे हैं। तो मेरा उनके अभिभावकों से निवेदन है कि वह कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने के लिए ना दें।

अनिकेत - महोदय ! भारत में रोज 380 लोगों की रोड एक्सीडेंट में मौत होती है। तो एक यातायात पुलिसकर्मी होने के नाते आप इसे किस प्रकार रोकना चाहेंगे?

टेकाम जी - इसके लिए जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। सबसे पहले तो हम पुलिस कर्मियों को ही स्कूल कॉलेज में जाकर बच्चों को समझाना चाहिए। उन्हें यह समझाना चाहिए कि वे यातायात के नियमों को ना तोड़ें। उनका पालन अच्छे से करें। बच्चों को समझाने से बच्चे बात को समझते हैं।

तो यदि हम थोड़ा सा प्रयास करें तो इस समस्या से बाहर निकल सकते हैं। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों को भी यातायात के नियमों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। तो कुछ ऐसा प्रयास करना चाहिए कि हम सीधे अभिभावकों से भी मिलकर उन्हें समझा सकें। यदि हम ऐसा कर पाएंगे तो स्थिति बहुत जल्दी अच्छी हो जाएगी।

अनिकेत - महोदय ! आपके शौक क्या-क्या है, आप अपने खाली समय में क्या-क्या करते हैं ?

टेकाम जी - ऐसा कोई विशेष शौक तो मुझे नहीं है। लेकिन हां मुझे अपने गांव और अपनी जमीन से बहुत प्रेम है। छुट्टी के दिनों में मैं अपने गांव चला जाता हूं और खेती-बाड़ी में मन लगाता हूं।

छात्र - ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के सामने बहुत सारी समस्याएं होती हैं। लोग सिग्नल तोड़ते हैं, नियम तोड़ते हैं, तो आप उन्हें कैसे समझाते हैं ? समस्याओं से कैसे जूझते हैं ?

टेकाम जी - बहुत कठिनाई होती है। कुछ लोग बहुत आसानी से समझ लेते हैं। अच्छा व्यवहार करते हैं। तो कुछ समझने का प्रयास नहीं करते। बहुत अभद्र व्यवहार करते हैं। कानून तोड़ने के बाद भी बहस करते हैं। हम बहुत शांति से और संतुलन बनाकर काम करते हैं। चालान करते समय भी परेशानी होती है। लोग पैसा नहीं होने का बहाना करते हैं, तो हम ऑनलाइन चालान पटवाते हैं। क्या करें करना पड़ता है। धीरे-धीरे बहुत सुधार हो रहा है। लोग सिग्नल का पालन करने लगे हैं। पहले जो ट्रैफिक जाम होता था उसे वन वे करने के बाद बहुत कम हुआ है। धीरे-धीरे स्थितियां बदलेंगी सब ठीक हो जाएगा।

छात्र - श्रीमान आप पुलिस कर्मी है तो आप जानते ही हैं कि भ्रष्टाचार किस तरह चारों ओर पनप रहा है। ऐसे में यदि आपके विभाग की बात करें तो आप अपने विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को किस तरह दूर कर पाएंगे ?

टेकाम जी - देखिए भ्रष्टाचार तो हर जगह व्याप्त है। कहीं अधिक तो कहीं कम। और इसे दूर करना किसी एक के बस की बात नहीं है। इसे ऊपर से ही रोकना पड़ेगा। यदि राज्य लेवल पर भ्रष्टाचार है तो उसे ऊपर से ही रोका जा सकेगा। ऊपर के बड़े नेतागण जैसे राज्य स्तर पर राज्य के मुख्यमंत्री जी, देश स्तर पर देश के प्रधानमंत्री जी, सभी स्तर पर लोग प्रयास करेंगे, तभी भ्रष्टाचार रुक सकेगा।

छात्र - आप जो काम कर रहे हैं बहुत-बहुत व्यस्तता की मांग करता है। आप बहुत व्यस्त रहते होंगे। तो अपने बच्चों और परिवारजन को कैसे समय दे पाते हैं ?

टेकाम जी - ड्यूटी से जब छुट्टी मिलती है, या लंच का समय मिलता है तो हम अपने घर जाते हैं और बच्चों के साथ परिवार के साथ समय बिताते हैं। वैसे व्यस्तता अधिक रहती है समय कम मिल पाता है।

छात्र - आप अपने काम से खुश हैं, संतुष्ट हैं या फिर और भी कुछ इच्छा है ?

टेकाम जी - देखिए मैं लंबे समय से इस सेवा में हूं। मुझे अपना काम बहुत अच्छा लगने लगा है। मैं जिस पद पर हूं, वहां संतुष्ट हूं। मुझे और कोई इच्छा नहीं है। बस अपने इस काम को ईमानदारी से और जिम्मेदारी से पूरा कर लूं यही चाहता हूं।

छात्र - श्रीमान आप जिस पद पर हैं, अगर आपको देख कर कोई आपकी ही तरह बनना चाहता है, आपके पद पर आना चाहता है, तो आप ऐसे लोगों को क्या सलाह देंगे ?

टेकाम जी - मेरा सलाह यह है की सबसे पहले एक छात्र को अपनी पढ़ाई पूरी करनी चाहिए। यह बहुत जरूरी है। जब आप अपनी पढ़ाई पूरी किए रहेंगे तो आगे के रास्ते खुलते हैं। तो सबसे पहले पढ़ाई पूरी कीजिए और फिर इस क्षेत्र में आइए। बहुत अच्छा काम है। जनसेवा का काम है। संतुष्टि मिलती है। आना चाहिए।

छात्र - श्रीमान ! आपकी बातें बहुत अच्छी और प्रेरणादायक है । आपसे बातचीत कर हमें बहुत अच्छा लगा । उम्मीद है हमारी बातचीत पढ़ कर हमारे दूसरे युवा साथी भी आपकी बात पर गंभीरता से विचार करेंगे । आपने हमें अपना समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

टेकाम जी - आप सबका भी बहुत-बहुत धन्यवाद ।

साक्षात्कारकर्ता - जसकीरत बाबरा, 11वीं 'द'
दिव्यांश त्रिपाठी, 11वीं 'अ'
अनिकेत गुप्ता, 11वीं 'अ'
शुभम् सिन्हा, 11वीं 'अ'
पलक लाल, 12वीं 'ब'
आर्या लाल, 12वीं 'ब'
आर्या सिंह चंदेल, 12वीं 'ब'
अन्वेशा सिंह, 12वीं 'ब'



“सुझ ये नहीं तय करता कि कौन सही है,
बालक ये तय करता है कि कौन बचा है।”

- जार्ज बर्नार्ड शॉ



विष्णु नागर

माँ उसके साथ रहती है

कोई आदमी कितना ही अकेला हो
अंधेरा उसके साथ रहता है
सन्नाटा उसके साथ रहता है
धरती और आसमान उसके साथ रहते हैं
और चाँद न भी रहे तो तारे
ज़रूर उसके साथ रहते हैं
भले ही उसने माँ का साथ छोड़ दिया हो
माँ उसके साथ ज़रूर रहती है।





कवयित्री, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता

जसिंता केरकेट्टा

से जब मैं पहली बार मिला...

जब उन्होंने कहा - "नन्ही पीढ़ी ने बाजार जाकर एक बोतल नदी मांगी, एक टुकड़ा पहाड़ मांगा, थोड़ी गीली मिट्टी मांगी और पेड़ मांगे" तो यह बात मेरे

मन को एकदम ही छू गई। मुझे लगा क्या हमने चीजों को इतना नष्ट कर दिया है कि अब वह चीज हमें इस तरह इस रूप में वापस नहीं मिल सकती हैं। क्या हमने अपनी आने वाली पीढ़ी से सब कुछ छीन लिया है, क्या हमने अपनी धरती से सब कुछ छीन लिया है? यह पहली बार था कि आज मुझे एक सामाजिक कार्यकर्ता से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ था, वह थीं जसिंता केरकेट्टा जी। उनके द्वारा आज मुझे बहुत कुछ जानने को मिला। सबसे पहले तो उन्होंने हमें अपना परिचय दिया और बताया कि वह झारखंड की रहने वाली है। उन्होंने बताया कि हम आदिवासी किन लोगों को कहते हैं। वह कहीं-" आदिवासी वे लोग कहलाते हैं जो कि जंगलों में निवास करते हैं" और सिर्फ जंगल ही क्यों हम कह सकते हैं कि, वे लोग जो प्रकृति के बेहद करीब हैं। यह वे लोग होते हैं जिन्होंने जंगलों को बचाया है। उन्होंने कहा कि, वह बहुत से दूसरे देशों में जा चुकी हैं। उदाहरण के तौर पर वह हमें जर्मनी के बारे में बताती हैं। वह कहती हैं कि वहां पर श्रेष्ठतावाद बेहद ही कम है। वहां के लोग अत्यंत ही सहज और सरल तरीके से रहना पसंद करते हैं। उन्होंने बताया कि वहां के अफसर भी अपनी ताकत का प्रदर्शन नहीं करते जबकि हमारे भारत देश में अगर कोई व्यक्ति सत्ता में आ जाए तो अपनी शक्ति



भैया! थोड़ी बारिश,
थोड़ी गीली मिट्टी,
एक बोतल नदी,
तो डिब्बाबंद पहाड़
उधर दीवार पर टंगी
एक प्रकृति भी दे दो,
और ये बारिश इतनी मंहगी क्यों?

- जसिंता केरकेट्टा

प्रदर्शित करने से पीछे नहीं हटता है। उन्होंने हमें बताया कि किस तरह हमारे भारतीय समाज में श्रेष्ठतावाद बहुत ज्यादा है और आदिवासियों तथा अन्य कई जनजातियों को निम्न स्तर पर रखा जाता है। वह कहती है कि हमें इसे बदलने की जरूरत है। हमें हमारे समाज से श्रेष्ठतावाद को खत्म करना होगा और लोगों में जागरूकता फैलाना होगा। हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे और पर्यावरण को बचाना होगा। अगर हम चाहते हैं कि हमारा पर्यावरण बचा रहे तो हमें उसे नष्ट होने से बचाना होगा। हमें आदिवासियों को किसी भी तरह की सहायता और आरक्षण देने की कोई भी जरूरत नहीं है। हमें बस यह करना होगा कि हमें जंगलों, और भी कई प्राकृतिक चीजों को, उनके हवाले करना होगा। जब यह बर्फ के पहाड़ पिघलेंगे और जल का स्तर बढ़ जाएगा और जो लोग बचे हुए होंगे वे आदिवासी और वह लोग जो पहाड़ों

जूते पहनने के अभ्यस्त लोग
यह कभी नहीं जान सकते
कि उनके पैरों तले की जमीन कैसी है
क्या वह सांस ले रही है?
ठीक से जी रही या दम तोड़ रही है?
कहीं उसे बुखार तो नहीं?
या क्यों वह ठंडी पड़ी रहती है?
क्या वह उदास है?
क्या उसे ज्वर है?

- जसिंता केरकेट्टा



में रहते हैं, वही होंगे। उन्होंने हमें ऐसी-ऐसी बातें बताईं जो कि हमें कहीं भी नहीं बताई जाती हैं। उनकी यह सब बातें हैं जो मुझे बहुत प्रभावित करती हैं। मुझे लगता है कि वो जो काम कर रही हैं वह बहुत ही सराहनीय है।

- अमोघवर्ष
9वीं 'ब'



वे इसी पृथ्वी पर हैं

इस पृथ्वी पर कहीं न कहीं कुछ न कुछ लोग हैं जरूर
जो इस पृथ्वी को अपनी पीठ पर
कच्छपों की तरह धारण किए हुए हैं
बचाए हुए हैं उसे
अपने ही नरक में डूबने से
वे लोग हैं और बेहद नामालूम घरों में रहते हैं
इतने नामालूम कि कोई उनका पता
ठीक-ठीक बता नहीं सकता
उनके अपने नाम हैं लेकिन वे
इतने साधारण और इतने आमफहम हैं
कि किसी को उनके नाम
सही-सही याद नहीं रहते
उनके अपने चेहरे हैं लेकिन वे
एक दूसरे में इतने घुले-मिले रहते हैं
कि कोई उन्हें देखते ही पहचान नहीं पाता
वे हैं, और इसी पृथ्वी पर हैं
और यह पृथ्वी उन्हीं की पीठ पर टिकी हुई है
और सबसे मजेदार बात तो यह है कि उन्हें
रुत्ती भर यह अंदेशा नहीं
कि उन्हीं की पीठ पर
टिकी हुई है यह पृथ्वी ...

- पलक लाल
12वीं 'ब'



मत रो बच्चे
 रो रो के अभी
 तेरी अम्मी की आँख लगी है
 मत रो बच्चे
 कुछ ही पहले
 तेरे अब्बा ने
 अपने ग़म से रुख़सत ली है
 मत रो बच्चे
 तेरा भाई
 अपने ख़्वाब की तितली पीछे
 दूर कहीं परदेस गया है
 मत रो बच्चे
 तेरी बाजी का
 डोला पराए देस गया है
 मत रो बच्चे
 तेरे आँगन में
 मुर्दा सूरज नहला के गए हैं
 चंद्रमा दफ़ना के गए हैं
 मत रो बच्चे
 अम्मी, अब्बा, बाजी, भाई
 चाँद और सूरज
 तू गर रोएगा तो ये सब
 और भी तुझ को रूलवाएंगे
 तू मुस्काएगा तो शायद
 सारे इक दिन भेस बदल कर
 तुझ से खेलने लौट आएंगे

फ़िलिस्तीनी बच्चे के लिए लोरी



- जसकीरत बाबरा
11वीं 'द'





- अंजनी पाण्डेय
शिक्षक

यह किताबों को कंठस्थ करने का समय है

यह किताबों को कंठस्थ करने का समय है
 क्योंकि किताबों को जलाने का आदेश
 कभी भी आ सकता है
 तानाशाह को पता है
 भविष्य जलाने के लिए किताबें जलाना ज़रूरी है
 यह गीतों को याद रखने
 और उनके सामूहिक गान का समय है
 क्योंकि गीत ही वह पुकार है
 जिसमें हम भविष्य का आह्वान करते हैं
 तानाशाह यह जानता है
 इसलिए वह गीतों को हमारी स्मृतियों से
 खुरच देना चाहता है
 यह प्रेम करने का समय है
 क्योंकि प्रेम करना हमेशा से
 रवायतों के खिलाफ़ विद्रोह रहा है
 इसलिए हर तानाशाह प्रेम से ख़ौफ़ खाता है
 यह समाचार को सामने से नहीं,
 पीछे से देखने का वक़्त है
 क्योंकि तानाशाह अब समाचारों पर प्रतिबन्ध नहीं लगाता,
 बल्कि उनमें तेज़ाब भरवाता है
 यह प्रश्नों को बचाने, गढ़ने और
 उन्हें उछालने का समय है
 क्योंकि तानाशाह जानता है

कि ये प्रश्न उसके उत्तरों की महागाथा की उड़ा सकते हैं धज्जियां
 यह युद्ध करते हुए, युद्ध सीखने का वक़्त है
 क्योंकि तानाशाह जानता है कि
 वह तभी तक सुरक्षित है
 जब तक युद्ध पर उसका एकाधिकार है !



पिता

मेरी साहस मेरी इज्जत मेरा सम्मान है पिता ।
मेरी ताकत मेरी पूँजी मेरी पहचान है पिता ॥

घर की इक-इक ईंट में शामिल उनका खून पसीना ।
सारे घर की रौनक उनसे सारे घर की शान पिता ॥

मेरी इज्जत मेरी शोहरत मेरा रुतबा पिता ।
मुझको हिम्मत देने वाले मेरे तो अभिमान पिता ॥

सारे रिश्ते उनके दम से सारे नाते उनसे है ।
सारे घर के दिल की धड़कन सारे घर की जान पिता ॥

शायद सब ने देकर भेजा फल ये अच्छे कर्मों का ।
उसकी रहमत उसकी नेमत उसका है वरदान पिता ॥



पावनी जैन
6वीं 'ब'



आओ पूछें एक सवाल !
मेरे सिर में कितने बाल ?
कितने आसमान में तारे ?
बतलाओ या कह दो सारे !
नदियाँ क्यों बहती दिन-रात ?
चिड़ियाँ क्या करती हैं बात ?
क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए ?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए ?
फूल कहाँ से पाते रंग ?
रहते क्यों न जीव सब संग ?
बादल क्यों बरसाते पानी ?
लड़के क्यों करते शैतानी ?
नानी की क्यों सिकुड़ती खाल ?
अजी, न ऐसा करो सवाल !
यह सब ईश्वर की माया है,
इसको कौन जान पाया है ?



शान्वी अग्रवाल
1ली 'द'

शायरी

मंजिल दूर और सफर बहुत है,
छोटी सी जिन्दगी की फिक्र बहुत है,
मार डालती ये दुनिया कब की हमें,
लेकिन पापा के प्यार में असर बहुत है ॥

एक जैसे दोस्त सारे नहीं होते,
कुछ हमारे होकर भी हमारे नहीं होते,
आपसे दोस्ती करने के बाद महसूस हुआ,
कौन कहता है तारे जमीन पर नहीं होते ॥

पूछता है जब कोई मुझसे कि
दुनिया में मुहब्बत बची है कहाँ ?
कहीं मुस्कुरा देती हूँ मैं,
और याद आ जाती है माँ ॥



सालेहा खुदैजा
6वीं 'स'





थक गई हार गई,
लड़की हर पल एहसासों से ।
बिखर गई टूट गई,
अपने ही सवालों से ।
समझ चुकी समझा चुकी,
घिर गई अपने ही हालातों से ।
लड़खड़ा चुकी संभल चुकी,
अपने ही वक्त की भारों से ।
लड़ चुकी हार चुकी,
टूट गई अपने ही रिश्तेदारों से ।
चुप हो गई शांत पड़ गई,
मानो निकले प्राण अपने ही जनाजे से ।



अंशिका पैंकरा
1ली 'स'



सपनों की ताकत

हर किसी का सपना होता है, एक लक्ष्य होता है, या एक उद्देश्य होता है । जो किसी जीवन को एक दिशा देता है जब हम अपने सपनों को साकार करने की ओर कदम बढ़ाते हैं, तब हमें सशक्त होने का अहसास होता है यही सपना यही एहसास हमें कड़ी से कड़ी चुनौतियों को सामना करने की ताकत देता है और प्रोत्साहित करता है । अपने सपनों की उमंग को दूसरों तक पहुँचाने के लिए । अंत में सपनों से जन्म लेने वाला यह शक्तिशाली एहसास तब्दील हो जाता है, एक रचनात्मक शक्ति में । अतः हर किसी को अपने उच्च एवं सुनहरे सपनों के लिए बाधाएँ एवं रुकावटें आने पर भी हिम्मत नहीं हारना चाहिए एवं सपने को जागृत रखें, जब तक सपने साकार रूप न ले लें । इसके लिए अच्छे कर्म एवं हौसले बुलंद रखने पड़ेंगे । सपने वो नहीं होते जो रात में देखते हैं । खुली आँखों से सपना देखो और उसे साकार करो ।

सच्ची संतान बनेंगे, ईश्वर की आप
परम अहिंसा धर्म हो, दान पुण्य है माप
सत्य वचन हो सादा, बात हो कभी न कच्ची
तभी आप संतान, ईश्वर की होंगे सच्ची ।



धान्ची अग्रवाल
6वीं 'ब'

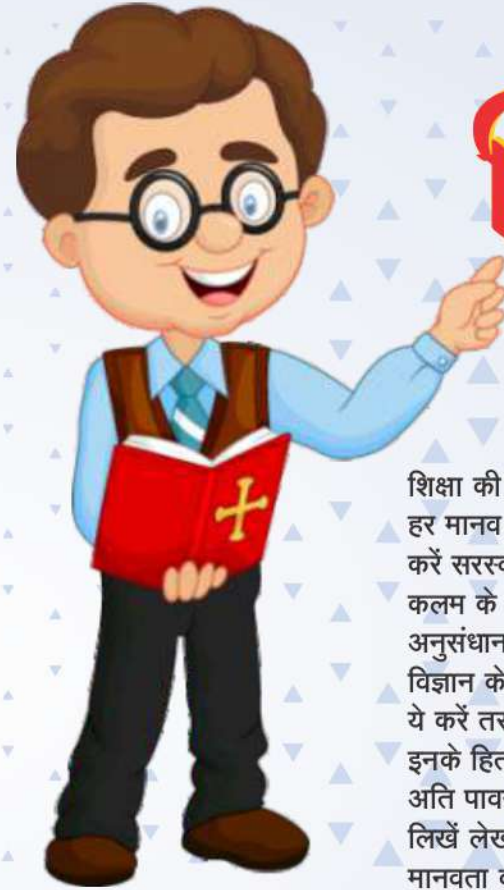
गणित

दिन-प्रतिदिन ... सुबह के सन्दर्भ में ...

जब मैं सुबह सवेरे जागता हूँ... मेरी आँखें खुलती हैं, तब मैं अपनी माँ से पूछता हूँ कि कितना समय हो रहा है ? यदि माँ कहती है प्रातः 06:30 हो रहा है तब मैं झट-पट बिस्तर से उठ जाता हूँ। क्योंकि विद्यालय जाने हेतु विलम्ब हो रहा है। इस प्रकार मेरी सुबह सर्वप्रथम गणित (समय) से होती है। इसके पश्चात् मैं बाथरूम में जाकर ब्रश करने हेतु ब्रश में पेस्ट लगाता हूँ, तब यह सोचता हूँ कि मुँह में दायें ओर के दातों व बायें ओर के दातों तथा बीच के दातों में कितने-कितने बार ब्रश करना है, तब फिर से मुझे गणित की याद आ जाती है। तत्पश्चात् जब मैं नहाने के लिए बाल्टी में पानी लेता हूँ तब मुझे अनुपात-समानुपात को समझना पड़ता है। नहाना हो गया, अब मैं पूजा-पाठ हेतु सोचता हूँ कि सम संख्या में या विषम संख्या में अगरबत्ती जलाऊँ ? उस दिन जब मैं अपने नये शर्ट पहनकर स्कूल जाने की सोचा, तब पता चला यह शर्ट तो छोटा है तब मुझे मापन की याद आ गई। अब मैं एक रोटी लेकर नाश्ता कर ही रहा था कि माँ ने एक और रोटी दे दी... मैं दुविधा में पड़ा क्योंकि अब मुझे संख्या, भूख व समय के बीच सम्बन्ध स्थापित करना था। क्योंकि स्कूल पहुँचने हेतु विलम्ब भी हो रहा था। मेरी माँ ने तुरन्त स्कूटी चालू की, मैं पीछे बैठा व हम स्कूल निकल गये। समय कम था इस बात का मुझे गम था.... इसलिए मुझे चाल व दूरी का ख्याल आया। अंत में, मैं सही समय (एसेम्बली के पूर्व) स्कूल पहुँच गया। मैं समझ गया गणित पढ़िये, विचारों को गढ़िये व आगे बढ़िये...



रौनक चक्रवर्ती
5वीं 'अ'



शिक्षक

शिक्षा की ज्योति शिक्षक ।
हर मानव का अभिमान है शिक्षक ॥
करें सरस्वती का अभिनन्दन वंदन ।
कलम के उत्तम कारीगर शिक्षक ॥
अनुसंधान में योगदान है ।
विज्ञान के हैं अविष्कारक शिक्षक ॥
ये करें तरक्की देश बढ़ेगा ।
इनके हित से संसार चलेगा ॥
अति पावन, अति मन भावन ।
लिखें लेख, और अद्भुत रचना ॥
मानवता के सच्चे रक्षक ।
आदर्श गुरु हैं सबके अपने ॥
सच करते हैं ये पूरे सपने ।
कभी ना मारे अपनी शेखी ॥
कितनों के ऐब छुटावें शिक्षक ।
एक से बढ़कर एक हुए हैं ॥
हर हालात पर नेक हुए हैं ।
ईश्वर से बढ़कर इनका नाता ॥



सार्थक गोयल
1ली 'इ'



सुन्दर दुनिया

पहले अंडा था घर मेरा ।
हर दम अंधकार ने घेरा ।।
सुनता था चिड़ियों का शोर ।
कैसी सुन्दर होती भोर ।।

आज पुराना घर भी त्यागा ।
देख रहा हूँ मैं बड़भागा ।।
रंग-बिरंगी दुनिया प्यारी ।
लदी फूल से हर एक क्यारी ।।

बच्चों तुम भी बढ़ते जाना ।
जीवन पथ पर चलते जाना ।।
बढ़ना सच्चाई की ओर ।
छूटे ना यह प्रेम की डोर ।।



प्रतिज्ञा तिवारी
10वीं 'इ'

बचपन

एक बचपन का जमाना था
जिसमें खुशियों का खजाना था ।

चाहत चाँद को पाने की थी
पर दिल तितली का दिवाना था ।

खबर ना थी कुछ सुबह की
ना शाम का ठिकाना था ।

थककर आना स्कूल से
पर खेलने भी जाना था ।

माँ की कहानी थी
परियों का अफसाना था ।

बारिश में कागज की नाव थी,
हर मौसम सुहाना था ।



रागिनी किण्डो
8वीं 'इ'



माँ तो आखिर होती है माँ ।।
अपने सपनों को त्यागकर,
रातों को जागकर
हमारी ख्वाहिशें करती हैं पूरी
उनके बिना जिंदगी अधूरी,
ममतामयी आँचल है जिनकी
जैसे गौरी और जानकी ।
खुशियों की तो यह है मोती,
माँ की आंखों में करुणा की ज्योति
रिश्तों को ये संजोए रखती,
सारे दर्द खुद ही सह लेती
अपनों पे जब संकट आते हैं,
मौत से भी लड़ जाती हैं ।
कभी दुर्गा कभी चंडी बन जाती,
जब बात अपने बच्चों पर आती है ।
रब की परछाई होती है माँ,
माँ तो आखिर होती है माँ ।



पावनी जैन
6वीं 'ब'



हर बार नहीं

गिर जाने पर उठ जाओ
मेहनत करके बढ़ते जाओ
बाधाएँ राह पड़ेंगी तेरी
हारेगा यह नियम है पर...
तू हारेगा हर बार नहीं ।।

सोना तपता जायेगा
वह खूब निखरता जायेगा
लोहा तपता जायेगा
वह ताकत भरता जायेगा पर...
ताकत होगी हर बार नहीं ।।

अपने ठोकर मारें तो छोड़ उन्हें आगे बढ़ जाओ
चाहते हो अपनों को पास, बनो जीवन में कुछ खास
ऐसा पाठ पढ़ाएँगे, वे पुनः पीछे बुलाएँगे
फँसना नहीं बातों में उनके
तुम हर बार नहीं ।।



पुष्कर कुमार
12वीं 'अ'

लोग हैं ना...

तू अपनी खूबियाँ दूँड,
खामियाँ निकालने के लिए लोग हैं ना....
अगर रखना है कदम, तो आगे रख,
पीछे खींचने के लिए लोग हैं ना....
सपने देखने हैं तो ऊँचे देख,
नीचा दिखाने के लिए लोग हैं ना....
तू अपने अंदर जुनून की चिंगारी भड़का,
जलने के लिए लोग हैं ना....
प्यार करना है तो खुद से कर,
नफरत करने के लिए लोग हैं ना....
तू अपनी अलग पहचान बना,
भीड़ में चलने के लिए लोग हैं ना....
तू कुछ करके दिखा दुनिया को,
तालियाँ बजाने के लिए लोग हैं ना....



अक्षिता डबराल
9वीं 'ब'



माँ का प्यार



माँ और माँ का प्यार निराला,
उसने ही है मुझे संभाला ।
मेरी मम्मी बड़ी प्यारी,
क्या मैं उनकी बात बताऊँ,
सोचूँ, उन्हें कैसे मैं जान पाऊँ ।।

सुबह सवेरे मुझे उठाती,
राधा कहकर मुझे जगाती ।
उनके ही कारण स्कूल जा पाती,
स्कूल से आते ही खुश हो जाती,
जब माँ का चेहरा देखती,
पौष्टिक भोजन मुझे खिलाती,
गृह कार्य भी पूरा कराती ।।

माँ और माँ का प्यार निराला,
पर मैं करती उन्हें परेशान,
जब मैं करती कोई गलती
समझाने की कोशिश करती मेरी माँम,
करती मुझ से ज्यादा प्यार,
करती मुझसे अधिक दुलार ।
माँ और माँ का प्यार निराला,
उसने ही है मुझे सम्भाला ।।



अंशिका मिश्रा
7वीं 'फ'



खड़े हैं वो सरहद पर
हम घर में दीप जलाते हैं
वो रात भर पहरा लगाते हैं
हम चैन की नींद सो जाते हैं
फौजी की वर्दी पहनकर
सीना तान के खड़े रहते हैं
दुश्मन को भी.....
जो मौत की नींद सुला देते हैं ।

बर्फीली पहाड़ियों पर
हौसले की उड़ान भरते हैं
सबसे ऊँची चोटी
शौर्य का इतिहास रचते हैं
वो भारतीय सैनिक ही हैं
जिनके जड़बे की अलग ही गाथा है
तभी तो दुश्मन का कलेजा भी
इन्हें देखकर थर थराता है ।

भारत देश का गौरव यह
तिरंगा भी देख इन्हें मुस्कुराता है
तभी तो ऊँचे पहाड़ों पे
वो कितने शान से लहराता है ।



अंशी बारी
9वीं 'फ'

मेहनत की ताकत

रामपुर नामक एक गाँव था । उस गाँव में एक लड़की रहती थी "स्नेहा" । वह बहुत अच्छा गाना गाती थी । वह पढ़ना चाहती थी, पर उसके माता-पिता इतने गरीब थे कि वह उसके विद्यालय की फीस नहीं भर सकते थे । स्नेहा के घर के बगल में ही उसकी दोस्त आशा का घर था । एक दिन जब स्नेहा और आशा खेल रहे थे, तभी आशा ने स्नेहा से कहा - "हमारे गाँव में एक ज्योतिष आए हैं । उनका कहना है कि वह लोगों के हाथ को देखकर उनका भविष्य बता सकते हैं ।" यह बात बताने के बाद आशा अपने घर चली गयी । कुछ देर तक स्नेहा उस ज्योतिष के बारे में सोचती रही उसके बाद उसने यह तय किया कि वह उस ज्योतिष के पास जाकर अपने भविष्य के बारे में पूछेगी । वह ज्योतिष के पास जाती है, तो देखती है कि वहाँ कई लोग एक कतार में खड़े हैं । वह भी उस कतार में लग गई । थोड़ी देर इंतजार करने पर उसकी बारी आई । उसने अपना हाथ ज्योतिष के हाथों में रख दिया । उन्होंने अपनी आँखें बंद कर ली और थोड़ी देर बाद वह उससे कहते हैं कि तुम अपने भविष्य में कभी सफल नहीं हो पाओगी । ज्योतिष की बात सुनकर स्नेहा अपने घर चली गयी, कुछ दिनों तक वह उस ज्योतिष की बातें याद करके बहुत दुखी थी । पर उसने सोचा कि वह ज्योतिष की कल्पना को गलत साबित करके रहेगी । उसने गाँव में ही एक पेड़ के नीचे बैठकर गाना गाने का सोचा । उसने सभी गाँव वालों को उस पेड़ के नीचे इकट्ठा होने को कहा, सारे गाँव वाले स्नेहा की मधुर संगीत सुनने के लिए इकट्ठा हो गए । स्नेहा ने जब गाना शुरू किया तब सारे गाँव वाले उसके संगीत से मंत्रमुग्ध हो गए । वहीं एक बहुत बड़े संगीतकार आये थे, किसी कार्य से, उन्होंने स्नेहा का संगीत सुना, वह भी मंत्रमुग्ध हो गए । गाना खत्म होने के बाद संगीतकार ने स्नेहा से बात किया, स्नेहा ने उन्हें तुरंत पहचान लिया । संगीतकार ने स्नेहा से कहा "तुमने मंत्रमुग्ध कर देने वाला गीत गाया । क्या तुम राष्ट्रीय स्तर पर संगीत प्रस्तुत करना चाहोगी ?" स्नेहा और उसके माता-पिता इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं । उसने राष्ट्रीय स्तर पर इतना अच्छा संगीत प्रस्तुत किया कि वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी गाने लगी । धीरे-धीरे उसका संगीत पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गया और वह एक बहुत बड़ी संगीतकार बन गई ।

सीख - इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हम मेहनत करके कोई मुकाम हासिल कर सकते हैं ।



स्वीटी साहू
6वीं 'स'



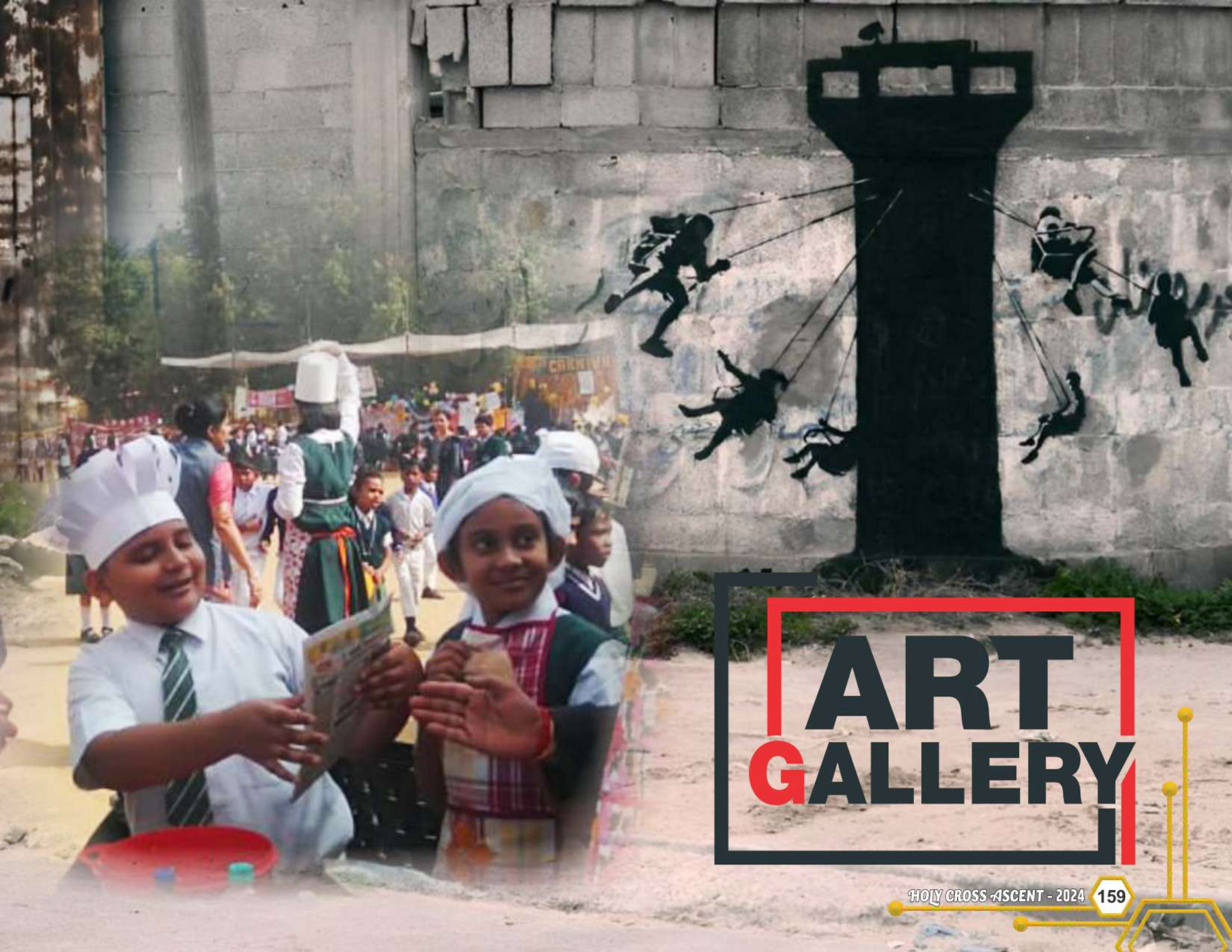
कौन सही ?

तू सोचे में गलत
मैं सोचूँ तू गलत
दुनिया सोचें हम सही
हम सोचें हम सही

क्या सब गलत या सब सही
सही-सही पर कौन सही
इसका जवाब है तो सही
न कोई गलत न कोई सही ।
सही वही जिसका इरादा सही
जिसका इरादा सही उसका कर्म सही
तो न तू गलत न मैं सही
इरादा बताए अब कौन सही

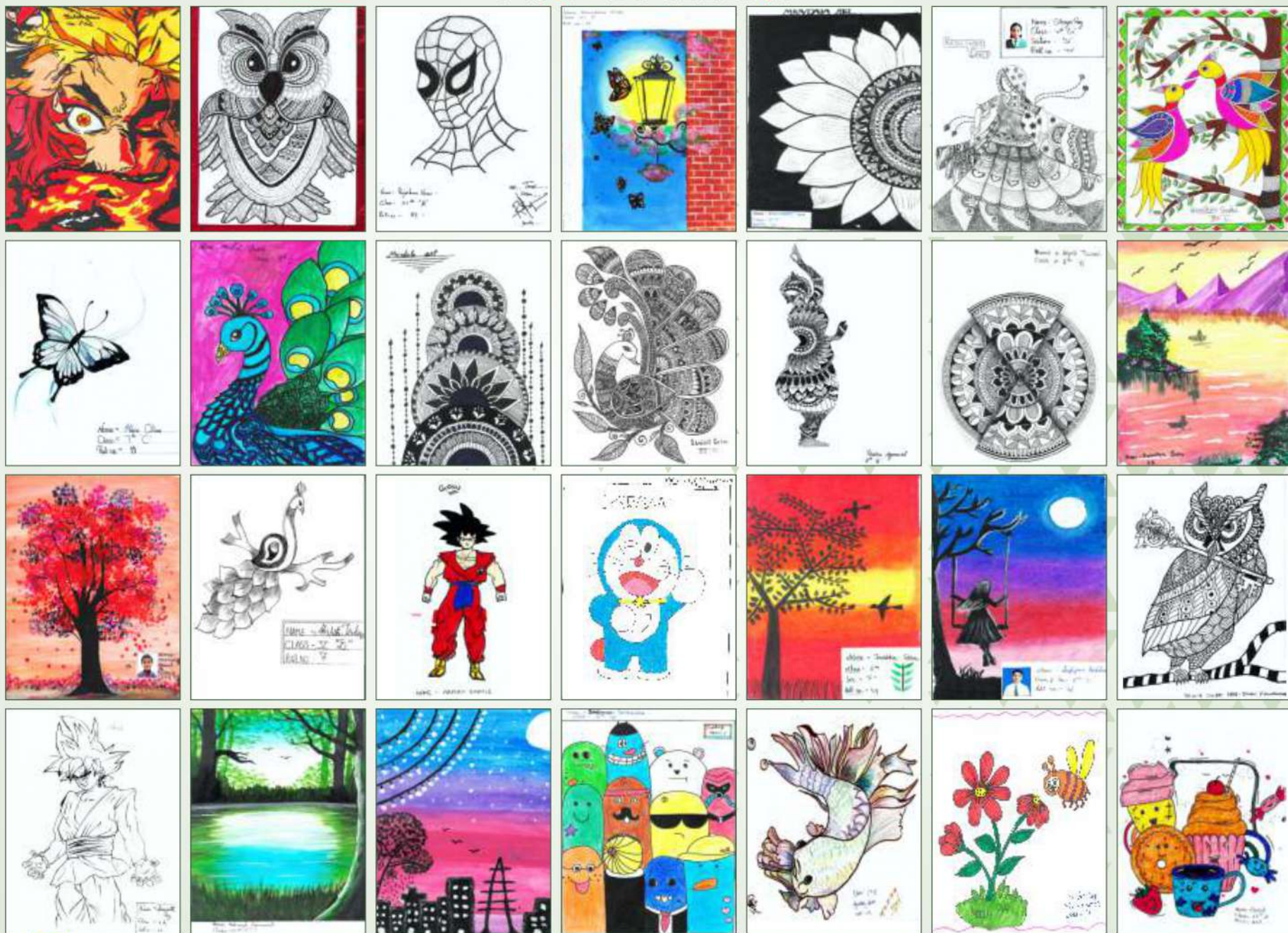


दिव्या पाण्डेय
9वीं 'ब'

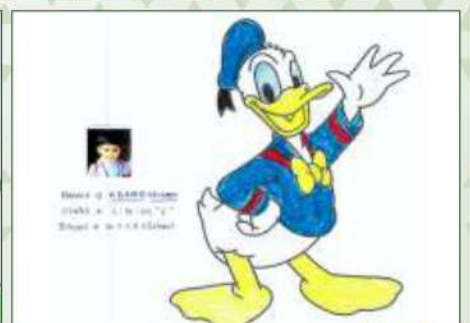
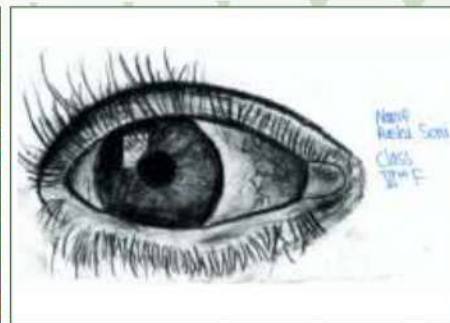
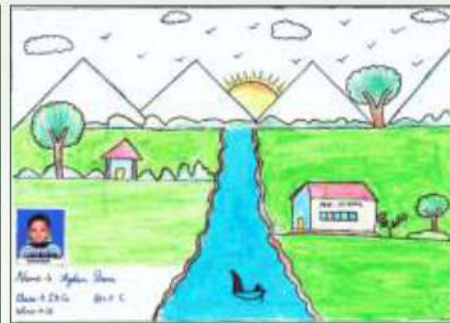


ART GALLERY

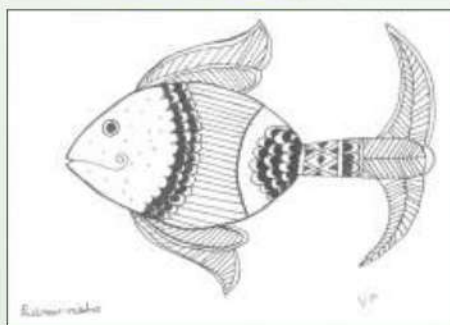
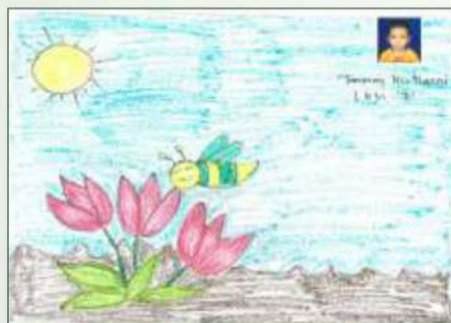
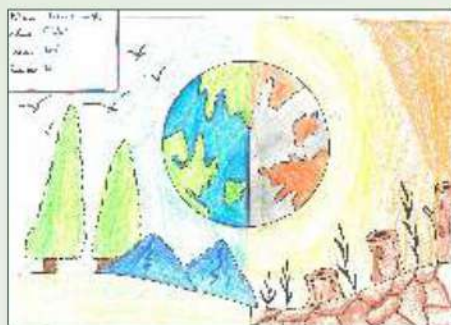
ART GALLERY



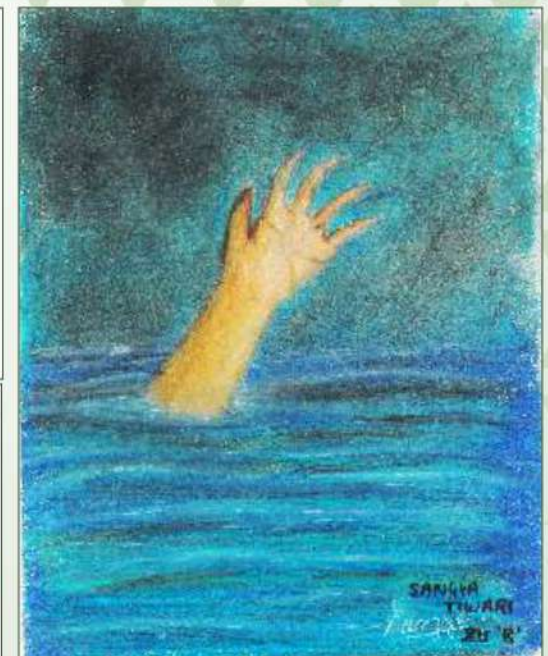
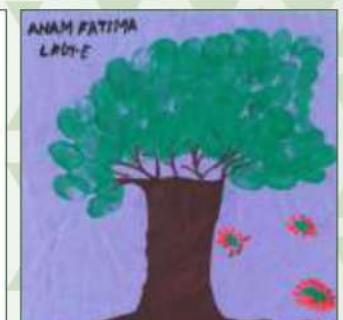
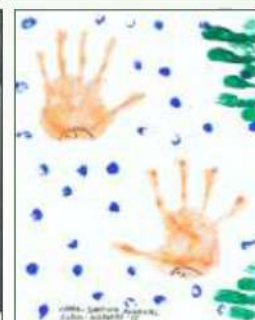
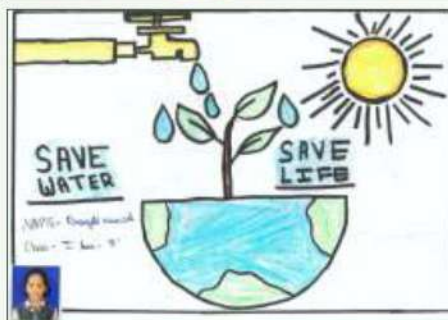
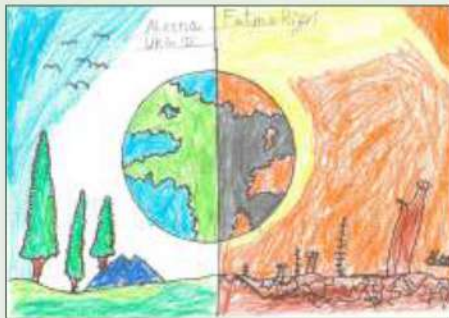
ART GALLERY



ART GALLERY



ART GALLERY



In The
NEWS



A group of cheerleaders in orange uniforms performing a routine.

[illegible]

10

[illegible][illegible][illegible][illegible]

नवभारत अग्रो। अम्बिकापुर। होलीवुडस का न्यूट र्सेनर सेक्रेटरी स्कूल अर्धो
मध्यम में क्रिसमस का पर्व होलीवुडस के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्राचीना गीत
की प्रस्तुति के बाद ड्रम टैंक
मार्च के जवाब और कला

की प्रस्तुति के बाद प्रभु ईश
मसीह के जन्म की कथा पर



अभारत मूल नोटका को प्रस्तुत दी गई। साथ ही एंजेल डोस और सीता कलाव बने बच्चों के समूह के नृत्य ने भी समर्थ बांध दिया। प्राणार्थ सि. जेम्सनी ने क्रिसमस गर्व पर अपना उद्बोधन दीते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य को कामना की। कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रतिबंध की भूमि इस वर्ष भी शरीर और जकरतामंद स्नेहो की उड़ते से बचाव के लिए गर्व कपड़ों का वितरण किया गया। केवल वितरण प्राणार्थ और बच्चों द्वारा किया गया। क्रिसमस के अवकाश के बाद बच्चों द्वारा भूमिगर्मी में जकरतामंद को केवल और गर्म कपड़ों प्रदान किए जाएंगे।

महात्मा ज्योतिबा फुले	भूमिका, लक्षित जनता में अल्पसंख्यकों की स्थिति और दावा, राजनीति में चुनौतियों का सामना और समाज-धर्म, धर्मनिरपेक्ष राज्य के अर्थशास्त्र, धर्मनिरपेक्ष विधि की
-----------------------	--

[illegible]

3

100

दूसरों को अनुशासित करने से पहले खुद अनुशासित होना जरूरी
अजितकचरपुर। शोलेनकास कॉलेज ऑफिंग
 सिनेमाट्री स्कूल अजितकचरपुर में
 विद्यालयीय संस्कार का शपथ ग्रहण समारोह
 खास गरीब अमरगोता भगत के मुकुट
 अग्राध्व में संचयन हुआ। मुख्य अतिथि श्री
 भगत ने सभी कैम्पिटर के सदस्यों को मंत्र
 लक्षण और प्रार्थना दी। जेलों से पाद और
 गरीब-गोता की शपथ लिखी। इस अवसर पर खास गरीब अमरगोता भगत ने कहा कि
 ये विद्यार्थी के अनुशासन का पालन करते हुए पढ़ते हैं। वह किसी कार्यक्रम में सभाग
 पर पहुंचते हैं, जबकि अन्यर ऐसा नहीं हो पाता। उन्होंने कहा अनुशासन की देना को
 बनाना है, सिर्फ दूसरों को अनुशासित करने से पहले खुद को अनुशासित
 करना जरूरी है। इस दौरान मुख्य अतिथि और शिक्षक-निर्वाहकों की सहित छात्रों ने
 मीठापन की विधि। उपहार प्रदान अंतर्गत क्रम पाठोपेठे में किया।



1. *What is the main purpose of the study?*

[illegible][illegible][illegible]

संयोजक, राष्ट्रीय महिला अधिकार आयोग के अध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा ने एक समारोह में एक महिला को एक शawl (शawl) पहनाया।

**श्री सुखदेव ने प्रणीत किया
 श्री सिद्धिदाता रामदास**

जनसिद्ध बंगला में मुजिब के लिए लोगों की शिवाय ताराकाक

[illegible]

हमारे समर्थ हैं। किसी प्रकार के दबाव के बिना, भारतीय और चीनी हवा में। मित्रता के बीच संबंधों का विकास जारी है, और दोनों देशों के मध्य जारी रहे। अमेरिकी विदेश मंत्री, माइक पोम्पेओ ने भारतीय हवा में चीनी विमानों के विमानों के बीच संबंधों के विकास के लिए समर्थ हैं।

[illegible][illegible][illegible]

कालेक्टर और एसपी ने इसी विद्या
मण्डल में एक नए विद्यालय खोला

[illegible]

[illegible][illegible][illegible]

The First Step



The First Step



The First Step towards Graduation



The First Step towards Graduation



The First Step towards Graduation



The First Step towards Graduation



Class 1 "G"







HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL, AMBIKAPUR



Class 10th "E"

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL, AMBIKAPUR



Teachers (From left to right) : Mr Sunil Vishwakarma, Mr Yogesh Gour, Mr Ashish Agrawal, Mrs Neelam Poddar, Sr Jessy Thekkan (Principal), Mr Sibte Hassan (Class Teacher), Mr Sunil Tiwari, Mrs Jessy Abraham, Mr Santosh Behura
First Row (Girls): Yushika Jaiswal, Ritika Jaiswal, Sneha Bansal, Sakshi Rai, Sanskriti Shaw, Pratigya Gupta, Ashmita Bansal, Priyanshi Agrawal
Second Row (Boys): Tanmay Mishra, Devesh Vishwakarma, Krish Yadav, Glen Jose Ekka, Swapnil Sen, Anirudh Pandey, Pushkar Kumar, Satyam Chandrawanshi, Prajiwal Pandey, Pratham Agrawal, Shivansh Sinha, Aron Smith Thomas
Third Row (Boys): Akshat Kanaujiya, Saurabh Sahu, Aastik Sen, Jashandeep Singh, Saleem Rajja Khan, Priyush Choudhary, Sarthak Jaiswal, Shubham Bansal, Lakshya Ku Kushwaha, Vibhor Soni, Aarav Shrivastava, Mohit Choudhary
Top Row (Boys): Ayush Prajapati, Akshay Pratap Singh, Sarthak Shrivastava, Deo Kumar Singh, Md Shayaan Ahmed Khan, Arpit Ku Patel, Anubhav Singh, Yogesh Agrawal, Sheshank Gond, Hamdan Hassan, Jeewal Sahu, Pranav Shukla

CLASS: XII A

SESSION: 2023-24

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL, AMBIKAPUR



Teachers from left to right- Mr. Anudev Basak, Mrs. Jincy Sinha, Mrs. Jessy Abraham, Mrs. Mukta Verma (Class Teacher), Sr. Jessy Thekkan (Principal), Mr. Yogesh Gaur, Mr. Ashish Agrawal, Mr. Sunil Tiwari, Mr. C Sunil, Mr. Pranay Shrivastava.
First Row (Girls) Left to Right- Sheetal Manikpuri, Varnika Raj, Saina parveen, Sneha Goyal, Sangya Tiwari, Alka Tiwari, Jerusha A. Tiru, Alisha Parveen, Arya Lal, Anwesha Singh, Aashi Gupta.
Second Row (Girls) Left to Right- Shruti Agrawal, Shreya Gupta, Aastha Tiwari, Angel Xaxa, Falak Fatima, Palak Lal, Shreya Sinha, Arya Singh Chandel, Yashwi Rai.
Third Row (Girls) Left to Right- Samridhi Behera, Shreya Singh, Tanushree Tiwari, Deepakshi D Verma, Aanchal Soni, Kirti Viswakarma, Apurva Shukla, Shatakshi Sinha, Deepti Jaiswal, Angel Tandi.
Top Row (Boys) Left to Right- Akshat Singh, Rajveer Chhabra, Ansh Tiwari, Raj Tiwari, Md. Kashif, Abhishek Kumar Shrivastava, Harsh Kumar Sonwani, Ayush Choudhary, Sheshank Ekka.

CLASS: XII B

SESSION: 2023-24

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL, AMBIKAPUR



Teachers (From left to right): Mr Ravi Ranjan, Mr Gaurav Gupta, Mr Yogesh Gour, Mr Sunil Tiwari, Sr Jessie Thekkan (Principal), Mrs Jini Thomas (Class Teacher), Mrs Sushmita Bhattacharya, Mr Ashish Agrawal, Mr Santosh Behura
First Row (Girls): Shruti Jaiswal, Aastha Kesharwani, Shristy Sahu, Mahi Agrawal, Arya Tiwari, Simar Kaur, Anvesha Gupta, Deepika Singh, Tasneem Ali, Palak Singh, Bhavini Gupta, Arya Singh
Second Row (Girls): Vedika Agrawal, Garima Singh, Yashaswi Agrawal, Vani Agrawal, Ishika Bansal, Siddhi Garg, Aanya Bansal, Pawani Agrawal, Aditi Singh, Khushi Jain, Mahi Verma, Vanshika Bansal
Third Row (Boys): Anurag Bhagat, Tanish Thawait, Avinash Yadav, Amit Gupta, Sargun Bagga, Pratik Verma, Abhishek Agrawal, Tanishq Soni, Tamim Raza, Devansh Pandey, Asad Anis, Ishan Mittal, Vinay Pandey
Top Row (Boys): Nitin Tiwari, Anish Kedia, Vaibhav Agrawal, Shiv Garg, Aditya Singh, Aditya Garg, Devyansh Soni, Yash Keshri, Shubham Garg, Ansh Singh, Mayank Arora, Tanishk Agrawal, Ronak Garg

CLASS: XII C

SESSION: 2023-24

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL, AMBIKAPUR



Teachers (from left to right): Ms. Pratiksha Raj Gupta, Mr. Gaurav Gupta, Mr. Ashish Agrawal, Mr. Sunil Tiwari, Sr. Jessy Thekkan (Principal), Mrs. Neelam Poddar (Class Teacher), Mr. Yogesh Gaur, Mr. Sameer Singh, Mr. Pranay Shrivastava.
First Row (Girls): Akanksha Panna, Sakshi Gupta, Anushka Agrawal (S), Deepti Bharati, Richa Sinha, Mahi Garg, Shruti Giri, Anushka Agrawal (R), Mahi Gupta, Astha Khare, Ananya Sinha, Shyna Sharma, Nisha Daga.
Second Row (Girls): Anushka Dubey, Ankita Tripathi, Tarishi Agrawal, Tannu Singh, Shreya Gupta, Priyal Goyal, Archita Chaurasia, Ananya Mahatha, Ishika Kaur Sohal, Aakriti Upadhyay, Shubhangi Gupta, Bhumi Agrawal, Khushi Jaiswal.
Third Row (Boys): Jashan Singh Chhabra, Het Patel, Ashmeet Jaiswal, Ayush Samsukha, Mudassir Hussain, Manas Motwani, Sameer Soni, Raunak Agrawal, Akarsh Jaiswal, Kanishk Soni, Krish Gupta, Furkan Raja Khan.
Top Row (Boys): Pranay Agarwal, Rishabh Jain, Aryan Garg, Piyush Gupta (Class Representative), Shreyansh Jain, Rohan Bansal, Swastik Jaiswal, Raja Sahu, Dipendra Singh Baghel, Jai Singh Sisodia.

CLASS: XII D

SESSION: 2023-24



Clerical Staff

Efficiency in Action: Our Office Staff, Pioneers of Precision and Organization.



Support Staff

Silent Heroes: Our Support Staff, the Backbone of Excellence.

The more you deforest, the more we afforest.



HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL

(ENGLISH MEDIUM)

AMBIKAPUR, DIST. - SURGUJA (C.G.), Mo. 9399519148

E-mail : holycrossambikapur67@gmail.com Website : www.holycrossambikapur.com